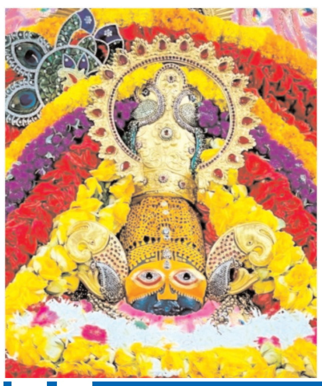

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:323। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 14 जुलाई 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए मांगे आवेदन

• 18 जुलाई आखिरी तारीख

एजेंसी

अयोध्या । श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र (न्यास) ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए योग्य और इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं। आवेदन भेजने की आखिरी तारीख 18 जुलाई (शनिवार) सायं 4 बजे तक निर्धारित की गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र (न्यास) के अनुसार, यह नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। हालांकि, इसे संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। चयनित अधिकारी की

पदस्थापना अयोध्या में होगी, जबकि वेतन और अन्य सुविधाएं आपसी सहमति से निर्धारित की जाएंगी। ट्रस्ट ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए पात्रता की शर्तें भी रखी हैं। अभ्यर्थी का कम से कम स्नातक होना जरूरी है। उम्र 50 से 70 साल के बीच होनी चाहिए। साथ ही, किसी बड़े सार्वजनिक संगठन, संस्था, विभाग या कंपनी में कम से कम 20 साल का प्रबंधकीय अनुभव होना अनिवार्य है। यह अनुभव सामान्य प्रशासन, वित्त, लेखा, कार्मिक, जनसंपर्क, आईटी, सुरक्षा और विधि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के समन्वय और नेतृत्व का होना चाहिए। अभ्यर्थी का सक्रिय हिंदू होना अनिवार्य है, जबकि श्रीरामभक्त वैष्णव होने को वांछनीय माना गया है। इसके अलावा, हिंदी और अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होना भी जरूरी है। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अथवा मंदिर या हिंदू धार्मिक संस्था के प्रबंधन का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि अनुभव, कौशल और क्षमता वाले सेवानिवृत्त अधिकारी भी आवेदन कर सकते हैं।

काशी, मथुरा और संभल विवाद

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया

कहा- केस लड़कर फैसला चाहते हैं

एजेंसी

अयोध्या । यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और

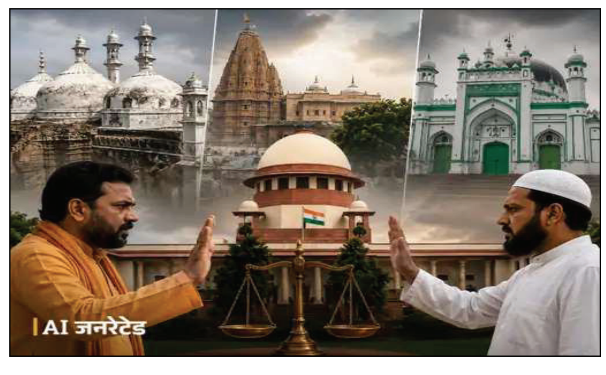

मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं। बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। कोर्ट ने यह लेटर कब भेजा था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी लड़ाई के बजाय बातचीत के जरिए हल निकालना है।

विवाद क्या है: वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब ने यहां मौजूद प्राचीन विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर मस्जिद बनवाई थी।

हिंदू पक्ष की मांग

- ज्ञानवापी परिसर को प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर घोषित किया जाए।
- मस्जिद परिसर में नियमित पूजा की अनुमति मिले।
- परिसर में मिले धार्मिक अवशेषों को मंदिर का हिस्सा माना जाए।

मुस्लिम पक्ष की मांग

- ज्ञानवापी को मस्जिद के रूप में बरकरार रखा जाए।
- पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत नए दावों को खारिज किया जाए।
- मस्जिद में मुस्लिमों के नमाज के अधिकार सुरक्षित रहें।

प्रधानमंत्री मोदी का पंजाब दौरा 17 जुलाई को, चंडीगढ़-जालंधर में बम धमाकों की धमकी

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चंडीगढ़ और पंजाब दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। चंडीगढ़ और मोहाली के कई स्कूलों को एक बार फिर धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है। इसमें 17 जुलाई को चंडीगढ़ और जालंधर में अलग-अलग जगहों पर बम धमाके करने की धमकी दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी 17 जुलाई को पंजाब आयेंगे और जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। इसके पहले धमकी भरे ई-मेल में चंडीगढ़ और मोहाली के स्कूलों के अलावा मोहाली मेयर कार्यालय को निशाना बनाने की बात कही गई है। इसके साथ ही जालंधर और चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर आईईडी धमाके करने की धमकी दी गई है। ई-मेल में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को भी जान से मारने की धमकी दी गई है। साथ ही पंजाब के लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है।

गुजरात में एनएफएसयू सहित अमित शाह के कई कार्यक्रम स्थगित

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में सोमवार को आयोजित होने वाली इंटरपोल डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट ग्रुप (डीएफइजी) की 11वीं बैठक के उद्घाटन समारोह सहित कई कार्यक्रम राष्ट्रीय शोक के कारण स्थगित कर दिए गए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर भारत सरकार ने 13 जुलाई को एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। इस कारण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में होने वाले कई कार्यक्रम और लोकार्पण समारोह स्थगित किए गए हैं। कार्यक्रम की नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। इस संबंध में मीडिया प्रतिनिधियों से सोमवार को एनएफएसयू, गांधीनगर नहीं पहुंचने का अनुरोध किया गया है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में पांच महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण प्रस्तावित था।

भाजपा ने उमर अब्दुल्ला के बयान को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के विरोध प्रदर्शन करने के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने सोमवार को मीडिया को जारी एक बयान कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने के लिए किसी विदेशी नेता का नाम लेना उमर अब्दुल्ला की एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और गलत कोशिश है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इससे जुड़े किसी भी मामले का समाधान पूरी तरह से भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के दायरे में ही होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कई बार राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट की है। चुग ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र, विकास, पर्यटन और सुशासन का एक नया दौर शुरू हुआ है। यह क्षेत्र विकास के नए आयाम छू रहा है। ये मोदी सरकार द्वारा स्थापित सेवा और विकास के बेहतरीन उदाहरण हैं। चुग ने कहा कि दूसरी ओर, जो लोग अपने ही घोषणापत्र से मुकर गए, हर मोर्चे पर विफल रहे और अपने वादे पूरे नहीं किए, वे अब जनता का ध्यान भटकाने के लिए झूठ का सहारा ले रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने दशकों तक परिवारवाद और अलगाववाद की राजनीति के जरिए जनता को गुमराह किया।

रामलला के चढ़ावे का दुरुपयोग हुआ, ट्रस्ट को भंग कर धर्माचार्यों को सौंपा जाए: अजय राय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित दान चोरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई पर टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर के सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया, कांग्रेस नेता इमरान मसूद के बयान और यूपी चुनाव में कांग्रेस-सपा के बीच गठबंधन को लेकर प्रतिक्रिया दी। राम मंदिर ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने ट्रस्ट को भंग करने की मांग की। अजय राय ने इस बात पर जोर दिया कि धर्माचार्यों और अयोध्यावासियों की देखरेख में मंदिर का संचालन होना चाहिए। अयोध्या में कथित दान चोरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई पर अजय राय ने कहा कि भगवान राम के नाम पर मिले चढ़ावे का दुरुपयोग किया गया है।

वडोदरा में सत्ता के नशे में कानून का सरेआम चीरहरण: जिला पंचायत से लेकर बड़ोंदा डेयरी तक भ्रष्टाचार की भयानक दीमक; खनन माफिया के अंधे आतंक के आगे समूचा प्रशासनिक तंत्र नपुंसक!

खान-खनिज विभाग के कमिश्नर धवल पटेल और फ्लाइंग स्क्वाड के 'चॉवड़ा साहब' की चुप्पी के बीच करोड़ों की रॉयल्टी चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा/करजन। गुजरात सरकार भले ही गांधीनगर की गद्दी पर बैठकर भ्रष्टाचार मुक्त शासन और 'जीरो टॉलरेंस' के गगनभेदी दावे करती हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि वडोदरा जिले में सत्ताधारी दल के सफेदपोश नेताओं की अंधी भूख के आगे पूरा सरकारी अमला घुटने टेक चुका है। जिले में सरपंच की कुर्सी से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष तक भ्रष्टाचार का ऐसा दलदल बन चुका है, जहां करोड़ों रुपये का काला कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। वडोदरा जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योत्स्नाबेन वसंतभाई रबारी के पति वसंत रबारी के खिलाफ अवैध रेत खनन, रंगदारी और करोड़ों की रॉयल्टी चोरी के जो पुख्ता दस्तावेज सामने आए हैं, उसने राज्य की सियासत में हड़कंप मचा दिया है।

नर्मदा मैया का सीना चीरकर खुली लूट: एसडीएम और तहसीलदार क्यों मौन?

सूत्रों से मिली अत्यंत सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, नाकेश्वर से पालेज जाने वाले मुख्य मार्ग पर बिना किसी सरकारी मंजूरी या रॉयल्टी पास के अवैध रेत के विशाल पहाड़ खड़े कर दिए गए हैं। पवित्र नर्मदा नदी का सीना चीरकर दिन-रात जेसीबी और डंपरों के जरिए

प्राकृतिक संपदा की बेरहमी से लूट मची है। सबसे बड़ा और शर्मनाक सवाल यह है कि जब यह महाघोटाला मुख्य सड़क पर सरेआम दिखाई दे रहा है, तो करजन के एसडीएम शिवम बारिया, वडोदरा कलेक्टर, जिला पुलिस कप्तान (SP) और स्थानीय तहसीलदार आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं? आखिर करोड़ों रुपये के हफ्तों का यह जाल किस-किस दफ्तर तक पहुंच रहा है, जिसने पूरे तंत्र को इन माफियाओं के सामने पंगु और लाचार बना दिया है?

गरीब पशुपालकों के पसीने की कमाई पर डाका: बड़ोंदा डेयरी का महाघोटाला!

सत्ता के भूखे इन कथित दिग्गजों की नीयत इतनी खराब हो चुकी है कि वे गरीब दूध उत्पादकों की गाढ़ी कमाई डकारने से भी बाज नहीं आ रहे। डेयरी के आधिकारिक ऑडिट रिपोर्ट में एक ऐसा भयानक सच सामने आया है जिसने सहकारी क्षेत्र की नींव हिला दी है। बड़ोंदा डेयरी के सबडोल गांव स्थित चिलिंग सेंटर में करीब 50 से 60 लाख रुपये का बड़ा वित्तीय घपला होना सरकारी कागजों पर साबित हो चुका है। इसके बावजूद, गरीब किसानों का पैसा अपने निजी स्वार्थ में उड़ाने वाले इन रसूखदार नेताओं पर एफआईआर (FIRA) दर्ज करने की हिम्मत डेयरी प्रबंधन क्यों नहीं दिखा पा रहा? वडोदरा भाजपा जिला अध्यक्ष या स्थानीय विधायक इस महापाप पर पर्दा डालने के लिए क्या दबाव बना रहे हैं?

खान-खनिज विभाग के आला अफसर हफ्ता वसूली में मस्त!

इस पूरे सिंडिकेट में सबसे शर्मनाक भूमिका खान-खनिज विभाग की सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस विभाग के फ्लाइंग स्क्वाड के प्रमुख चॉवड़ा साहब और खान-खनिज विभाग के कमिश्नर धवल पटेल द्वारा इस खुलेआम हो रहे अवैध उत्खनन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि इन उच्च अधिकारियों का ध्यान सिर्फ हर महीने आने वाले लाखों के हफ्तों को समेटने पर है, जिसके कारण खनन माफिया बेखौफ होकर सरकारी खजाने को चूना लगा रहे हैं।

'महानगर मेट्रो' के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से सीधे और सण सवाल:

1. मुख्यमंत्री पर सीधे आरोप: खान और खनिज विभाग सीधे आपके अधीन आता है, फिर भी आपकी नाक के नीचे करोड़ों की रॉयल्टी चोरी जारी है। सारे पुख्ता सबूतों के साथ लिखित शिकायत सीएमओ (CMO) तक पहुंचने के बाद भी अब तक कोई कड़ा एक्शन क्यों नहीं हुआ? क्या आपकी कथित स्वच्छ छवि की आड़ में इन भ्रष्टाचारियों को संरक्षण मिल रहा है?
2. धवल पटेल और चॉवड़ा पर कार्रवाई कब?: खान-खनिज विभाग के कमिश्नर धवल पटेल और फ्लाइंग स्क्वाड के चॉवड़ा साहब के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) की रेड डालकर उनकी बेनामी संपत्तियों की जांच क्यों नहीं की जा रही?

वडोदरा का समूचा प्रशासनिक और पुलिस महकमा या तो सत्ता के दबाव में पूरी तरह दबा हुआ है या फिर इस अरबों के खेल में बराबर का हिस्सेदार है। 'महानगर मेट्रो' सीधे शब्दों में सरकार को आगाह करता है कि अगर आने वाले दिनों में इन भ्रष्ट नेताओं और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कानूनी हथौड़ा नहीं चला, तो वडोदरा की आक्रोश?? जनता गांधीनगर के गढ़ को घेरने के लिए मजबूर होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी इस लाचार प्रशासन की होगी.

बांकीपुर उपचुनाव: प्रशांत किशोर ने भरा नामांकन

बोले- यह मेरा नहीं, बिहार के बेहतर भविष्य का नॉमिनेशन

एजेंसी

पटना । जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल

किया। नामांकन से पहले उन्होंने स्काउट एवं गाइड मैदान से समाहरणालय तक पदयात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय लोग शामिल हुए। पदयात्रा स्काउट एवं गाइड मैदान से शुरू होकर कोतवाली थाना, डाकबंगला चौराहा, एसपी वर्मा रोड, जेपी गोलंबर और गांधी मैदान होते हुए समाहरणालय पहुंची। इस दौरान समर्थकों ने 'लड़ेंगे बांकीपुर, जीतेंगे बांकीपुर' सहित विभिन्न नारे लगाए। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने उनका स्वागत भी किया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत नामांकन नहीं, बल्कि बिहार के बेहतर भविष्य का नामांकन है। उन्होंने कहा, 'यह मेरा नामांकन नहीं है, बिहार में बदलती हुई तस्वीर का नामांकन है। यह बिहार के बेहतर भविष्य का नामांकन है और बिहार में अपराधी लोगों को कुर्सी छोड़ने का आह्वान है। यह बदलाव की शुरुआत है।' उन्होंने कहा कि बांकीपुर किसी पार्टी या नेता का गढ़ नहीं, बल्कि यहां की जनता का गढ़ है। जनता ही तय करेगी कि इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। उनके अनुसार यह उपचुनाव सिर्फ एक विधायक चुनने का चुनाव नहीं, बल्कि बिहार में नेतृत्व परिवर्तन का अवसर है।

बांकीपुर उपचुनाव : नामांकन के बाद जेजेडी प्रत्याशी वीणा मानवी गिरफ्तार

पटना। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) की प्रत्याशी वीणा मानवी को सोमवार को नामांकन दाखिल करने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि उनकी गिरफ्तारी एक लंबित मामले में जारी वारंट के आधार पर की गई है। गिरफ्तारी के बाद जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने इस कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी की प्रत्याशी को झूठे मामले में फंसाकर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया है।

मांजलपुर उपचुनाव

भाजपा उम्मीदवार सतीश पटेल ने भरा नामांकन

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा की मांजलपुर विधानसभा सीट से सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सतीश पटेल ने गुजरात प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा की मौजूदगी में अपना नामांकन

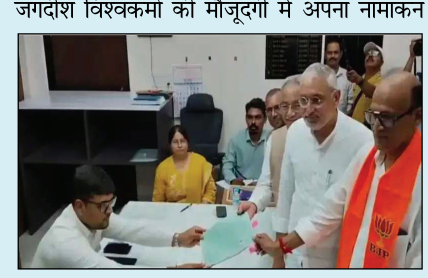

पत्र दाखिल किया। इस दौरान बड़ी संख्या नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले भाजपा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। इसके बाद सतीश पटेल ने जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए उपचुनाव में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया।

मांजलपुर उपचुनाव : कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी ने भरा नामांकन

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा की मांजलपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा के बाद अब कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी ने भी सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। इससे पहले कांग्रेस की ओर से शक्ति प्रदर्शन किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं में चुनाव को लेकर उत्साह देखने को मिला।

7 दिन में फिर रफ्तार पकड़ेगा मानसून

अभी राजस्थान-गुजरात समेत कई राज्यों में कमजोर | यूपी-बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बीते 3-4 दिनों में कमजोर पड़ा मानसून 20 जुलाई से फिर रफ्तार पकड़ेगा। सैटेलाइट इमेज में पूर्वी, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के ऊपर घने बादल दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6-7 दिनों तक कई जगह अच्छी से भारी बारिश होने का अनुमान है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से 126 सड़कें बंद

उत्तराखंड में लगातार बारिश के कारण कई जगह लैंडस्लाइड हुई है। 2 नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हैं। स्यानाचट्टी के पास ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे रविवार को लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा। हरियाणा में हिमाचल से आ रहे पानी के कारण यमुना और मारकंडा नदी में पानी बढ़ गया है। इससे कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं।

काले शीशे वाली स्कॉर्पियो में उत्पात मचाने वाले नाबिर सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा/कपड़वंज। कपड़वंज शहर में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाकर आम जनता में हलचल मचाने वाले नाबिर आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ ही गए हैं। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर काले दिबांग शीशे वाली काली स्कॉर्पियो कार लेकर कपड़वंज के बाजारों और सड़कों पर रस्सियां जमाकर और डंडे बरसाकर उत्पात मचाने वाले अराजक तत्वों की अब पुलिस ने खैर नहीं निकाली है। लंबे समय से ये गैंगस्टर अपनी लग्जरी कारों के दम पर आम नागरिकों को डराने का गंदा खेल खेल रहे थे, लेकिन इस बार उनका साथ कपड़वंज पुलिस को मिल गया है। रात के अंधेरे में आतंक का अंत देर रात कपड़वंज शहर और मार्केट एरिया में फिल्मी स्टाइल में काली स्कॉर्पियो चलाने वाले इन गैंगस्टर्स के खिलाफ लोकल लोगों में बहुत गुस्सा था। काले शीशे वाली इन कारों में बैठकर ये लोग सड़क से गुजरने वाले लोगों में डर का माहौल बनाते थे। सतर्क नागरिकों और पुलिस की सतर्कता के कारण आखिरकार यह पूरा गैंग पकड़ा गया है। पुलिस ने गैंगस्टर्स की कारों को जब्त कर लिया है और कानून की ऐसी मार खाई है कि उनके सारे हेडिंग उतर गए हैं। इस गिरफ्तारी के बाद अब बड़ा सवाल यह उठता है कि नियमों के खिलाफ अपनी कारों पर काला शीशा (ब्लैक फिल्म) लगाकर घूमने वाले इन गैंगस्टर्स का असली मकसद क्या था यह बहुत जरूरी हो गया है कि काले शीशे की आड़ में ये लोग कपड़वंज या खेड़ा जिलों में क्या काला धंधा चला रहे थे, इसकी पूरी जांच की जाए। क्या इस गाड़ी का इस्तेमाल किसी गैर-कानूनी काम या हेराफेरी के लिए किया जा रहा था? पुलिस ने इस दिशा में जांच शुरू कर दी है। पक्को गुजरात न्यूज़ का ज्वलंत सवाल ऐसे अपराधी, जो अपने बाप के पैसे से बेलगाम हो गए हैं, कब सुधरेंगे? जब काले शीशे वाली गाड़ियां सड़कों पर इतनी बेखौफ घूम रही हैं, तो लोकल एडमिनिस्ट्रेशन क्यों सो रहा है? कपड़वंज पुलिस ने इस बार जिस तरह जानलेवा कार्रवाई करके इन अपराधियों को सबक सिखाया है, वह सच में तारीफ़ के काबिल है। अब देखना यह है कि इन अपराधियों के पीछे कौन से बड़े सिर हैं और पुलिस इस जांच में किन काले कारनामों का पर्दाफाश करती है!

गुजसीटोक के क्राइम में शामिल कुख्यात कालिया गैंग को जेतपुर के खारचिया गांव के बॉर्डर से पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। राजकोट रेंज पुलिस ने ग्रामीण राजकोट और पूरे सौराष्ट्र पंथक में प्रॉपर्टी क्राइम करने वाले गैंग पर कड़ी नज़र रखी हुई है। राजकोट डिवीजन के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस निर्लिप्ता राय के फरार अपराधियों को पकड़ने के सख्त निर्देशों के बाद, राजकोट रेंज के पुलिस इंस्पेक्टर अपूर्व पटेल के सीधे मार्गदर्शन में, पुलिस सब इंस्पेक्टर श्री पी.एन. मोरी, बी.सी. मियात्रा, सी.एम. कंटेलिया और पूरे पुलिस स्टाफ ने मुखबिरों और मॉडर्न टेक्निकल सेल की मदद से निगरानी रखी। इस बीच, रेंज टीम के सदस्यों दिव्येशभाई सुवा, शिवराजसिंह झाला और निकुलभाई पंपानिया को मिली सटीक और गोपनीय जानकारी के आधार पर, गोंडल सिटी बी डिवीजन पुलिस स्टेशन में दर्ज 'गुजसीटोक' (गुजसीटोक) के गंभीर अपराध का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इनेश उर्फ यूनुस उर्फ डीडी एस.ओ. नवलभाई उर्फ मुनिभाई वाघेला (उम्र 24, निवासी वासवद संथाली दरवाजा, ता. गोंडल, जी. राजकोट) के तौर पर हुई है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजकोट रेंज टीम ने जसदण क्षेत्र में छापा मार घोड़ा-पासा जुआ खेलते 4 आरोपी पकड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

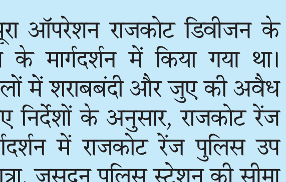

राजकोट। राजकोट ग्रामीण जिले के जसदण थाना क्षेत्र में गढाला गांव के पास खंभाला-भाडली रोड पर सार्वजनिक रूप से घोड़ा-पासा जुआ खेल रहे लोगों पर राजकोट रेंज टीम ने छापा मारा. जिसमें 4 आरोपियों को मौके से पकड़ा गया जबकि 5 आरोपी पुलिस को देखकर भाग गए. पुलिस ने 61,100 रुपये नकद, घोड़ा-पासा नंबर 2, मोबाइल नंबर 3, मोटरसाइकिल और इको कार बरामद की है और 4,71,100 रुपये का कीमती सामान जब्त किया है. यह पूरा ऑपरेशन राजकोट डिवीजन के पुलिस उप महानिरीक्षक निलिप्ता राय के मार्गदर्शन में किया गया था। राजकोट रेंज के अंतर्गत आने वाले जिलों में शराबबंदी और जुए की अवैध गतिविधियों को दबाने के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार, राजकोट रेंज पुलिस निरीक्षक अपूर्व पटेल के मार्गदर्शन में राजकोट रेंज पुलिस उप निरीक्षक श्री पी.एन. मोरी, बी.सी. मियात्रा, जसदन पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर खंभाला-भादली रोड पर गढाला गांव के पास रेड की गई। गिरफ्तार किए गए 4 आरोपियों में (1) रजकभाई जमालभाई खोरानी, निवासी नवागढ़, ता. जेतपुर, (2) संजयभाई वाघजीभाई वाघेला, निवासी करियाना गांव, ता. बाबरा, जिला अमरेली (3) मुकेशभाई हिप्पाभाई सरेलिया, निवासी लिंबडिया, ता. गढड़ा स्वामीनारायण, जिला बोटाद (4) मनीषभाई नानजीभाई मारू, निवासी बाबरा, करियाना रोड, डॉ. अंबेडकर नगर, जिला अमरेली को गिरफ्तार किया गया।

दांता हदाद तालुका के कई हेल्थ वर्कर दूर-दूर से आ रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर। दांता तालुका के हदाद इलाके में काम करने वाले PHC (प्राइमरी हेल्थ सेंटर) के कुछ अधिकारी और कर्मचारी दूर-दूर से आने-जाने की वजह से समय पर हेल्थ सेंटर नहीं पहुंच पाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ सीनियर हेल्थ अधिकारी भी समय पर मौजूद नहीं रहते हैं, जिससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों और गांववालों को काफी परेशानी होती है। ऐसी भी शिकायतें हैं कि मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है और हेल्थ सर्विस पर असर पड़ रहा है। लोगों की मांग है कि हेल्थ सर्विस समय पर और आसानी से मिलें, यह पक्का करने के लिए गांधीनगर डिपार्टमेंट की तरफ से सरप्राइज इंस्पेक्शन किया जाना चाहिए और अगर कोई गड़बड़ी मिलती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमों के मुताबिक जरूरी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि मरीजों को बेवजह परेशानी न उठानी पड़े।

एलसीबी पीआई के 'कमाऊ पूत' भूपत रबारी और खोड़ा रबारी का पूरे वडोदरा जिले में आतंक

एसएमसी की रेड से पहले वडोदरा एलसीबी द्वारा लोकेशन लीक करने का सनसनीखेज आरोप

गृहमंत्री हर्ष संघवी के 'ड्राइव' की करजन में उड़ी धज्जियां! एसपी और पीआई की रहस्यमयी चुप्पी के बीच चल रहा करोड़ों का 'हफ्ता राज'

करजन से लाखों की अवैध वसूली कर साहबों की तिजोरियां भरने वाले 'प्राइवेट कारिंदों' और भ्रष्ट पुलिस के गठजोड़ पर 'महानगर मेट्रो' का सीधा प्रहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन/वडोदरा। गुजरात सरकार भले ही राज्य में सख्त शराबबंदी के ऊंचे-ऊंचे दावे करती हो और गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी भले ही नशामुक्त गुजरात के बड़े अभियान चलाते हों, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका से सामने आई जमीनी हकीकत ने गांधीनगर में बैठे आला अधिकारियों की नींद उड़ा दी है। करजन में कानून व्यवस्था की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। पूरा तालुका मानो बुटलेगरों (शराब माफिया) और जुआरियों के लिए एक 'सेफ हेवन' (सुरक्षित ठिकाना) बन चुका है। सरकारी नियमों को ताक पर रखकर करजन पुलिस थाने की नाक के ठीक नीचे अरबों रुपये का अवैध नेटवर्क धड़ल्ले से फल-फूल रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे काले साम्राज्य की कमान संभालने वाला कोई दूसरा नहीं, बल्कि खुद पुलिस का एक चहेता बिचौलिया (वहीवटदार) हनूभा कामड़िया उर्फ हनू बुटलेगर है, जो पहले भी शराब तस्करी के बड़े मामलों में जेल की हवा खा चुका है और सस्पेंड भी हो चुका है। ऐसे शातिर अपराधी ने आज पूरे करजन तालुका की पुलिस को अपनी उंगलियों पर नचा रखा है।

पीआई के खास मोहरे: भूपत रबारी और खोड़ा रबारी का खेल!

सूत्रों से मिली अत्यंत सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, वडोदरा एलसीबी पीआई के सबसे खास राजदार और महकमे में 'कमाऊ पूत' के नाम से कुख्यात भूपत भाई रबारी (डभोई बीट) और खोड़ा भाई रबारी इस पूरे खेल के मुख्य सूत्रधार हैं। ये दोनों बिचौलिये करजन तालुका सहित पूरे वडोदरा जिले के शराब माफियाओं, जुआ अड्डों और अवैध धंधेबाजों से हर महीने लाखों रुपये

का मोटा हफ्ता वसूल कर पीआई साहब की तिजोरी तक पहुंचाने का संगठित सिंडिकेट चला रहे हैं। इन कथित कारिंदों और पुलिस की गहरी मिलीभगत के कारण ही जिले में बुटलेगर बेखौफ हो चुके हैं और स्थानीय पुलिस इन अड्डों पर छापेमारी करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाती।

गांव-गांव में चल रहे अवैध अड्डों का 'लोकेशन' के साथ पर्दाफाश:

करोड़ों रुपये के इसी हफ्ता राज के दम पर करजन पुलिस स्टेशन से महज 2 किलोमीटर दूर स्थित करमडी गांव में लगभग 15 से अधिक भट्टियां बिना किसी डर के चल रही हैं, जहां केमिकल युक्त जहरीली देसी शराब बनाई जा रही है। इसके नई नगरी पानी की टंकी के पास नगीन नाम का बुटलेगर सरेआम वरली मटका (जुआ) खिलवा रहा है।

सापा गांव: नई वसाहत में भी वरली मटका का सट्टा धड़ल्ले से चालू है।

सीमडी से राणपुर रोड: राणपुर गांव का सरपंच और बीजेपी युवा मोर्चा का अध्यक्ष पार्थ शाह खुद पूरे करजन तालुका में विदेशी शराब का बड़ा सिंडिकेट चला रहा है। सीमडी से राणपुर जाने वाले रास्ते पर शराब का भारी जखीरा छिपाए जाने के पुख्ता सबूत मिले हैं।

कंडारी गांव: टावर के पास अमित वसावा नामक बुटलेगर धड़ल्ले से अंग्रेजी शराब बेच रहा है।

बारियावास इलाका: परेश चुनावाड़ा नामक शख्स बिना किसी खौफ के इंग्लिश वाइन की होम डिलीवरी और बिक्री कर रहा है।

'महानगर मेट्रो' के सरकार और प्रशासन से सणसणाते सवाल:

1. वडोदरा जिले के पुलिस कप्तान सुशील अग्रवाल और पीआई पटेल अपनी नाक के नीचे चल रहे इस करोड़ों के हफ्ता राज और अपने खास सिपहसालारों भूपत रबारी और खोड़ा रबारी की करतूतों पर आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं? इस रहस्यमयी चुप्पी के पीछे कौन सा बड़ा वित्तीय सांठगांठ छिपा है?

2. जब एलसीबी पीआई और उनके बिचौलिये हर महीने लाखों का हफ्ता वसूल रहे हैं और बेनामी संपत्तियां खड़ी कर चुके हैं, तो एंटी करप्शन ब्यूरो इन अधिकारियों के बैंक बैलेंस और संपत्तियों की गोपनीय जांच क्यों नहीं कर रही?

3. स्थानीय विधायक और सांसद इस गंभीर दूषण और केमिकल युक्त जहरीली शराब के अवैध कारोबार पर मौन क्यों हैं? क्या जनता की जान से ज्यादा ये हफ्ता राज जरूरी है? 4. सबसे घातक सवाल–करजन तालुका में जो केमिकल युक्त देसी शराब की भट्टियां बेखौफ चल रही हैं, अगर भविष्य में यहां कोई बड़ा और भयानक 'लट्ठाकांड' (जहरीली शराब कांड) होता है और मासूम नागरिकों की जान जाती है, तो इसका असली जिम्मेदार कौन होगा? गांधीनगर में बैठी सरकार, जिले के एसपी या फिर हफ्ताखोरी के दलदल में डूबे ये पीआई और उनके कारिंदे यह पूरी भ्रष्ट चौकड़ी राज्य के मुख्यमंत्री की स्वच्छ छवि को धूमिल कर रही है। 'महानगर मेट्रो' सीधे शब्दों में पूछता है कि, अपराधियों के दम पर और इन कथित 'कमाऊ पूतों' के हफ्ता राज पर चलने वाले इस सिस्टम पर गांधीनगर से कब सख्त हथौड़ा चलेगा?

एसएमसी की रेड से पहले वॉट्सऐप पर लोकेशन लीक करने का घिनौना खेल:

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा विस्फोट यह है कि जब भी कोई जागरूक नागरिक स्टेट मॉनिटरिंग सेल में इन अड्डों की ऑनलाइन शिकायत करता है, तो गांधीनगर से एसएमसी की टीम के पहुंचने से पहले ही वडोदरा एलसीबी के कुछ भ्रष्ट कर्मचारी (जिसमें एसएमसी के ही एक कांस्टेबल द्वारा वडोदरा एलसीबी पीआई को मुखबिरी करने की चर्चा है) शराब माफियाओं को वॉट्सऐप पर लोकेशन शेयर कर अलर्ट कर देते हैं कि 'गाड़ी निकल चुकी है, अपने-अपने अड्डे बंद कर दो!'. हालात ये हैं कि वडोदरा एलसीबी पीआई और करजन पुलिस स्टेशन के पीआई पटेल के इन बिचौलियों ने पूरे वडोदरा जिले को शराब माफियाओं के हाथों गिरवी रख दिया है। इस संबंध में जब 'महानगर मेट्रो' द्वारा एलसीबी पीआई साहब का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो वे मीडिया के तीखे सवालों से बचते नजर आए और उन्होंने फोन उठाना ही बंद कर दिया!

पत्रकारों के स्वमान और उनके परिवारों की सुरक्षा के संकल्प के साथ एकजुट हुआ मीडिया जगत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर/भरूच। देश और दुनिया के सबसे बड़े पत्रकार संगठनों में शुमार 'पत्रकार एकता परिषद' के भरूच जिला अधिवेशन का भव्य आयोजन औद्योगिक नगरी अंकलेश्वर में बेहद गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। वर्ष 2026 को संगठन द्वारा 'पत्रकारों के परिवार की चिंता के वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, जिसकी शुरुआत पूर्व में भावनगर से हुई थी। इसी कड़ी में अंकलेश्वर की पावन धरा पर आयोजित इस अधिवेशन का शुभारंभ सामूहिक राष्ट्रगान और मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक ईश्वर सिंह पटेल, अंकलेश्वर तालुका पंचायत अध्यक्ष विवेकभाई भरडीवाला, अंकलेश्वर नगरपालिका अध्यक्ष जिग्नेशभाई अंडारिया, अंकलेश्वर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सेक्रेटरी नीलेशभाई पटेल और भाजपा के पूर्व तालुका अध्यक्ष डॉ. नितेन्द्रसिंह देवधरा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। भरूच जिला अधिवेशन को सफल बनाने के लिए पूरी 'टीम अंकलेश्वर' ने कंधे से कंधा मिलाकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, जिसके चलते यह आयोजन ऐतिहासिक सफलताओं के शिखर पर पहुंच गया। आमंत्रित अतिथियों, समाजसेव्यों, संस्था प्रमुखों और वरिष्ठ पत्रकारों का बुके, शॉल, सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत-सत्कार किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ईश्वर सिंह पटेल ने पत्रकारों के अप्रतिम योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक संदेश पहुंचाने का महान कार्य कर रहे हैं।

सलाबातपुरा पुलिस स्टेशन में हुई भगवान जगन्नाथ यात्रा के सिलसिले में शांति समिति की बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सलावतपूरा. पुलिस स्टेशन में शांति समिति की बैठक हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शांति, सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था है सलाबातपुरा पुलिस स्टेशन में ए.सी.पी. सी.जी. श्री वादडोरिया सर एवं पुलिस इंस्पेक्टरश्री आर. ए. जडेजा कर के मार्गदर्शन में हुई इस बैठक में शांति समिति के सदस्य असदभाई कल्याणी, मुकेशभाई महात्मा, सोहेलभाई हँसोटी, रईसा शेख, ऋषि राजपूत और साकिर मस्तान के साथ अन्य सामाजिक, राजनीतिक और विविध संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया इस मीटिंग में यात्रा के दरमियान नागरिकों की सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा हुई सभी सदस्यों से उनकी राय मांगी गई और पुलिस अधिकारियों द्वारा सही मार्गदर्शन दिया गया उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई इस बैठक में बहुत ही गंभीरता से चर्चा हुई एवं रथ यात्रा बहुत ही सही तरह से पूर्ण हो इसी बात को लक्ष्य मानते हुए मीटिंग को पूर्ण किया गया

सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं का करें त्वरित निस्तारण- जिला कलक्टर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसमें उन्होंने संपर्क पोर्टल की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं की विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी औसत समय में कमी लाते हुए परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था शिविर की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जनसुनवाई के दौरान जिले के नागरिकों की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। जिला कलक्टर ने राज्य सरकार के निर्देशानुसार ज़िलें में संचालित ग्रामीण सेवा शिविर की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र ग्रामीणों को लाभान्वित करें।

मौत अचानक आएगी...': ईरान के सरकारी अखबार ने 'किल लिस्ट' जारी की डोनाल्ड ट्रंप और जॉर्जिया मेलोन समेत दुनिया के टॉप 13 नेता ईरान के निशाने पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तेहरान/अहमदाबाद। एक बार फिर, पूरी दुनिया में एक बड़े युद्ध की आहट सुनाई दे रही है और इस बार इंटरनेशनल लेवल पर एक बड़ा भूकंप आया है जिसने पश्चिमी देशों समेत पूरी दुनिया की नींद हराम कर दी है। ईरान और इज़राइल-अमेरिका के बीच भारी तनाव के बीच, ईरानी शासन से प्रेरित एक बड़े अखबार ने सच में एक हिंसक और चौंकाने वाली 'किल लिस्ट' (हिट लिस्ट) जारी की है। इस अखबार ने दुनिया के टॉप 13 नेताओं की फोटो और नाम छापे हैं और खुली धमकी देते हुए कहा है, 'मौत अचानक आएगी... और किसी भी कीमत पर बदला लिया जाएगा।' ईरान की तरफ से जारी इस खतरनाक लिस्ट में स प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप, इटली के प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोन, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, पश्चिमी देशों और उनके साथियों समेत 13 ग्लोबल लीडर्स को सीधे टारगेट किया गया है। ईरान का मानना ??है कि ये लीडर्स और उनकी पॉलिसीज़ उसके कमांडर्स और शहीदों की मौत के लिए ज़िम्मेदार हैं, इसलिए इनसे कभी भी और किसी भी तरह से बदला लिया जाएगा। ईरानी अखबार ने जिस तरह से यह धमकी दी है, वह बहुत ही अग्रेसिव है। अखबार के फ्रंट पेज पर सभी लीडर्स की फोटोज़ को टारगेट किया गया है। साफ तौर पर चेतावनी दी गई है कि हम इन लीडर्स को कभी माफ नहीं करेंगे और समय और जगह की परवाह किए बिना कभी भी बड़ा काउंटर अटैक किया जाएगा। इस अनाउंसमेंट के बाद स इंटेलिजेंस एजेंसियां और यूरोपियन देशों के सिक्योरिटी सिस्टम हाई अलर्ट पर आ गए हैं। होर्मुज की खाड़ी और युद्ध के बादल यह हिट लिस्ट ऐसे समय में सामने आई है जब होर्मुज की खाड़ी में जंगी जहाज़ आमने-सामने हैं और ग्लोबल सप्लाई चेन पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। ईरान इस लिस्ट के ज़रिए यह साबित करना चाहता है कि वह पश्चिमी ताकतों के आगे झुकने को तैयार नहीं है। क्या ईरान की यह खुली धमकी दुनिया को एक भयानक वर्ल्ड वॉर की ओर धकेल देगी? डोनाल्ड ट्रंप पर हमले की कोशिशें पहले भी हो चुकी हैं, तो ईरान का इस तरह से 'किल लिस्ट' की ऑफिशियल घोषणा करना कितना बड़ा सिक्योरिटी ब्रीच और इंटरनेशनल कानूनों का उल्लंघन है? अब देखना यह है कि सुपरपावर अमेरिका और ह्मह्ल देश ईरान की इस जानलेवा चुनौती का कैसे और कितने डरावने तरीके से जवाब देते हैं!

रियलिटी चेक करते समय रतनपुर हेल्थ सेंटर पूरे दिन बंद मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेरोज। रतनपुर के प्राइमरी हेल्थ सेंटर को चेक किया गया तो कोई भी ष्ट॥ह्र या कोई भी स्टाफ मौजूद नहीं मिला। लोकल लोगों से पूछने पर लोगों ने बताया कि हमारे प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर कोई भी स्टाफ टाइम पर मौजूद नहीं रहता है। अगर हमें कोई छोटी या बड़ी बीमारी के लिए कोई दवा लेनी हो तो हमें 30 km दूर खेडब्रह्मा जाना पड़ता है। लोगों का आरोप है कि खेडब्रह्मा जिले के दूर-दराज के इलाकों में कोई भी CHO प्राइमरी हेल्थ स्टाफ मौजूद नहीं है। दूर-दराज के इलाकों में लोगों को छोटी या बड़ी बीमारी होने पर छोटी-बड़ी दवा लेने के लिए दूर जाना पड़ता है। जब तालुका के THO और जिले के CDHO AC ऑफिस से बाहर नहीं निकलते और इन लोगों की कभी जांच या जांच नहीं होती, तो यह जरूर दिखता है कि प्राइमरी हेल्थ सेंटर का स्टाफ नौकरी से निकाल रहा है। जब रियलिटी चेक ने प्राइमरी हेल्थ के CHO और उनके स्टाफ की पोल खोल दी, तो अब पक्को गुजराती की रिपोर्ट के बाद क्या CDHO सेंटर्स पर जाकर कोई एक्शन लेंगे या सब कुछ THO और CDHO की मिलीभगत से हो रहा है? अब अगर गांधीनगर से बड़े अधिकारी खेड़ब्रह्मा जिले के सभी सेंटर्स पर अचानक जाकर विजिट करें, तो सच सामने लाना और करप्ट अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेना जरूरी हो गया है।

मांजलपुर उपचुनाव में राजनीतिक लड़ाई: कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी ने शक्ति प्रदर्शन के साथ पर्चा दाखिल किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा के मांजलपुर विधानसभा क्षेत्र के दिवंगत विधायक योगेशभाई पटेल की अचानक मौत से खाली हुई सीट पर उपचुनाव का माहौल गरमा गया है। इंडियन नेशनल कांग्रेस ने इस सीट से पार्टी के सच्चे कार्यकर्ता, पूर्व मंत्री और प्रदेश उपाध्यक्ष भीखाभाई रबारी को मैदान में उतारा है। आज वडोदरा में कांग्रेस पार्टी के बड़े शक्ति प्रदर्शन और रैली के साथ भीखाभाई रबारी कलेक्टर ऑफिस पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जिससे स्थानीय राजनीति गरमा गई है। ऑफिस में कार्यकर्ताओं का जोश और बड़ी रैली इस मौके पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट अमित चावड़ा खास तौर पर वडोदरा के लहरीपुरा में कांग्रेस ऑफिस में मौजूद थे। उन्होंने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित किया और संगठन से एकजुट होकर चुनाव जीतने का आह्वान किया। उसके बाद अमित चावड़ा, उम्मीदवार भीखाभाई रबारी और सभी फ्रंटल सेल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता नारे लगाते हुए एक बड़ी रैली के रूप में कलेक्टर ऑफिस पहुंचे, जहां कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद चुनाव फॉर्म जमा किया गया। फॉर्म भरने के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रेसिडेंट अमित चावड़ा ने BJP शासन पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि वडोदरा और मांजलपुर के लोग BJP की ट्रिपल इंजन सरकार के भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन से बहुत परेशान हैं। BJP नेताओं और उनके साथियों के गैर-कानूनी दबाव की वजह से ही हर साल विश्वामित्री नदी में इंसानों की बनाई बाढ़ आती है, जिससे मंजलपुर और पूरे वडोदरा के लोगों को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। अमित चावड़ा ने कहा कि यह चुनाव सिर्फ एक सीट के लिए नहीं है, बल्कि यह ईमानदारी और भ्रष्टाचार की लड़ाई है और एक लोकल उम्मीदवार और एक बाहर से आए उम्मीदवार की लड़ाई है। कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी, खराब शिक्षा और बाढ़ की समस्या जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर हर वोटर के घर पहुंचेगी। उन्होंने दावा किया कि मंजलपुर के लोग साल 2027 में कांग्रेस को आशीर्वाद देकर पूरे देश को BJP राज को अलविदा कहने का कड़ा संदेश देंगे। दिग्गज नेताओं की खास मौजूदगी वडोदरा सिटी कांग्रेस प्रेसिडेंट ऋत्विज जोशी, डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट जसपाल सिंह पढियार, पूर्व विपक्षी नेता, सिटी कॉरपोरेटर, NSUI, महिला कांग्रेस और यूथ कांग्रेस के सभी फ्रंटल ऑर्गनाइजेशन के पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता नॉमिनेशन पेपर फाइल करने के इस अहम प्रोग्राम में मौजूद रहे और पार्टी की एकता दिखाई।

संक्षिप्त न्यूज

झालोद में चोरों का आतंक, तीन घरों और बाइक को बनाया निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। साई धाम सोसायटी में चोरों ने तीन घरों और एक बाइक को निशाना बनाते हुए करीब 1.43 लाख रुपये की नकदी व जेवरात चोरी कर लिए। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वाड और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। डीएसपी डी.आर. पटेल ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

एक गले लगना... जो अधूरा रह गया: खामोशी भी खत्म कर देती है रिश्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। रिश्ते हमेशा लड़ाई-झगड़े या कड़वे शब्दों से नहीं टूटते, कई बार वे धीरे-धीरे खामोशी और भावनात्मक दूरी की वजह से खत्म हो जाते हैं। एक संवेदनशील लेख में बताया गया है कि कई परिस्थितियों में लोगों को सलाह से ज्यादा अपनापन, सुरक्षित साथ और समझ की जरूरत होती है। लेख में संदेश दिया गया है कि यदि किसी रिश्ते में सिर्फ चुप्पी की वजह से दूरी आई है, तो अहंकार छोड़कर संवाद की पहल करनी चाहिए, क्योंकि कई बार एक छोटा-सा कदम जीवनभर के पछतावे से बचा सकता है।

घायल वीर जवान के लिए अभिनेता विजय थलापति का बड़ा सहयोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। दक्षिण भारतीय अभिनेता विजय थलापति ने आतंकवादियों से मुकाबले के दौरान घायल हुए एक भारतीय सैनिक को 48 लाख की आर्थिक सहायता देने का दावा सामने आया है। इस खबर के बाद सोशल मीडिया पर उनके इस कदम की जमकर सराहना हो रही है। लोग इसे देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान

पूर्व विधायक कांती अमृतिया के भाई की साइट पर जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। गुजरात के मोरबी में पूर्व विधायक कांती अमृतिया के भाई से जुड़ी खनन साइट पर खाण-खनिज विभाग ने अचानक जांच अभियान चलाया। अधिकारियों ने दस्तावेजों, रॉयल्टी पास और खनन नियमों के पालन की जांच की। स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को हाल के किसान आंदोलन से जोड़कर चर्चाएं हो रही हैं, हालांकि प्रशासन ने इसे लेकर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। फिलहाल जांच जारी है और अब तक किसी गड़बड़ी या दंडात्मक कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है।

जवान बनाम नेता की पेंशन पर छिड़ी बहस, सोशल मीडिया पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल होने के बाद जवानों और जनप्रतिनिधियों की पेंशन को लेकर बहस तेज हो गई है। पोस्ट में दावा किया गया है कि 20 वर्ष सेवा देने वाले एक बीएसएफ जवान को 8,380 मासिक पेंशन मिलती है, जबकि एक दिन विधायक रहने वाले व्यक्ति को 84,240 तक पेंशन मिल सकती है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नई पेंशन योजना और जनप्रतिनिधियों की पेंशन व्यवस्था को लेकर लोगों में चर्चा और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

जवानों और नेताओं की पेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जवानों और जनप्रतिनिधियों की पेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल होने के बाद देशभर में बहस छिड़ गई है। वायरल दावे में कहा गया है कि 20 वर्ष से अधिक सेवा देने वाले एक बीएसएफ जवान को नई पेंशन योजना के तहत 8,380 मासिक पेंशन मिलती है, जबकि एक दिन विधायक रहने वाले व्यक्ति को 84,240 तक मासिक पेंशन मिल सकती है।

6 साल के मासूम का दिल दहला देने वाला सवाल

'डैडी कब आएंगे?'; सूरत खादीपुर ने लील लीं 42 मौतें, सिस्टम की बड़ी लापरवाही उजागर!

परिवार का आरोप: 'फोन करने के बाद 2 घंटे तक किसी ने पानी में नहीं किया सर्च ऑपरेशन, प्रशासन की सुस्ती से गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत में मेघराजा द्वारा की गई तबाही अब मानव निर्मित आपदा की ओर इशारा करती है। सूरत की खादी बाढ़ ने अब तक 42 मासूमों की जान ले ली है, लेकिन इन आंकड़ों के पीछे छिपी कड़वी हकीकत और सिस्टम की उदासीनता रोंगटे खड़े कर देने वाली है. इस पूरी त्रासदी में सबसे ज्यादा आक्रोश सरकारी तंत्र की लचर नीति के खिलाफ देखने को मिल रहा है. पीड़ित परिवारों का आक्रोश अब ज्वालामुखी बनकर फूट पड़ा है.

मासूम की चीख और सिस्टम की बेरुखी:

इस त्रासदी की सबसे हृदयविदारक तस्वीर एक घर में देखने को मिली, जहां 6 साल का मासूम बच्चा आंखों में आंसू लिए एक ही सवाल पूछता रहता है- 'पापा कब आएंगे?' इस सवाल का जवाब देने की हिम्मत परिवार के किसी भी सदस्य में नहीं है. मृतक के परिजनों ने सिस्टम पर हमला करते हुए कहा, 'जब घटना हुई तो हमने तुरंत मदद के लिए फोन किया. लेकिन फोन करने के 2 घंटे तक किसी ने पानी में सर्च ऑपरेशन शुरू नहीं किया! अगर सिस्टम समय पर जाग गया होता और फायर ब्रिगेड या बचाव दल समय पर पहुंच गया होता, तो हमारा रिश्तेदार आज हमारे बीच जिंदा होता. '

42 मौतों का जिम्मेदार कौन?

सूरत में खाड़ी में बाढ़ का पानी इतना क्यों बढ़ गया और 42 लोगों की जान क्यों चली गई? ये सवाल अब पूरे गुजरात में गूंज रहा है. प्री-मानसून ऑपरेशन के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये फूंकने वाला सूरत नगर निगम और स्थानीय प्रशासन इस आपदा में पूरी तरह विफल साबित हुआ है। बाढ़ के पानी में लोग घंटों तक मदद के लिए छटपटाते रहे, लेकिन सरकारी अधिकारी एसी चैंबर से बाहर आने को तैयार नहीं थे. सोशल मीडिया से लेकर सूरत की सड़कों तक अब लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है.

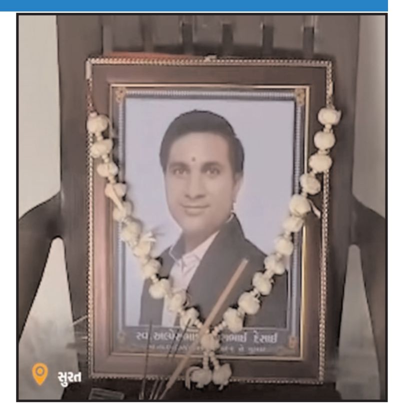

झालोद में चोरों का आतंक, तीन घरों और बाइक को बनाया निशाना

साई धाम सोसायटी में 1.43 लाख की चोरी से मचा हड़कंप; डॉग स्क्वाड, एफएसएल और पुलिस जांच में जुटीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। शहर के साई धाम सोसायटी (माली की वाडी) क्षेत्र में चोरों के एक सक्रिय गिरोह ने एक ही रात में तीन घरों और एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाकर दहशत फैला दी। चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर तिजोरी से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी सहित कुल 1.43 लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वाड और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने के साथ जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार साई धाम सोसायटी निवासी स्मिताबेन कल्पेशभाई डबगर 10 जुलाई को अपने दोनों बच्चों के साथ एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए गोधरा गई थीं। घर बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और

अंदर रखी तिजोरी को भी तोड़ डाला। अगली सुबह पड़ोसी ने घर का दरवाजा खुला देखकर घटना की सूचना दी। परिवार के लौटने पर घर का सामान बिखरा मिला और तिजोरी से करीब 12 ग्राम सोने की चेन, 4 ग्राम सोने की बालियां, 200 ग्राम चांदी की छड़ें, 12 चांदी के सिक्के (लगभग 120 ग्राम) तथा 1.20 लाख रुपये नकद गायब मिले। चोरी गई संपत्ति की कुल कीमत करीब 1.43 लाख रुपये आंकी गई है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि पास में रहने वाले शैलेशभाई चिमनभाई परमार की मोटरसाइकिल भी चोरी हो गई। वहीं चेतनभाई कालियाभाई कटारा के घर में भी चोरी की घटना की जानकारी मिलने के बाद आशंका जताई जा रही है कि क्षेत्र में कोई संगठित चोर गिरोह सक्रिय है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने डॉग स्क्वाड और एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल की बारीकी से जांच की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर जांच तेज कर दी गई है। झालोद के डीएसपी डी.आर. पटेल ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है।

आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गई हैं। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी इनपुट और अन्य सुरागों के आधार पर जांच जारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चोरों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के दायरे में लाया जाएगा। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल है। पुलिस ने रात्रि गश्त बढ़ा दी है और लोगों से भी संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

कार्नेट नर्मदा नहर के पास मवेशियों से भरी पिकअप वैन पलटी: 1 गाय की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाभोई। तालुका के कारनेट गांव से गुजरने वाली नर्मदा नहर के पास आज सुबह-सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। मवेशियों को लेकर पूरी रफ्तार से जा रही पिकअप वैन के ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी अचानक सड़क पर पलट गई. इस हादसे के बाद पिकअप वैन में बेरहमी से बंधे जानवरों में चीख-पुकार मच गई. पिकअप वैन का चालक घटनास्थल पर ही गाड़ी छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला.घटना सुबह करीब छह बजे की है. जैसे ही कारनेट गांव की जाजर्ट महिला सरपंच के पति और सामाजिक कार्यकर्ता अजयभाई भाटिया और उपसरपंच अजयभाई भाटिया को दुर्घटना की सूचना मिली, वह बिना समय गंवाए तुरंत अपनी टीम और ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पलटी पिकअप वैन में मवेशी ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे।अजयभाई भाटिया और उनकी टीम

ने वैन में फंसी गायों को एक-एक करके सुरक्षित बाहर निकालने में काफी मेहनत की। सभी गायों को पास के खुले मैदान में चरने के लिए छोड़ दिया गया। पता चला है कि गाड़ी में कुल 11 जानवर यानी गाय लदे हुए थे. दुर्भाग्यवश पलटे वाहन से कुचलकर एक गाय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गायों को सुरक्षित बचा लिया गया।घटना की जानकारी डभोई पुलिस को देने के बाद पुलिस का बेड़ा भी मौके पर पहुंच गया. पुलिस ने स्थानीय लोगों और सरपंच की टीम की मदद से सभी जीवित मवेशियों को सुरक्षित रूप से पंजरापोल में आश्रय में स्थानांतरित करने का प्रयास किया। फिलहाल दभोई पुलिस ने हादसे में शामिल पिकअप वैन को जब्त कर लिया है. पुलिस ने यह पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है कि ये जानवर कहां से लाए गए थे, इनका मालिक कौन है और इन्हें अवैध रूप से कहां ले जाया जा रहा था। पुलिस ने फरार चालक को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

: विज्ञान जत्था के अध्यक्ष जयंत पंड्या मैदान: 'भविष्यवक्ताओं की भविष्यवाणी विफल रही, उनके खिलाफ मामला दर्ज करें!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। .गुजरात में मॉनसून का मौसम शुरू होते ही सबसे ज्यादा चर्चा मौसम विज्ञानी अंबालाल पटेल के नाम की हो रही है। लेकिन अब गुजरात की मौसम राजनीति में बड़ा भूचाल आ गया है. करोड़ों किसान और नागरिक आश्चर्यचकित हैं क्योंकि खबरें सामने आ रही हैं कि अंबालाल पटेल ने घोषणा की है कि अब बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं होगा। दूसरी ओर, अंधविश्वास और भ्रांतियों के खिलाफ लड़ने वाली संस्था 'विज्ञान जत्था' इस मामले में आक्रामक मूड में आ गई है, जिससे पूरा विवाद बढ़ गया है.

आखिर क्या है पूरा मामला?

पिछले कुछ समय से मौसम के पूर्वानुमानों को लेकर सोशल मीडिया और लोकमुख पर काफी बहस चल रही है। इस बीच विज्ञान जत्था के अध्यक्ष जयंत पंड्या ने सनसनीखेज दावा किया है. उन्होंने कहा है कि निजी पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा किए गए अधिकांश वर्षा पूर्वानुमान बुरी तरह विफल रहे हैं। इस प्रकार की झूठी एवं भ्रामक भविष्यवाणियों के कारण आम जनता तथा विशेषकर किसान, जिसे विश्व का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति माना जाता है, भारी भ्रम में रहता है तथा आर्थिक हानि उठाता है। यहीं नहीं रुकते हुए, जयंत पंड्या ने ऐसे निजी भविष्यवक्ताओं के खिलाफ कानूनी अपराध दर्ज करने की भी पुरजोर मांग की है।

दबाव में लिया फैसला?

एक तरफ विज्ञान आंदोलन द्वारा कानूनी कार्रवाई की धमकियां और दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर भविष्यवाणियों के गलत होने की आलोचना के बीच चर्चा है कि अंबालाल पटेल ने अब बारिश की भविष्यवाणी न करने का बड़ा फैसला लिया है. वर्षों से पारंपरिक और नक्षत्रों के आधार पर बारिश की भविष्यवाणी करने वाले अंबालाल पटेल के इस फैसले से उनके समर्थकों और किसानों में निराशा है।

झालोद में कांग्रेस ने किया सचिन पायलट का भव्य स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सोमवार को राजस्थान के कुशलगढ़ जाते समय झालोद में रुके। इस मौके पर दाहोद जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया.सचिन पायलट के आगमन पर झालोद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल था. इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, जिला और तालुका कांग्रेस पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे. ढोल-कुंडी की थाप पर कुमकुम चांडाल जलाकर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद नेताओं व कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया. झालोद में करीब दस मिनट के संक्षिप्त दौरे के दौरान सचिन पायलट ने भील राजा झाला वसैया चौक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. कार्यकर्ताओं से संक्षिप्त बातचीत के दौरान सचिन पायलट ने कहा कि दाहोद जिला और झालोद क्षेत्र वर्षों से कांग्रेस का गढ़ रहा है और यहां की जनता ने लगातार कांग्रेस का समर्थन किया है. अहमदाबाद से राजस्थान के कुशलगढ़ जाते समय झालोद में गर्मजोशी से किए गए स्वागत के लिए उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में विकास की गति संतोषजनक नहीं रही है. किसानों और युवाओं की उम्मीदें अभी भी अधूरी हैं।

संपूर्ण शिक्षा के अंतर्गत नि:शुल्क परिवहन सुविधा का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। तालुक के राजकीय माध्यमिक विद्यालय, गराडु में संपूर्ण शिक्षा योजना के तहत विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क परिवहन सुविधा का शुभारम्भ किया गया।इस अवसर पर कक्षा 9 एवं 10 में अध्ययनरत कुल 20 विद्यार्थियों को इस परिवहन सुविधा का लाभ दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच श्रीमती पार्वतीबेन डी. मुनिया ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान जालोद बी.आर.सी. समन्वयक श्री कल्पेशभाई मुनिया, ब्लॉक आर.पी. श्री सोहेलभाई दह्या, स्कूल के प्रिंसिपल श्री मालीवाड साहब और स्कूल के शिक्षक और कर्मचारी मित्र उपस्थित थे।समग्र शिक्षा के तहत शुरू की गई यह परिवहन सुविधा दूरदराज के इलाकों में रहने वाले छात्रों को स्कूल तक नियमित और सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे छात्रों के सीखने में निरंतरता बनी रहेगी और स्कूल छोड़ने की **दर** में कमी आएगी।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का अनुरोध किया।

गुजरात की कला मैसूर में गूंजी: 'गुजरात हैंडीक्राफ्ट फेस्टिवल-2026' में कारीगरों ने 1.65 करोड़ से ज़्यादा की बिक्री की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मैसूर/अहमदाबाद। गुजरात की शानदार विरासत और पारंपरिक कला अब सिर्फ़ राज्य तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि दक्षिण भारत में भी अपनी पहचान बना चुकी है। हाल ही में कर्नाटक के ऐतिहासिक शहर मैसूर में 'गुजरात हैंडीक्राफ्ट फेस्टिवल-2026' का आयोजन किया गया। इस फेस्टिवल में, गुजरात के अलग-अलग ज़िलों के कारीगरों ने ?1.65 करोड़ से ज़्यादा की कलाकृतियों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री की, जिससे राज्य की पारंपरिक कलाकृतियों का नाम पूरे देश में रोशन हुआ। पारंपरिक हस्तशिल्प की शानदार प्रदर्शनी इस फेस्टिवल में गुजरात के अलग-अलग कोनों से आए कलाकारों ने 100 से ज़्यादा स्टॉल लगाए थे। इन स्टॉल पर कारीगरों ने अपने अनोखे हुनर से तैयार किए गए अपने हाथ से बने कामों की प्रदर्शनी लगाई और उन्हें को-सेल किया। मैसूर और पूरे कर्नाटक के कला प्रेमियों ने गुजरात के इस पारंपरिक हस्तशिल्प की खूब तारीफ़ की, जिसकी वजह से यह शानदार सेल मुमकिन हो पाई। इस अनोखे फेस्टिवल का मुख्य मकसद गुजरात के खत्म होते और अमीर पारंपरिक हस्तशिल्प और हैंडलूम इंडस्ट्री के कारीगरों को बिना किसी बिचौलिए के सीधा बाज़ार देना था। इससे सीधे तौर पर कारीगरों की इनकम बढ़ी है

जिस मंच से अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, वहीं शासकों की चापलूसी होती है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आप अपनी निजी जिंदगी में कितने भी बड़े भले हों, कितने भी समाजसेवी हों या कितने भी अच्छे इंसान हों, जब आप पब्लिक लाइफ में कदम रखते हैं, तो आपकी नैतिकता का स्टैंडर्ड बदल जाता है। अगर पब्लिक लाइफ में आपका स्टैंड साफ नहीं है, अगर आपकी कोई खास आइडियोलॉजी नहीं है, और अगर आपमें नैतिकता या न्याय (मोरैलिटी एंड एथिक्स) जैसा कुछ नहीं बचा है, तो याद रखना कि आपके अतीत में किए गए छोटे-बड़े अच्छे काम इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिए जाते हैं। जनता सब कुछ याद रखती है और समय आने पर ब्याज समेत बिल चुकाना जानती है। लोगों की तकलीफ़ या सत्ता की ताकत जब सत्ता बेकाबू हो जाए, जब आपके चुने हुए जनप्रतिनिधि और AC चैंबर में बैठे सरकारी अफ़सर लोगों का शिकार करें, तो सवाल उठता है

बहादुर शहीद कैप्टन नीलेश सोनी के 64वें जन्मदिन पर मिलिट्री तोप का भव्य अनावरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश हमेशा उन अमर शहीदों का कर्जदार रहेगा जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। देश के प्यारे और बहादुर सपूत, शहीद कैप्टन नीलेश सोनीजी, जो इंडियन आर्मी की आर्टिलरी रेजिमेंट में सेवा दे चुके थे, के 64वें जन्मदिन पर आज, 13 जुलाई, 2026 को एक ऐतिहासिक और खास कार्यक्रम हुआ। बहादुर शहीद के स्मारक पर इंडियन आर्मी की तरफ से दी गई एक शानदार तोप लगाई गई है, जिसका आज शानदार माहौल में अनावरण किया गया। भव्य अनावरण और गणमान्य लोगों की मौजूदगी इस प्रेरणा देने वाले और भव्य कार्यक्रम में शहीद कैप्टन नीलेश सोनी का परिवार, उनके भाई और भाभी खास तौर पर मौजूद थे, जिनकी आंखों में देश के लिए सब कुछ कुर्बान करने वाले अपने भाई के लिए गर्व की भावना छलक रही थी। इस मौके पर लोकप्रिय श्री अमितभाई शाह, अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, स्थानीय पार्षद, संगठन के पदाधिकारी और साथ ही भारतीय सेना के रिटायर्ड सैन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में देशभक्त नागरिक मौजूद थे। सभी गणमान्य लोगों ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर बहादुर सैनिक की शहादत को श्रद्धांजलि दी। कैप्टन नीलेश सोनी ने आर्टिलरी यानी आर्टिलरी रेजिमेंट में रहते हुए दुश्मनों से लड़ाई लड़ी।

आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरिजी का नागपुर में भव्य चातुर्मास; 19 जुलाई को होगा मंगल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र की उप-राजधानी नागपुर में इस साल जैन समुदाय के लिए बहुत खुशी और भक्ति का मौका आ रहा है। परम पूज्य आचार्य श्री नवरत्न सागर सूरिजी महाराज के परम कृपापात्र शिष्य, युवाचार्य सर्वधर्म दिवाकर महामांगलिक प्रदाता आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी महाराज साहिब आदि मुनि मंडल का इस साल का पावन चातुर्मास नागपुर की धरती पर होने जा रहा है। आचार्यश्री का नागपुर की धरती पर भव्य चातुर्मास प्रवेश रविवार, 19 जुलाई को होने जा रहा है। यह बड़ा धार्मिक कार्यक्रम श्री सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर श्री संघ की देखरेख में रामदासपेठ, नागपुर में बहुत ही सुंदर और शानदार तरीके से होगा। चातुर्मास प्रवेश के दौरान गुरुदेव के स्वागत के लिए एक बड़ा जुलूस और धर्मसभा भी रखी गई है, जिसमें लोकल कम्युनिटी समेत देश भर से भक्त शामिल होंगे। चातुर्मास के दौरान पूज्य गुरुदेव की पावन निश्रा में गुरु पूर्णिमा महोत्सव समेत कई बड़े और ज़रूरी धार्मिक रस्में होंगी। इन रस्मों से नागपुर का पूरा माहौल भक्तिमय और शुभ हो जाएगा। श्री सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर श्री संघ ने देश भर के सभी जैन संघों और भक्तों से बड़ी संख्या में नागपुर आने की दिल से रिक्वेस्ट की है। साथ ही, संघ ने सिस्टम को ठीक से चलाने के लिए खास अपील भी की है।

महंत आचार्य भगवान जोशी दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, इंडिया गेट जयपुर (राज)

दैनिक राशिफल

14 जुलाई 2026, मंगलवार

|| ग्रहों की चाल, आपके साथ ||

1. मेष (Aries) आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कार्य पुरे होने की संभावना है। परिवार का सहयोग मिलेगा। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। शुभ रंग: लाल | शुभ अंक: 9

2. वृषभ (Taurus) आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, खान-पान का ध्यान रखें. शुभ रंग: श्वेत | शुभ अंक: 6

3. मिथुन (Gemini) आज भाग्य आपका साथ देगा। नोकरी में अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 5

4. कर्क (Cancer) भावनाओं पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक मामलों में धैर्य से काम लें। खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन आय के नए स्रोत भी बनेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें. शुभ रंग: क्रीम | शुभ अंक: 2

5. सिंह (Leo) मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ेगी। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। शुभ रंग: सुनहरा | शुभ अंक: 1

6. कन्या (Virgo) कार्यस्थल पर मेहनत का पुरा फल मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा। शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 5

7. तुला (Libra) आज का दिन रचनात्मक कार्यों के लिए शुभ है। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने की संभावना है। यात्रा सफल रहेगी। शुभ रंग: गुलाबी | शुभ अंक: 6

8. वृश्चिक (Scorpio) धैर्य और संयम से काम लें। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नोकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे। अनावस्थख विवादों से दूर रहें. शुभ रंग: मैरून | शुभ अंक: 9

9. धनु (Sagittarius) नई योजनाएं सफलता दिला सकती हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 3

10. मकर (Capricorn) आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी लेकिन जल्दबाज़ी से बचें। परिवार में खुशियों का माहोल रहेगा। शुभ रंग: नीला | शुभ अंक: 8

11. कुंभ (Aquarius) आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। व्यापार में विस्तार के योग हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। शुभ रंग: आसमानी | शुभ अंक: 4

12. मीन (Pisces) आज मानसिक शांति का अनुभव होगा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय विताने का अवसर मिलेगा। शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 7

आज का ज्योतिषीय संदेश

मंगलवार का दिन भगवान श्री हनुमान जी की आराधना के लिए विशेष शुभ माना जाता है। हनुमान चालीसा का पाठ करें, गुड़ और चने का भोग लगाएं तथा जरूरतमंदों की सहायता करें। इससे साहस, आत्मबल और कार्यों में सफलता प्राप्त होने की मान्यता है।

हनुमान चालीसा का पाठ करें | गुड़ और चने का भोग लगाएं | जरूरतमंदों की सहायता करें | हनुमान जी का स्मरण करें और दिन शुभ बनाएं

सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और न्याय की संवेदना

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

देश की सबसे बड़ी अदालत में मयार्दा भी सर्वोपरि और पीड़ित की पीड़ा को समझना भी उतना ही आवश्यक...

देश की सर्वोच्च अदालत केवल एक न्यायिक संस्था नहीं है, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की अंतिम आशा का केंद्र है। जब देश का कोई नागरिक हर स्तर पर न्याय की तलाश में असफल होकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, तो उसके मन में यही विश्वास होता है कि यहां उसकी बात निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएगी। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट की गरिमा, मयार्दा और प्रतिष्ठा पूरे न्यायिक तंत्र की आधारशिला मानी जाती है। अदालत की गरिमा बनाए रखना जितना न्यायाधीशों और न्यायिक कर्मचारियों का दायित्व है, उतना ही वहां उपस्थित प्रत्येक अधिवक्ता, याचिकाकर्ता और नागरिक का भी कर्तव्य है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

वकील केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह न्यायालय का भी अधिकारी माना जाता है। उसकी वाणी, उसका आचरण और उसका व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए अधिवक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे कठिन से कठिन परिस्थिति में भी संयम बनाए रखें। असहमति व्यक्त करने का अधिकार सभी को है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। उस रेखा का सम्मान करना ही लोकतांत्रिक संस्कृति और न्यायिक परंपरा की पहचान है।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अदालत ने वकील की याचिका खारिज कर दी, लेकिन उसके खिलाफ अवमानना की कठोर कार्रवाई नहीं की।

न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि वह व्यक्ति संभवतः अत्यधिक तनाव और मानसिक दबाव में है तथा उसकी हताशा स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की मानवीय संवेदना को भी सामने लाता है। कानून केवल दंड देने का माध्यम नहीं है, बल्कि परिस्थितियों को समझने और न्याय के व्यापक उद्देश्य को ध्यान में रखने की व्यवस्था भी है।

वास्तविकता यह है कि न्याय की तलाश में अदालत तक पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी पीड़ा, संघर्ष या अन्याय का बोझ लेकर आता है। वर्षों तक मुकदमे लड़ने, आर्थिक बोझ उठाने और बार-बार अदालतों के चक्कर लगाने के बाद जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता, तब कई लोग मानसिक रूप से टूट जाते हैं। यह टूटन कभी-कभी हताशा और असंतुलित व्यवहार के रूप में सामने आती है। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे व्यवहार को उचित ठहराया जाए, बल्कि यह समझना आवश्यक है कि उसके पीछे पीड़ा और निराशा का एक लंबा इतिहास भी हो सकता है। न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता के साथ-साथ उसकी संवेदनशीलता भी है। यदि कोई व्यक्ति अदालत में अत्यधिक तनावग्रस्त दिखाई देता है, तो उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार करते हुए उसकी मानसिक स्थिति को भी समझना चाहिए। न्याय केवल आदेश सुनाने से पूरा नहीं होता, बल्कि यह विश्वास भी पैदा करता है कि अदालत ने व्यक्ति की बात पूरी गंभीरता से सुनी और समझी। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

यह भी सच है कि न्याय में विलंब, लंबी कानूनी प्रक्रिया और बढ़ते मुकदमों का बोझ कई लोगों में निराशा पैदा करता है। ऐसे में न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में लगातार प्रयास आवश्यक हैं। जब लोगों को समय पर न्याय मिलेगा, तो निराशा और असंतोष की स्थितियां भी कम होंगी। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल विवादों का निपटारा नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और संतुलन बनाए रखना भी है।

इस घटना ने एक और संदेश दिया है कि न्यायालय की गरिमा बनाए रखने में सभी की समान जिम्मेदारी है। यदि अदालत में अनुशासन समाप्त हो जाए, तो न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होगी और इसका नुकसान अंततः आम नागरिक को ही होगा। इसलिए चाहे वह वरिष्ठ अधिवक्ता हों, नए वकील हों या स्वयं पक्षकार, सभी को यह समझना होगा कि अदालत में शब्दों का चयन, व्यवहार की मयार्दा और कानून के प्रति सम्मान सर्वोपरि है।

दूसरी ओर न्यायपालिका की उदारता भी सराहनीय है। यदि अदालत चाहती तो अवमानना की कार्रवाई कर सकती थी, लेकिन उसने संयम दिखाया और कठोर दंड देने के बजाय मामले को वहीं समाप्त करना उचित समझा। यह निर्णय बताता है कि न्याय केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विवेक, धैर्य और करुणा का संतुलित स्वरूप है। हालांकि इस उदारता का अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अदालत की गरिमा को ठेस पहुंचाने का साहस करे। कानून का सम्मान हर परिस्थिति में अनिवार्य है।

लोकतंत्र में न्यायपालिका अंतिम आशा होती है। जब प्रशासन, व्यवस्था और अन्य संस्थाओं से निराश व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है, तो उसके मन में उम्मीद की आखिरी किरण बची होती है। इसलिए अदालतों को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनके सामने खड़ा हर व्यक्ति केवल एक केस नंबर नहीं, बल्कि अपने जीवन की किसी गहरी समस्या से जूझता हुआ इंसान है। उसकी बात सुनते समय कानून के साथ मानवीय संवेदना भी बनी रहनी चाहिए।

इस घटना से देश को दो महत्वपूर्ण सीख मिलती हैं। पहली, अदालत की गरिमा किसी भी कीमत पर भंग नहीं होनी चाहिए। न्यायालय में अपशब्द, आक्रोश और अभद्र व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध हैं। दूसरी, न्याय व्यवस्था को लोगों की पीड़ा, मानसिक तनाव और संघर्ष को भी समझना चाहिए, क्योंकि न्याय केवल निर्णय देने का नाम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास बनाए रखने की प्रक्रिया है।

सुप्रीम कोर्ट देश की सबसे बड़ी अदालत है और उसकी प्रतिष्ठा पूरे राष्ट्र की प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। वहीं, अदालत की चौखट पर आने वाला हर व्यक्ति न्याय की उम्मीद लेकर आता है। इसलिए आवश्यक है कि एक ओर अधिवक्ता और पक्षकार अपनी मयार्दा और जिम्मेदारी को समझें, तो दूसरी ओर न्याय व्यवस्था भी हर पीड़ित की व्यथा को महसूस करते हुए कानून और संवेदना के बीच संतुलन बनाए रखे। यही संतुलन भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति है और यही लोकतंत्र की स्थायी पहचान भी।

संपादकीय

ज़हरीली विरासत

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित 'कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है। निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुमार्ना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दशार्ता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

दो की लड़ाई में तीसरे का फायदाः आज के समय का 'स्नेक पिट इफेक्ट'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दूसरों के इशारों पर नाचने वाले कभी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सकते। परिस्थिति चाहे कितनी भी विकट क्यों न हो, लेकिन अगर आपने अपना विवेक खो दिया, तो आप किसी न किसी की शतरंज के मोहरे बनकर रह जाएंगे।

क्या है Snake Pit Effect (सांपों के गड्डें का असर)

कल्पना कीजिए कि एक गहरे अंधेरे गड्डें में 20 जहरीले सांप रहते हैं। ये सांप महीनों और सालों तक एक-दूसरे को काटे बिना, किसी भी झगड़े के बिना शांति से साथ रहते हैं। लेकिन, कहानी में मोड़ तब आता है जब कोई बाहरी व्यक्ति उस गड्डें में सिर्फ एक मरा हुआ चूहा फेंक देता है। उस गड्डें में भोजन (संसाधन) सीमित है। नतीजा यह होता है कि जो सांप अब तक शांत थे, वे अचानक उस मरे हुए चूहे पर टूट पड़ते हैं। देखते ही देखते, वे एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाते हैं, आपस में लड़ते हैं और या तो घायल हो जाते हैं या एक-दूसरे को मार डालते हैं। अब एक पल के लिए शांति से सोचिए क्या वे सांप एक-दूसरे के असली दुश्मन थे? नहीं! उनका असली दुश्मन तो वह बाहर खड़ा इंसान था, जिसने अपने मनोरंजन या स्वार्थ के लिए अंदर चूहा फेंका और खेल की यह पूरी साजिश रची।

खेल और संगठनों में इसका रूप

स्पोर्ट्स में या किसी भी संगठन में जब चयन प्रक्रिया

(Selection Process) चल रही होती है, तब कई बार योग्य खिलाड़ियों या कर्मचारियों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होने के बजाय आपसी मनमुटाव पैदा कर दिया जाता है। प्रशासक या प्रबंधन कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां पैदा करते हैं जहां योग्य लोग ही आपस में लड़ मरें। परिणाम यह होता है कि लोग सिस्टम की कमियों या भेदभाव के खिलाफ सवाल उठाना भूल जाते हैं और अपनी सारी ऊर्जा एक-दूसरे को नीचा दिखाने में बर्बाद कर देते हैं। असली विजेता सत्ता पर बैठी वह तीसरी शक्ति बनती है, जो इस विवाद का लाभ उठाकर अपना स्थान सुरक्षित रखती है।

कॉर्पोरेट जगत और कार्यस्थल का उदाहरण

एक ही ऑफिस या संस्था में साथ काम करने वाले दो होनहार साथी हैं। संस्था में प्रमोशन या इंसेंटिव जैसे संसाधन सीमित हैं। मैनेजर या कोई चतुर सहकर्मी दोनों के सामने एक-दूसरे की आधी-अधूरी बातें करके कान भरना शुरू कर देता है। नतीजतन, जो दो सक्षम लोग मिलकर संस्था को आगे ले जा सकते थे, वे एक-दूसरे के काम में रुकावटें पैदा करने लगते हैं। उनकी इस लड़ाई का असली फायदा वह चालाक मैनेजर उठाता है, जो दोनों को अपने नियंत्रण में रखता है।

परिवार और समाज पर असर

जब किसी परिवार में संपत्ति या पैसों की थोड़ी कमी होती है, तब बाहरी लोग आकर भाई-बहनों के बीच गलतफहमी का 'जहर' घोलना शुरू कर देते हैं। वे मूल समस्या (आर्थिक नियोजन) पर काम करने के बजाय एक-दूसरे के वजूद के दुश्मन बन जाते हैं। समाज में भी जब दो जातियों या धर्मों के लोगों को कोई अपने राजनीतिक या व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए लड़ाता है, तब आम इंसान शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे असली मुद्दों को भूलकर आपस में लड़ मरता है।

इस जाल से बाहर कैसे आएं?

किसी की शतरंज का मोहरा बनने के बजाय एक जागरूक खिलाड़ी बनने के लिए इन बातों का विशेष ध्यान रखें

तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें: जब भी किसी व्यक्ति के प्रति आपके मन में अचानक कड़वाहट आए, तो तुरंत रिएक्ट न करें। पहले यह देखें कि इस विवाद के पीछे कोई तीसरी शक्ति या स्वार्थ तो काम नहीं कर रहा है?

सिस्टम से सवाल करें, साथी से नहीं: यदि संसाधन कम हैं, तो आपस में लड़ने के बजाय इस बात के मूल कारण पर काम करें कि वे संसाधन क्यों कम पड़े।

संवाद ही सबसे श्रेष्ठ समाधान है: कैसी भी गलतफहमी हो, किसी तीसरे व्यक्ति की बात पर भरोसा करने के बजाय संबंधित व्यक्ति से सीधा संवाद स्थापित करें। सीधा संवाद आधे से ज्यादा साजिशों को नाकाम कर देता है। जागरूक बनें, मोहरे नहीं याद रखें, आपका हर प्रतिद्वंद्वी (Competitor) आपका शत्रु नहीं है। कभी-कभी आप दोनों एक ही खेल के खिलाड़ी होते हैं और आपके बीच झगड़ा करवाकर असली मज़ा या फायदा कोई तीसरा ही ले जा रहा होता है। जब आप दूसरों द्वारा फेंके गए 'मरे हुए चूहे' (झूठे लालच या अफवाहों) के पीछे भागना बंद कर देंगे, तब आप अपने आप सामने वाले की पूरी चाल को विफल कर देंगे। अपनी मानसिक शांति और विवेक की चाबी कभी किसी के हाथ में गिरवी न रखें। 'स्नेक पिट इफेक्ट' हमें सचेत करता है कि जब भी हमें किसी विवाद या लड़ाई में खींचने का प्रयास किया जाए, तब रुककर सोचना चाहिए– 'इस लड़ाई में मेरा नुकसान करके पर्दे के पीछे से तालियां कौन बजा रहा है?' समझदार इंसान को ऐसे गड्डें से हमेशा दूर रहना चाहिए।

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर।

एक गले लगना जो अधूरा रह गयाः जब रिश्ते चुपचाप खत्म हो जाते हैं, लड़ाई-झगड़े से नहीं, बल्कि प्यार की कमी से

'कुछ फीलिंग्स को सलाह की ज़रूरत नहीं होती, बस एक सेफ मौजूदगी और एक्सेप्टेंस की.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हम हमेशा यही मानते हैं कि हर रिश्ता एक बड़ी लड़ाई, कड़वी बातों या आपसी इल्ज़ामों के साथ खत्म होता है। लेकिन असलियत खुशकिस्मती से या बदकिस्मती से अलग होती है। ज़िंदगी के स्टेज पर कुछ रिश्ते ऐसे भी होते हैं, जो बहुत चुपचाप, बिना किसी हंगामे के खत्म हो जाते हैं। वे रिश्ते टूटते नहीं, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे खुद ही खत्म हो जाते हैं। कोई चीख-पुकार नहीं, कोई इल्ज़ाम नहीं और कभी-कभी तो फॉर्मल विदाई भी नहीं होती।

बस... एक दिन अचानक हमें एहसास होता है कि जिस इंसान तक हमारा मन कभी बिना शब्दों के, सिर्फ खामोशी से पहुँचता था, आज वहाँ पहुँचने के लिए डिक्शनरी के हज़ारों शब्द भी कम पड़ रहे हैं।

हर दिन उम्मीद में जीना और मरनाः

फिर समय बस अपनी रफ़्तार से गुज़रने लगता है। मिनट, घंटे, दिन, हफ़्ते और महीने बीतते जाते हैं। दोनों तरफ़, मन के अंदर एक छोटी सी, नाजुक सी उम्मीद ज़िंदा रहती है– 'शायद आज सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा... शायद वो दूसरी तरफ़ से फ़ोन करेगा... शायद वो पुरानी गर्माहट वापस आ जाएगी।' ये उम्मीद हर सुबह सूरज की तरह पैदा होती है, और हर रात अंधेरे की तरह धीरे-धीरे मर जाती है। मन अंदर से टूटता रहता है, लेकिन बाहर

मुस्कान बनी रहती है।

खुला आसमान और साढ़े ग्यारह की वो रातः

ऐसी ही एक रात आई। आसमान खुला था और रात के लगभग साढ़े ग्यारह बज रहे थे। उस पल, कोई जीतना नहीं चाहता था, कोई खुद को सही या दूसरे को गलत साबित नहीं करना चाहता था। ईगो पिघल चुका था। बस एक ही चाहत थी... एक गले लगना। एक गले लगना... जिसमें कोई शब्द नहीं थे, कोई लंबी-चौड़ी बातें नहीं थीं, कोई पुरानी शर्तें नहीं थीं। बस एक अनकहा मैसेज– 'मैं अभी भी यहीं हूँ, तुम्हारे साथ।' लेकिन अफ़सोस, वो गले लगना अधूरा रह गया। ईगो और शर्म की दीवारें इतनी ऊँची हो गई थीं कि मन की बातें मन में ही रह गईं। और उस पल एहसास हुआ कि रिश्ते हमेशा ज्योग्राफिकल दूरी से नहीं टूटते। कभी-कभी वे वहाँ टूटते हैं, जहाँ दो लोग अब भी एक-दूसरे से प्यार करते हैं... लेकिन एक-दूसरे के दिल तक पहुँचने का रास्ता खो देते हैं।

एक थेरेपिस्ट के नज़रिए सेः शब्दों की नहीं, गर्मजोशी की ज़रूरत होती हैः

एक साइकोलॉजिस्ट या थेरेपिस्ट के तौर पर, अगर हम इस सिचुएशन को देखें, तो हम सिर्फ़ यही कह सकते हैं कि कई बार लोग शब्दों या पैसे की दिक्कतों से नहीं टूटते, वे गर्मजोशी की कमी से टूटते हैं। जब कोई इंसान दिमागी तौर पर टूट जाता है, तो कुछ इमोशंस को किसी बड़ी सलाह, जानकारी या बातचीत की ज़रूरत नहीं होती। उन्हें बस एक सेफ़ मौजूदगी, एक ऐसा एक्सेप्टेंस चाहिए जहाँ वे अपने आँसू छिपाए बिना रो सकें। और कभी-कभी... बस एक जादुई झप्पी (गले लगना)। क्योंकि हर झप्पी सिर्फ़ शरीर को नहीं छूती। कुछ झप्पी इतनी पवित्र और गहरी होती हैं कि वे सालों से थके और हारे हुए मन को ज़िंदगी में पहली बार सच्चा आराम और हिम्मत देती हैं।

महनगर मेट्रो न्यूज़ का माइंड चैलेंज

अगर आपके आस-पास कोई ऐसा कैरेक्टर है जिससे आप गहराई से जुड़े हैं, लेकिन चुप्पी की वजह से दूरी बढ़ गई है, तो अपना ईगो छोड़कर आज ही एक कदम आगे बढ़ाएँ। शब्दों की उलझन में किसी रिश्ते को खोने के बजाय, चुप रहें और प्यार भरी झप्पी से उसे फिर से ज़िंदा करें। क्योंकि एक अधूरा गले लगना ज़िंदगी भर का पछतावा बन जाता है।

'राम मंदिर पूरी तरह से सरकारी, हर विभाग में चोरी हो रही', दान चोरी मामले में क्या कह गए अनिरुद्धाचार्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर दान चोरी के मुद्दे को लेकर माहौल गर्माया हुआ है। चर्चा है कि अब राम मंदिर में सीईओ की नियुक्ति की जाएगी। वहीं, मामले की एसआईटी की जांच जारी है और हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच मथुरा के कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने राम मंदिर दान चोरी के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। अनिरुद्धाचार्य ने कहा है कि सभी मंदिरों पर सरकार का नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि राम

मंदिर क्या, सरकार के सभी विभागों में चोरी हो रही है।अनिरुद्धाचार्य ने ये बातें न्यूज-24 चैनल से बातचीत के दौरान कहीं। राम मंदिर दान चोरी के मुद्दे पर उन्होंने कहा, 'भले ही राम मंदिर में ट्रस्ट बना हुआ है, लेकिन वो मंदिर सरकारी ही है। सभी मंदिर सरकारी हैं, चाहे तिरुपति मंदिर हो या राम मंदिर। सरकार का कोई ऐसा विभाग नहीं बचा, जिसमें भ्रष्टाचार ना हो। सरकार अपने विभाग नहीं संभाल पा रही, मंदिर में चोरी कैसे रुकेगी। राम मंदिर क्या, सभी विभागों में चोरी हो रही है।'राम मंदिर को मिलने वाले दान पर अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि हर दिन वहां लाखों रुपये का चढ़ावा आता है। दान की जो रकम चुराई गई, उससे कितने गुरुकुल बन सकते थे, कितने बच्चे पढ़ सकते थे, कितनी गौशालाएं बन सकती थीं, कितने अस्पताल बन सकते थे, लेकिन सब बनाए गए। हमारे आश्रम तो छोटे-छोटे दान पर चल रहे फिर भी यहां गुरुकुल है, गौशाला है।आपको बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर में दान चोरी का मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच गया है। इस मामले में याचिकाएं दाखिल कर मांग की गई है कि दान चोरी केस की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। फिलहाल यूपी सरकार की तरफ से गठित एसआईटी इस केस की जांच कर रही है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना इन याचिकाओं पर आज सुनवाई करेंगे।आपने राम मंदिर में कितना चंदा दिया, NBT रिपोर्टर के सवाल पर राष्ट्रीय प्रवक्ता नहीं दे सके जवाबइससे पहले एसआईटी ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट में बताया कि दान की गिनती के सिस्टम में कई खामियां थीं, जिनका फायदा उठाकर चढ़ावे की चोरी की गई। एसआईटी को सीसीटीवी में 70 बार दान की चोरी करते हुए फुटेज भी मिली। इस मामले में फिलहाल 8 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वहीं, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफा देने के बाद कृष्ण मोहन को कार्यकारी महासचिव बनाया गया है।

विवादों से नरोत्तम मिश्रा का पुराना नाता, MP के 'बुलडोजर मैन' की पॉलिटिक्स हुई बुलडोज

दतिया विधानसभा उपचुनाव बीजेपी के साख का सवाल बन गया है. यह सीट बीजेपी के दिग्गज नेता व पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की मानी जाती थी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दतिया । विवादों से नरोत्तम मिश्रा का पुराना नाता, MP के 'बुलडोजर मैन' की पॉलिटिक्स हुई बुलडोजमध्य प्रदेश का दतिया विधानसभा उपचुनाव बीजेपी के साख का सवाल बन गया है. यह सीट बीजेपी के दिग्गज नेता व पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की मानी जाती थी, लेकिन पार्टी ने उपचुनाव में उनकी जगह पर आशुतोष तिवारी पर भरोसा जताया है. यह नरोत्तम मिश्रा के लिए सियासी तौर पर बड़ा झटका माना जा रहा है.मध्य प्रदेश की सियासत में पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा तो बीजेपी का 'संकटमोचक' भी कहा जाता है,

लेकिन अब उनकी ही राजनीति पर संकट गहरा गया है. उन्हें एक समय एमपी का सीएम चेहरा तक माना जाने लगा था, लेकिन सियासत ने ऐसी करवट ली कि वो अपनी परंपरागत सीट दतिया से टिकट तक नहीं पा सके. दतिया उपचुनाव में बीजेपी ने उनकी जगह पर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है, जो नरोत्तम मिश्रा के लिए बड़ा सियासी झटका है.गृह मंत्री रहते हुए 'बुलडोजर मैन'के नाम से पहचान बनाने वाले नरोत्तम मिश्रा अपने बयानों, सख्त तेवरों और फैसलों के कारण वे अक्सर सुर्खियों में बने रहे. ऐसे में उनका नाता 'विकास' कार्यों से ज्यादा उनके 'विवादों' ने सुर्खियां बटोरीं. इसका ही नतीजा था कि बीजेपी की लहर में भी नरोत्तम मिश्रा 2023 का विधानसभा चुनाव नहीं जीत सके.दतिया विधानसभा सीट से नरोत्तम मिश्रा लगातार तीन बार विधायक रहे, लेकिन 2023 में अपना चुनाव कांग्रेस के उम्मीदवार राजेंद्र भारती से 7,500 से अधिक वोटों से हार गए. राजेंद्र भारती की सदस्यता जाने के बाद अब उपचुनाव हो रहे हैं तो बीजेपी ने उन्हें टिकट न देकर आशुतोष तिवारी जैसे नए चेहरे को उतारा है. माना जा रहा कि उनके विवादित छवि के चलते बीजेपी ने उनकी जगह पर आशुतोष तिवारी पर भरोसा जताया है. नरोत्तम मिश्रा के लिए लगातार तीसरा बड़ा झटका है? मध्य प्रदेश की सियासत में नरोत्तम मिश्रा ने बहुत तेजी से बढ़ी. नरोत्तम मिश्रा ने 1970 के दशक में छात्र राजनीति के जरिए कदम रखा. वो जिवाजी विश्वविद्यालय में छात्र संघ के सचिव चुने गए थे.इसी दौरान वो भाजपा युवा मोर्चा से जुड़े. मध्य प्रदेश में उस समय ब्राह्मण नेताओं का जबरदस्त वर्चस्व हुआ करता था. अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर श्यामा चरण शुक्ल तक ब्राह्मण राजनीति के धुरी थे. साल 1990 में नरोत्तम मिश्रा पहली बार डाबरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और विधायक चुने गए. इसके बाद साल 1998 और 2003 में भी वो डाबरा सीट से जीते.परिसीमन के बाद उनकी सीट बदल गई. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया को अपनी कर्मभूमि बनाया. 2008 में दतिया से चुनाव लड़े और विधायक बने. इसके बाद से 2018 तक दतिया सीट से लगातार तीन बार विधायक बने. इसके बदौलत नरोत्तम मिश्रा सूबे की सियासत के प्रमुख चेहरा माने जाने लगे. इस दौरान उन्होंने शहरी विकास, स्वास्थ्य, कानून आदि कई मंत्री पद संभाले.मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार में उनकी हैसियत नंबर दो की थी.

नवजात बेटी का मुंह देखने से पहले पिता और मामा की दर्दनाक मौत; अस्पताल में मां करती रही इंतजार!

दो घंटे पहले सड़क हादसे में पिता और मामा की मौत, फिर जन्मी नन्हीं बेटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। जिले में नेशनल हाईवे-34 पर एक भीषण सड़क हादसे में अस्पताल में भर्ती गर्भवती पत्नी को देखने जा रहे पति और उसके साले की ई-रिक्शा में टक्कर लगने से दर्दनाक मौत हो गई. इसके महज दो घंटे बाद पत्नी ने बेटी को जन्म दिया. हमीरपुर जिले के मौदहा थाना इलाके के रोहारी गांव निवासी कुलदीप कुमार और उनके साले पवन की रात करीब एक बजे एनएच-34 पर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई. कुलदीप अपनी गर्भवती पत्नी रेखा को देखने के लिए साले और एक अन्य रिश्तेदार के साथ ई-रिक्शा से जिला अस्पताल जा रहे थे. बाइक की लाइट खराब होने के कारण उन्होंने ई-रिक्शा लिया था. अस्पताल से 23 किलोमीटर पहले हुए इस हादसे के ठीक दो घंटे बाद रात करीब तीन बजे पत्नी ने एक नवजात बच्ची को जन्म दिया, जिससे परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं लाइट खराब होने पर लिया ई-रिक्शा, रास्ते में काल ने घेरा मौदहा के रोहारी गांव के रहने वाले कुलदीप की पत्नी रेखा को प्रसव पीड़ा होने के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था. अपनी गर्भवती पत्नी को देखने के लिए कुलदीप अपने साले पवन और एक अन्य रिश्तेदार के साथ साढ़ू के घर से निकले थे. बाइक की खराब होने की वजह से उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से ई-रिक्शा से जाने का फैसला किया. लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, रास्ते में ही वे हादसे का शिकार हो गएमासूम के जन्म से ठीक दो घंटे पहले उजड़ा सिंदूररात करीब एक बजे कुण्डरा गांव के पास नेशनल हाईवे-34 पर एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनके ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी. इस दर्दनाक हादसे में कुलदीप और उनके साले पवन की

मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका एक अन्य रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया. इस खौफनाक हादसे के महज दो घंटे बाद रात करीब तीन बजे अस्पताल में कुलदीप की पत्नी ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया.मां को नहीं दी पति और भाई की मौत की खबरघर में एक तरफ जहां नन्हीं परी के आने की खुशी थी, वहीं दूसरी तरफ नवजात बच्ची का मुंह देखने से पहले ही उसके पिता और मामा इस दुनिया से चले गए. इस दुखद घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है. अस्पताल में भर्ती पीड़ित महिला रेखा को अब तक उसके पति कुलदीप और भाई पवन की मौत की खबर नहीं दी गई है.

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में जांच तेज, पूर्व कारसेवक संतोष दुबे ने एसआईटी को सौंपे नए दस्तावेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मामले की जांच तेज कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को पूर्व कारसेवक संतोष दुबे ने अयोध्या स्थित सीओ कार्यालय पहुंचकर मामले से जुड़े नए दस्तावेज और कथित साक्ष्य एसआईटी को सौंपे। इससे पहले एसआईटी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संतोष दुबे से पूछताछ भी की थी।संतोष दुबे ने दावा किया कि उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज जांच में महत्वपूर्ण साबित होंगे और इनके आधार पर कई नए तथ्य सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी ने उन्हें सभी दस्तावेज सीओ कार्यालय में जमा कराने के निर्देश दिए थे, जिन्हें अब जांच टीम तक पहुंचाया जाएगा। उनका कहना है कि पहले उन्हें जांच की दिशा को लेकर संदेह था, लेकिन एसआईटी अधिकारियों से हुई बातचीत के बाद उन्हें विश्वास हुआ है कि जांच निष्पक्ष और सही दिशा में आगे बढ़ रही है।पूर्व कारसेवक ने दावा किया कि इस प्रकरण में कई बड़े नाम भी जांच के दायरे में आ सकते हैं और दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निष्पक्ष जांच के लिए बधाई भी दी गौरतलब है कि राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में श्रीराम

जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय के करीबी बताए जा रहे टिन्नू यादव समेत आठ आरोपी पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस इस मामले में टिन्नू यादव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा सहित अन्य आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है।जांच एजेंसियां मामले की मनी ट्रेल की भी पड़ताल कर रही हैं। इसके अलावा स्टेट बैंक के कुछ कर्मचारियों की संभावित भूमिका भी जांच के दायरे में है। एसआईटी अब तक जुटाए गए दस्तावेजों, बयानों और वित्तीय लेन-देन के आधार पर पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई तय होगी।

'मॉब लिंचिंग से बचने के लिए तुर्की जैसे कपड़े पहनें मुसलमान', कहने वाले पूर्व IAS नियाज खान पर भड़के महमूद मदनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुरा। मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस अफसर नियाज खान के एक बयान पर जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्?यक्ष मौलाना महमूद मदनी भड़क गए हैं। लेखक नियाज खान ने कहा था कि देश में मॉब लिंचिंग की घटनाओं से बचने के लिए मुस्लिमों को अपना पहनावा तुर्की के मुसलमानों जैसा कर लेना चाहिए ताकि उनकी पहचान आसानी से ना हो सके।इस पर मदनी का कहना है कि समस्?या किसी समुदाय की पहचान या पहनावे से नहीं बल्कि नफरत की मानसिकता और कानून हाथ में लेने वाली भीड़ है। अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय पीड़ितों से अपनी पहचान बदलने की अपेक्षा करना समस्?या का समाधान नहीं हो सकता। कानून का राज ही मॉब लिंचिंग का समाधान है।मदनी ने एक बयान जारी कर कहा कि किसी जिम्?मेदार व्?यक्ति की तरफ से पीड़ित समुदाय को अपनी पहचान छिपाने की सलाह देना न तो न्यायसंगत है और न ही लोकतांत्रिक मूल्?यों के अनुरूप। दादरी, अलवर, हापुड़ और चरखी दादरी जैसी मॉब लिंचिंग घटनाओं में पीड़ितों का पहनावा हमलों का कारण नहीं था।

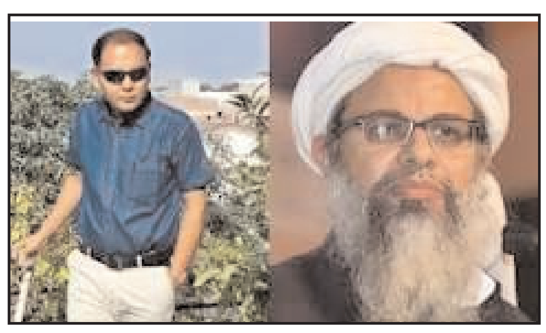

ज्यादातर मामलों में लोग टोपी पहने हुए थे: नियाज खान

आपको बता दें कि लेखक नियाज खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मॉब लिंचिंग से जुड़े मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उनका कहना है कि भारत में मॉब लिंचिंग के ज्यादातर मामलों में लोग कुर्ता, पायजामा, दाढ़ी और टोपी पहने हुए थे। इस पहनावे से उनकी पहचान आसानी से हो जाती है। इसलिए मुस्लिमों को अपना ड्रेस और हुलिया बदल लेना चाहिएएक अन्य पोस्ट में नियाज खान ने लिखा कि कई आजाद देशों ने लोकतंत्र तो अपनाया लेकिन उसके मूल सिद्धांत नहीं अपनाए। उन्?होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र के नाम पर नेता और अफसर जमकर पैसा लूटते हैं जबकि जनता मुफ्त की सुविधाओं में व्यस्त रहती है।

ललिता हत्याकांड: चंद्रशेखर मेरठ में करते रहे आंदोलन, अखिलेश ने दिल्ली से ही कर दिया खेला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। ललिता गौतम हत्याकांड पर सियासत तेज है. आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद मेरठ की सड़क पर उतरकर संघर्ष ही कर रहे थे तो दूसरी तरफ सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार को दिल्ली बुलाकर मुलाकात कर बड़ा सियासी गेम कर दिया.उत्तर प्रदेश की सियासत में 'दलित वोट बैंक' को अपने पाले में करने को लेकर शह-मात का खेल चल रहा है. दलित राजनीति की सियासी बिसात पर मेरठ में हुए ललिता गौतम हत्याकांड एक बड़ा केंद्र बनकर उभरा. इस पूरे घटनाक्रम में जमीन पर संघर्ष की एक अलग कहानी दिखी, तो दूसरी तरफ बंद कमरों में लिखी गई रणनीतिक पटकथा ने सबको चौंका दिया.ललिता गौतम की हत्याकांड को लेकर आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद मेरठ की सड़कों पर पुलिस प्रशासन से सीधी जंग लड़ रहे थे. चंद्रशेखर आजाद सूबे में दलित समुदाय के बीच अपनी सियासी पैठ जमाने का कोई भी मौका नहीं गंवा रहे हैं.वहीं, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने दिल्ली में बैठकर एक ऐसा सियासी 'खेल' किया. चंद्रशेखर मेरठ की सड़क पर आंदोलन ही करते रहे और अखिलेश यादव ने लखनऊ में ललिता गौतम के परिवार वालों से

मुलाकात किया और उन्हें आर्थिक मदद देने के साथ न्याय दिलाने की गारंटी दी. इस तरह अखिलेश ने दलित समाज को साधे रखने के लिए बड़ा दांव चला.चंद्रशेखर का संघर्ष बनाम अखिलेश का 'स्मार्ट मूव'मेरठ की 20 वर्षीय बीए की छात्रा ललिता गौतम की हत्या के बाद इंसाफ के लिए जब सड़क पर उतरे तो उन्हें पुलिसिया कार्रवाई और लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा. पुलिस एक्शन के बाद चंद्रशेखर आज़ाद तुरंत सड़क पर उतर गए. वे पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और पुलिस की ज्यादतियों के खिलाफ अल्टीमेटम देने के लिए मेरठ की ओर कूच कर गए.पुलिस ने उन्हें टोल प्लाजा पर रोकने की कोशिश की, तीखी बहस हुई और चंद्रशेखर ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए पुलिस महकमे को हिला कर रख दिया. ज़मीन पर पूरा माहौल ऐसा था कि चंद्रशेखर इस मुद्दे के सबसे बड़े मसीहा बनकर उभर रहे हैं. इतना ही नहीं उन्होंने मायावती के खामोशी पर भी सवाल उठाया और कहा कि दलित समुदाय के लिए संघर्ष करते रहेंगे. दिलचस्प बात यह है कि जब चंद्रशेखर मेरठ के रास्तों पर पुलिस से उलझ रहे थे, ठीक उसी वक्त सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना कोई शोर-शराबा किए एक बड़ा दांव खेल दिया. अखिलेश यादव ने पहले फ्रंटफुट पर उतरकर पुलिसिया कार्रवाई पर सवाल खड़े किए और फिर अपनी तेजतर्रार युवा सांसद इकरा हसन को इस मोर्चे पर लगाया. इकरा हसन के जरिए अखिलेश ने किया 'खेला'अखिलेश यादव ने मेरठ की सड़कों पर उतरकर सीधे टकराव में पड़ने के बजाय 'लॉजिस्टिक और इमोशनल' रणनीति चुनी. कैराना से सपा की सांसद इकरा हसन ने शनिवार सुबह चुपचाप मेरठ पहुंचती हैं और ललिता गौतम के पीड़ित परिवार को अपने साथ लेकर सीधे दिल्ली के लिए रवाना हो जाती हैं.जब तक मेरठ का प्रशासन और खुफिया तंत्र चंद्रशेखर आज़ाद के आंदोलन को संभालने और उन्हें रोकने में व्यस्त रहा, तब तक पीड़ित परिवार अखिलेश यादव के सामने बैठ चुका था. अखिलेश यादव ने न सिर्फ दिल्ली में पीड़ित परिवार से मुलाकात की, बल्कि उन्हें ढांढस बंधाया, कानूनी और हर संभव न्याय दिलाने की गारंटी दी और साथ ही दो लाख रुपये की आर्थिक मदद का बंद लिफाफा सौंप दिया.अखिलेश यादव पीड़ित परिवार के साथ अपनी तस्वीर सार्वजनिक कर चुके थे.

70 साल के बुजुर्ग CA के हाई रिटर्न के चक्कर में लुट गए 21 करोड़, 6 महीने से लगातार इंवेस्ट करा रहे थे साइबर फ्रॉड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। सीएम मोहन यादव ने भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 का शुभारंभ किया है। इस कॉन्क्लेव का मकसद डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना है। सीएम मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि एमपी टेक सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने 20 औद्योगिक इकाइयों का भी लोकार्पण किया है। समारोह में इंडिया लीड फॉर गूगल प्ले और एमपीएसईडीसी के बीच महत्वपूर्ण एमओयू भी साइन किया गया।सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान भी पहले केवल एग्रीकल्चर, माइनिंग और फॉरेस्ट थी, लेकिन अब डिफेंस से लेकर ड्रोन, साइंस टेक से लेकर रिन्युएबल एनर्जी, इंडस्ट्री कॉरिडोर से लेकर फ्यूचर गोइंग सेक्टर तक एमपी तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि ग्रोथ कॉन्क्लेव तीसरे संस्करण तक पहुंच गया है। पिछले दो वर्षों में हमने जो संकल्प लिए, उन्हें पूरा किया। दो संस्करणों में हमें 46 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, 22 नए औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण हुआ और 4 नई परियोजनाओं का भूमि-पूजन किया गया।उन्होंने कहा कि ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट 2025 से लेकर आज तक टेक सेक्टर में 12 हजार करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। इससे हमारी काम करने की गति और आत्मविश्वास झलकता है। मोहन यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की वजह से भी भोपाल पहचाना जाता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण दिया था। इसी तरह हमारे प्रधानमंत्री मोदी भी दुनिया के सामने राष्ट्र भाषा को गौरवांवित करते हैं।इंदौर आईटी कॉरीडोर में 3 लाख वर्ग फीट क्षेत्र के अत्याधुनिक आईटी पार्क का विकास किया जाएगासेमीकंडक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस- इस क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्योग क्षमता के विकास को प्रोत्साहित करेगाभोपाल में 4 लाख वर्ग फीट क्षेत्र का बड़ा आईटी पार्क बनेगा मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि जीआईएस में प्रदेश को अभूतपूर्व निवेश मिला। इसमें 10 लाख करोड़ निवेश धरातल पर उतर चुका है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 इसी औद्योगिक निवेश यात्रा का एक पड़ाव है। लॉजी सेक्टर में अब तक 12 हजार करोड़ से अधिक निवेश धरातल पर आ चुका है और आगे भी इस पर काम हो रहा है।रुपए से अधिक का निवेश करने जा रही हैं।

70 साल के बुजुर्ग CA के हाई रिटर्न के चक्कर में लुट गए 21 करोड़, 6 महीने से लगातार इंवेस्ट करा रहे थे साइबर फ्रॉड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर।ग्वालियर में एक बुजुर्ग चार्टर्ड अकाउंटेंट को वॉट्सएप पर एक मैसेज मिला. मैसेज करने वाली कथित महिला ने खुद को निवेश सलाहकार बताया. कथित निवेश सलाहकार की सलाह पर पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट बुजुर्ग ने निवेश की शुरुआत भी कर दी. शुरुआती दौर में

छोटे-छोटे निवेश अच्छा रिटर्न दे गए और बाद में फर्जी निवेश पोर्टल के जरिये मोटी रकम निवेश करा ठग रफूचक्कर हो गए. पीड़ित ने अब पुलिस से शिकायत की है.जानकारी के मुताबिक 70 साल के बुजुर्ग सीए ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि साइबर ठगों के झांसे में आकर छह महीनों के दौरान 21 करोड़ रुपये से अधिक गंवा बैठे हैं. पीड़ित सीए ग्वालियर के इंदरगंज इलाके के निवासी हैं. ग्वालियर साइबर क्राइम के उप पुलिस अधीक्षक संजीव नयन शर्मा ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि मामले की जांच की जा रही है.उन्होंने कहा कि पुलिस साइबर ठगों के खाते में करीब एक करोड़ 75 लाख रुपये फ्रीज करने में सफल रही है. उन खातों की भी जांच की जा रही है, जिनमें यह रकम भेजी गई थी. साइबर ठगों ने अधिक मुनाफे का लालच देकर एक फर्जी निवेश योजना में पैसा लगवाया था. बताया जाता है कि बुजुर्ग सीए के साथ ठगी की शुरुआत पिछले साल (साल 2025) दिसंबर महीने के अंतिम सप्ताह में हुई थी.पीड़ित के मुताबिक साइबर ठगों ने फर्जी ऑनलाइन निवेश पोर्टल तैयार किया था, जिसमें काल्पनिक मुनाफा दिखाया जाता था. इस काल्पनिक मुनाफे और फर्जी निवेश को वास्तविक मानते हुए सीए ने निवेश जारी रखा. बुजुर्ग सीए ने छह महीने में 21 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर दिया. मामला तब खुला, जब सीए ने निवेश की गई राशि निकालने की कोशिश की. तब ठग बहाने बनाने लगे.'तुम्हारे खाते से 2.80 लाख उड़ा दिए, हिम्मत है तो 1930 पर शिकायत कर दो', कानपुर में साइबर ठग ने फोन कर दिखाई दबंगईसीए के मुताबिक रकम निकालने की कोशिश करने पर निवेश कराने वाले लोग बहाने बनाने लगे. उनसे और रकम निवेश करने के लिए कहा गया और निवेश की गई राशि रिलीज कराने के नाम पर उनसे कई करोड़ रुपये और जमा करने को कहा गया. पीड़ित ने अपने चार बैंक खातों से सौ से भी अधिक लेनदेन किए जाने की जानकारी शिकायत में दी है. पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है.

लोडिंग वाहन से भिड़ी बाइक, सड़क पर बिखरे सामान में बारहसिंगा के सींग निकले, पट्टी कराकर थाने ले गई पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंडला। जिले में एक अजीबोगरीब सड़क हादसे ने वन्यजीव शिकारी की पोल खोलकर रख दी। देवदरा गांव के राजीव कॉलोनी के पास एक मालवाहक गाड़ी और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे के बाद बाइक सवार का सामान सड़क पर बिखर गया, जिसे देखकर वहां मौजूद राहगीर दंग रह गए। बिखरे हुए सामान के बीच प्रतिबंधित बारहसिंगा के सींग छिपे हुए थे।हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाइक सवार 29 वर्षीय सुशील सिंधिया को हिरासत में ले लिया। जब उससे सींगों को लेकर पूछताछ की गई, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

वन विभाग ने शुरू की जांच मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत वन विभाग की टीम को सूचित किया। वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बारहसिंगा के सींगों को अपने कब्जे में ले लिया और आरोपी सुशील सिंधिया के खिलाफ वन्यजीव अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।अब वन विभाग की टीम आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आरोपी को ये सींग कहां से मिले थे और क्या वह किसी बड़े इंटरनेशनल या नेशनल वन्यजीव तस्करी नेटवर्क का हिस्सा है।एक्सीडेंट से गिरफ्तारी तक:टक्कर और खुलासा: देवदरा गांव के पास बाइक और गुड्स कैरियर की टक्कर हुई, जिससे आरोपी का सामान सड़क पर फैल गयराहगीरों की सतर्कता: स्थानीय लोगों ने बिखरे सामान में बारहसिंगा का सींग देखा और तुरंत पुलिस को फोन घुमाया।पुलिस का एक्शन: पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी सुशील सिंधिया को घेरा और वन विभाग को केस सौंपा।आगे की जांच: वन विभाग अब कान्हा नेशनल पार्क के आसपास के इलाकों और शिकारियों के नेटवर्क से इसके तार जोड़कर देख रहा है।मंडला और आसपास का इलाका कान्हा नेशनल पार्क के नजदीक होने के कारण वन्यजीवों के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। वन अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में यह शिकार का मामला लग रहा है,

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार) 14 जुलाई 2026

महाराष्ट्र लाडकी बहिन योजना में घटे 38% लाभार्थी, EKYC के बाद हटाए गए 92 लाख नाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की खास 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के तहत रजिस्टर हुई हर 10 में से लगभग 4 महिलाओं को राज्य-व्यापी वेरिफिकेशन प्रोसेस के बाद हटा दिया गया है।

सरकारी रिकॉर्ड से पता चलता है कि 92 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को योजना से हटाया गया। यह संख्या राज्य सरकार के अब तक सार्वजनिक रूप से बताए गए लगभग 80 लाख हटाए गए लोगों की संख्या से कहीं ज्यादा है। हटाए गए लोगों में से अधिकांश, लगभग 62 लाख लाभार्थी जरूरी इलेक्ट्रॉनिक 'नो योर कस्टमर' (ङ्मङ्घष्ट) प्रोसेस पूरा नहीं कर पाए। बाकी लोगों को इसलिए अयोग्य पाया गया क्योंकि वे योजना की आय सीमा से ज्यादा कमाते थे, सरकारी कर्मचारी थे, पहले से ही दूसरी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे, उम्र सीमा से ज्यादा उम्र के थे, लगभग 29,000 मामलों में लाभार्थी पुरुष थे।इस प्रोसेस से जुड़े अधिकारियों का अनुमान है कि वेरिफिकेशन के बाद हटाए गए लाभार्थियों को पेमेंट रुकने से पहले कुल मिलाकर लगभग 14,000 करोड़ रुपये मिल चुके थे। अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों का पेमेंट बंद किया गया, उन्हें औसतन लगभग 10 महीनों तक मदद मिली थी, हालांकि कोई एक निश्चित कट-ऑफ तारीख नहीं थी क्योंकि लाभार्थियों की पहचान वेरिफिकेशन प्रोसेस के अलग-अलग चरणों में की गई थी।2024 के विधानसभा चुनावों से पहले शुरू होने के बाद से, इस योजना के लिए बजट आवंटन और अतिरिक्त प्रावधान 60,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गए हैं। यह योजना 21 से 65 साल की उम्र की उन महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये देती है जिनके परिवार की सालाना आय 2.5 लाख रुपये से कम है। सरकारी कर्मचारियों, इनकम टैक्स देने वालों और कुछ दूसरी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को इसमें शामिल नहीं किया गया है।इस स्कीम में अभी 1.5 करोड़ से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। सितंबर 2025 में शुरू हुई वेरिफिकेशन प्रक्रिया से पहले, इसके लाभार्थियों की संख्या लगभग 2.43 करोड़ थी। बजट अनुमान, खर्च पर कंट्रोल और फाइनेंशियल मैनेजमेंट में बड़ी कमियों की ओर इशारा किया।

महाराष्ट्रः 10 रुपये की चाय के लिए हत्या, दुकानदार ने शख्स को उतारा मौत के घाट

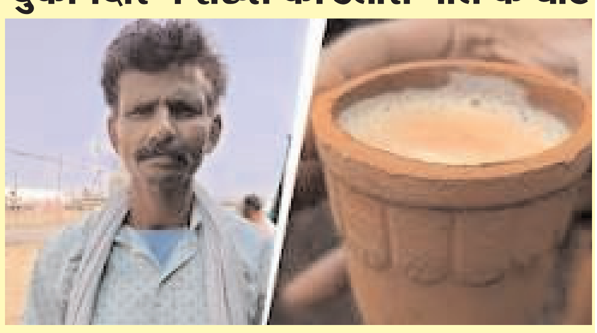

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महज 10 रुपये की चाय के पैसे को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई. कपिल नगर थाना क्षेत्र में चाय विक्रेता कैलाश गणवीर ने कथित तौर पर मनोज विश्वनाथ यादव के गले पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. मनोज डेकोरेशन का सामान ढोने वाला वाहन चालक था. महाराष्ट्र के नागपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां महज 10 रुपये की चाय के पैसे को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. यह घटना रविवार दोपहर कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्र स्थित सहारे पेट्रोल पंप के पास हुई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मनोज विश्वनाथ यादव के रूप में हुई है. वह डेकोरेशन का सामान ढोने वाला वाहन चालक था. शुरुआती जांच में सामने आया है कि मनोज और आरोपी कैलाश गणवीर के बीच चाय के 10 रुपये के भुगतान को लेकर कहासुनी हो गई थी. देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गुस्से में चाकू निकालकर मनोज के गले पर वार कर दिया. गंभीर रूप से घायल मनोज की मौके पर ही मौत हो गई.बताया जा रहा है कि आरोपी कैलाश गणवीर पान की दुकान चलाता है और वहीं पर चाय भी बेचता था. रविवार दोपहर करीब चार बजे दोनों के बीच पैसों को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो कुछ ही मिनटों में खूनी संघर्ष में बदल गया. घटना की सूचना मिलते ही कपिल नगर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की. वहीं, आरोपी को घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया गया फिलहाल पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है.

बलात्कारी को फांसी दो ! मुंबई में 8 साल की मासूम से रेप, थाने के बाहर लोगों का प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पायधोनी इलाके में 8 वर्षीय बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले ने लोगों में भारी नाराजगी पैदा कर दी. घटना के बाद आरोपी सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया गया. बड़ी संख्या में लोग थाने के बाहर जुट गए और कड़ी कार्रवाई की मांग की. पुलिस ने बच्ची की हालत स्थिर बताते हुए जांच जारी होने की जानकारी दी.महाराष्ट्र में मुंबई के पायधोनी इलाके में एक 8 वर्षीय बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आने के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया. पुलिस ने मामले में उसी इमारत में तैनात एक सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है. घटना के विरोध में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पायधोनी पुलिस थाने के बाहर जमा हो गए और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे.जानकारी के अनुसार, घटना एक बिल्डिंग के टॉयलेट के भीतर हुई. मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरक्षा गार्ड को हिरासत में लिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसके खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.घटना के बाद इलाके में लोगों में काफी गुस्सा देखने को मिला. सैकड़ों लोग पुलिस थाने के बाहर पहुंच गए और आरोपी के खिलाफ फांसी की मांग करने लगे. स्थिति को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे. मामले की जानकारी मिलने पर महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर भी पायधोनी पुलिस थाने पहुंचे. उन्होंने अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली और प्रदर्शन कर रहे लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की. इसके बाद स्थिति सामान्य हुई. बता दें कि आरोपी सिक्योरिटी गार्ड का नाम परवेज है. वह झारखंड का रहने वाला है और पिछले छह महीनों से यहां काम कर रहा था.इस मामले पर डीसीपी जोन-3 विजय कांत सागर ने बताया कि बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है. डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है और फिलहाल उसकी हालत स्थिर है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा. पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है. घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है. अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जांच निष्पक्ष तरीके से पूरी की जाएगी और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

एटीएस में तैनात दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल मनीष कुमार पर अपनी पत्नी प्रियंका की गोली मारकर हत्या का आरोप

दिल्लीः कॉन्स्टेबल ने गोली मारकर की पत्नी की हत्या, बीच सड़क छोड़कर भागा डेडबॉडी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली । दिल्ली के पूर्वी जिले में एएटीएस में तैनात दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल मनीष कुमार पर अपनी 26 वर्षीय पत्नी प्रियंका की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है. प्रियंका एक निजी स्कूल में शिक्षिका थीं. बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था.दिल्ली के पूर्वी जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. दिल्ली पुलिस के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (ङ्गस्) में तैनात एक कॉन्स्टेबल ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी हुई हैं.जानकारी के मुताबिक आरोपी की पहचान मनीष कुमार के रूप में हुई है, जो पूर्वी दिल्ली के ङ्गस् में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात है. उसकी पत्नी प्रियंका (26) एक निजी स्कूल में शिक्षिका थीं. शुरुआती जानकारी के अनुसार पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था. इसी विवाद के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपनी पिस्टल से प्रियंका को

गोली मार दी.

हत्या के बाद सड़क पर ही फेंककर हुआ फरार

बताया जा रहा है कि वारदात के बाद आरोपी घायल पत्नी को सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गया. स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया.

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. फिलहाल पुलिस हत्या के पीछे की वजह की जांच कर रही है. शुरुआती जांच में घरेलू विवाद को घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की विस्तृत जांच कर रही है.

दिल्ली में 'नशे पर लगाम, देश को सलाम' अभियानः अवैध शराब कारोबार का भंडाफोड़, कार से सप्लाई का आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। हाल ही में शुरू किए गए खास अभियान 'नशे पर लगाम, देश को सलाम!!' के तहत पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अवैध शराब के खिलाफ लगातार चल रहे अभियान के तहत डीसीपी कुशल पाल सिंह के निर्देशों पर द्वारका डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने अवैध शराब जमा करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ करके बड़ी कामयाबी हासिल की है। अलग-अलग ब्रांड की 1133 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम ने की कार्रवाई

छावला इलाके में अवैध शराब के भंडारण के बारे में खास गुप्त जानकारी मिलने पर स्पेशल स्टाफ की एक विशेष टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। टीम ने चिह्नित जगह पर छापेमारी की और गैर-कानूनी बिक्री और वितरण के लिए एक कार में अवैध रूप से जमा की गई भारी मात्रा में अलग-अलग ब्रांड की अवैध शराब (1113 बोतल) बरामद की। इस ऑपरेशन के दौरान, अशोक शर्मा पिता कुंदन मल शर्मा नाम के आरोपी को मौके से पकड़ा गया।

पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है।

अवैध शराब की सप्लाई में एक्शन

बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ छावला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी अशोक अवैध शराब का आदतन सप्लायर है और पहले भी दिल्ली आबकारी अधिनियम के 3 मामलों में शामिल रहा है। पुलिस शराब कहां से लाई गई थी, इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और पूरी सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

नेटवर्क का पता लगाने में जुटी पुलिस

आरोपी ने छावला पुलिस स्टेशन के इलाके में एक छिपी हुई जगह पर गैर-कानूनी तरीके से भारी मात्रा में शराब जमा कर रखी थी। बरामद की गई शराब को दिल्ली आबकारी अधिनियम के नियमों से बचते हुए, गलत तरीके से आर्थिक लाभ कमाने के लिए दिल्ली में गैर-कानूनी रूप से सप्लाई और बेचा जाना था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों की खैर नहीं, DDA 72 घंटे चलाएगा बुलडोजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकारी और DDAकी जमीन पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ ऐक्शन और तेज होगा। अवैध कब्जे का पता चलने के अधिकतम 72 घंटे के अंदर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी होगी।DDAने फ्लाइंग स्क्वॉड और क्विक रिस्पॉन्स टीम के लिए नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लागू किया है।DDA ने अलग-अलग जोन में 14 फ्लाइंग स्क्वॉड टीम बनाई है। ये नियमित फील्ड निरीक्षण करेंगी।सरकारी और DDA की जमीनों पर किसी भी तरह के अवैध निर्माण या अतिक्रमण की शुरुआती स्तर पर पहचान करेंगी।टीमों को जियो-टैग्ड फोटो, तारीख और समय के साथ सबूत जुटाने होंगे, ताकि कार्रवाई में देरी न हो।DDAका कहना है कि नई व्यवस्था का मकसद केवल अवैध निर्माण हटाना नहीं, बल्कि सरकारी जमीनों को दोबारा कब्जे से बचाना भी है।इसके लिए ध्वस्तीकरण के बाद संबंधित फील्ड अधिकारियों को लगातार निगरानी रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।जरूरत पड़ने पर ड्रोन सर्वे किए जाएंगे और लैंड मॉनिटरिंग सिस्टम के साथ फील्ड निरीक्षण को जोड़ा जाएगा।चार टीम को दी गई जिम्मेदारी

नई SoP के तहत 4 क्विक रिस्पॉन्स टीम को जिम्मेदारी दी गई है। जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद टीमें तुरंत मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण हटाएंगी। ध्वस्तीकरण के बाद उसी दिन पहले और बाद की तस्वीरों के साथ रिपोर्ट जमा करनी होगी। जरूरत पड़ने पर पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

निजी जमीन पर भी होगा एक्शन

यह भी साफ किया गया है कि डिवेलपमेंट एरिया में निजी जमीन पर चल रहे अवैध निर्माण के खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भूमि प्रबंधन, इंजीनियरिंग और हॉर्टिकल्चर विभागों की जिम्मेदारियां तय कर विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया गया है।

पंजाब-राजस्थान में चोरी की लग्जरी SUV बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली।आपके पास लग्जरी कार है? अगर हां तो सावधान हो जाइए, कागज जांच कर देखिए कहीं वो नकली तो नहीं? क्योंकि ऐस ही मामला दिल्ली का है जहां आरोपी मंहगी गाड़ियों को 4-5 लाख में खरीदकर, हेराफेरी कर ऊंचे दामों में बेच रहें थे।दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लग्जरी एसयूवी चोरी कर उन्हें फर्जी दस्तावेजों के जरिए दूसरे राज्यों में बेचने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में पंजाब और राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 12 चोरी की लग्जरी गाड़ियां बरामद हुई हैं, जिन पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थीं और उनके साथ नकली रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी मिले।पुलिस के अनुसार, आरोपी चोरी की महंगी एसयूवी को केवल 4 से 5 लाख रुपये में खरीदते थे। इसके बाद गाड़ियों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर उन्हें असली दिखाया जाता था और फिर पंजाब व राजस्थान में ऊंचे दाम पर बेच दिया जाता था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि गिरोह लंबे समय से इस तरीके से वाहन तस्करी कर रहा था।पुलिस ने गुरविंदर सिंह बैंका (पंजाब) और दशरथ बिश्नोई (राजस्थान) को गिरफ्तार किया हैदोनों पर चोरी की गाड़ियों को खरीदकर फर्जी दस्तावेजों के सहारे बेचने का आरोप है।ऐसे हुआ गिरोह का खुलासादिल्ली में लग्जरी गाड़ियों की बढ़ती चोरी के मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी का विश्लेषण किया।जांच के दौरान पता चला कि चोरी की गाड़ियां पंजाब भेजी जा रही हैं।7 जून को प्रशांत विहार में दर्ज एक वाहन चोरी के मामले की जांच के दौरान गुरविंदर को पूर्वी दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक चोरी की एसयूवी मिली, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी।बरामद गाड़ियों में टोयोटा फॉर्च्यूनर, महिंद्रा थार, किआ और हुंडई क्रेटा जैसी एसयूवी शामिल हैं।गुरविंदर की निशानदेही पर अमृतसर और तरनतारन में छापेमारी कर कई और वाहन बरामद किए गए।बाद में दशरथ को राजस्थान के जोधपुर के ओसियां टोल प्लाजा से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी की गाड़ियों के खरीदारों की पहचान करने में जुटी है।

गढ़चिरौली में लाल कपड़े और सफेद पर्चे में लिखी मिली नक्सली धमकी, खनन कंपनियों को तुरंत काम रोकने को कहा, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सली पर्चा मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद समाप्ति को लेकर तय समयसीमा के बाद जिले में पहली बार इस तरह का पर्चा सामने आने से इलाके में चर्चा तेज हो गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह पर्चा वास्तव में नक्सली संगठन की ओर से जारी किया गया है या किसी अन्य समूह द्वारा माहौल बनाने का प्रयास किया गया है।एटापल्ली तहसील के पिपली-बुर्गी पुलिस थाना क्षेत्र में मुख्य सड़क के किनारे लाल रंग के कपड़े पर चेतावनी संदेश लिखा हुआ मिला। इसके अलावा सफेद कागज पर लाल स्याही से लिखा एक पर्चा भी बरामद किया गया, जिसमें कुछ कंपनियों को बंद करने की चेतावनी दी गई है। सूचना मिलने के बाद गढ़चिरौली पुलिस मौके पर पहुंची और पर्चे को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

गढ़चिरौली में मिले वॉर्निंग पर्चे में क्या?

कुंदम गांव के पास माइनिंग प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। पर्चों में इन्हीं कामों का विरोध किया गया है। पर्चों में चेतावनी देत हुए JSW, ओम साईं, नेचुरल और सनफ्लावर समेत चार कंपनियों का काम तुरंत रोकने को कहा गया है। कथित नक्सली साहित्य में हेतालकासा-कुदरी-मोहरली इलाके में किए जा रहे ड्रोन सर्वे पर भी आपत्ति जताई गई और ग्रामीणों व प्रतिनिधियों को माइनिंग कंपनियों का समर्थन न करने की चेतावनी दी गई।

पुलिस ने बढ़ाई इलाके की सुरक्षा

पुलिस ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए गश्त और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संभावित अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं और पर्चे की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है।

पर्चे में बीजेपी नेता अशोक कामडे का नाम

बताया जा रहा है कि बरामद पर्चे में भाजपा नेता अशोक कामड़े के नाम का उल्लेख किया गया है। इसमें मुख्य रूप से ओम साईं मेमोरियल कंपनी का नाम सामने आया है और कंपनी की गतिविधियों को लेकर विरोध जताया गया है। आया है कि पर्चे में लॉयड्स मेटल कंपनी का नाम शामिल नहीं है, जबकि इससे पहले कथित नक्सली संगठनों की ओर से लॉयड्स मेटल परियोजना का कई बार विरोध किया जा चुका है। इसी कारण पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पर्चे की प्रमाणिकता को लेकर भी जांच कर रही हैं।

दिल्ली के अलीपुर में बड़ा हादसा, यमुना नदी में नहाने गए 4 नाबालिग तेज बहाव में डूबे

हिरणकी गांव में यमुना नदी के ठोकर नंबर-24 पर नहाने गए 4 नाबालिग तेज बहाव में डूब गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 5 बच्चे यमुना नदी में नहाने गए थे।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां हिरणकी गांव में यमुना नदी के ठोकर नंबर-24 पर नहाने गए 4 नाबालिग तेज बहाव में डूब गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 5 बच्चे यमुना नदी में नहाने गए थे। इनमें से चार अचानक तेज बहाव में फंसकर डूबने लगे। बहाव इतना तेज था कि वह नदी में डूबते ही चले गए। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम को सूचना दी गई।

बच्चों के शव की तलाश जारी

बताया जा रहा है कि साथ में आए पांचवे साथी ने शोर मचाकर लोगों की अपने दोस्तों के डूबने की सूचना दी, लेकिन लोगों के पहुंचने से पहले ही चारों नदी के तेज बहाव में बह गए। इस हादसे के दूसरे दिन भी रेस्क्यू बच्चों की बॉडी की तलाश करती रही, लेकिन अब अब तक उनके शव बरामद नहीं किए जा सके हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी

बताया जा रहा है कि NDRF, DDMA, दमकल विभाग और स्थानीय पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। बच्चों के शव की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फिलहाल बॉडी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। अलीपुर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस को कब मिली सूचना

बताया जा रहा है कि पुलिस को इस घटना की सूचना रविवार शाम करीब 7:30 बजे मिली थी। पुलिस के मुचाहित रविवार को पांच नाबालिग यमुना में नहाने के लिए उतरे थे। इनमें से एक ने शोर मचाकर लोगों को सूचना दी, जबकि चार अन्य तेज धारा की चपेट में आकर बह गए और लापता हो गए।

सनातन संस्कृति जागरण संघ द्वारा भीनमाल में 175वां यज्ञ संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। स्थानीय सनातन संस्कृति जागरण संघ द्वारा चलाए जा रहे 'घर-घर यज्ञ अभियान' के तहत रविवार शाम को दासपां रोड स्थित बस्ती में 175वें यज्ञ का आयोजन किया गया। राव विक्रम सिंह आर्य द्वारा वैदिक रीति से संपन्न कराए गए इस यज्ञ में अशोक बंजारा सपरिवार मुख्य यजमान बने। यज्ञ के समापन पर उपस्थित कई श्रद्धालुओं ने मांसाहार, शराब, बीड़ी और गुटखा जैसे व्यसन छोड़ने का सामूहिक संकल्प लिया। संघ के वरिष्ठ सदस्य वालाराम मौर्य व मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में जातिगत भेदभाव मिटाकर समरसता लाना और युवाओं को नशे की लत से दूर कर अध्यात्म से जोड़ना है। यज्ञ के बाद आयोजित चर्चा में शंकरलाल सोलंकी, दीपाराम गहलोत और संपतलाल सोनी ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर बस्ती के अनेक लोगों सहित सोमाराम बंजारा, बगदारम बंजारा, दशरथ बंजारा, मोहनलाल माली, चंदन बंजारा, संपतलाल सोनी, शंकरलाल सोलंकी, छोगाराम गहलोत, ओटाराम मेघवाल, वालाराम मौर्य, दीपाराम गहलोत, तारचंद फुलवरिया, ताराराम पाउआ, सुखराज माली, सोमताराम माली, रमेश माली, राजेश टी सोनी, अजमल दर्जी, दिलीप चौहान, रमेश राणा, आर्य राहुल बंजारा, आर्य रोहित मेघवाल, गौरव बंजारा, नीरज वैष्णव, आर्य अक्षय बंजारा, हेमंत जीनगर, शिवम आर्य, रतन बंजारा, महेंद्र जीनगर, करण बंजारा, राहुल जीनगर, जीवन बंजारा व संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। यज्ञ का सम्पादन राव विक्रम सिंह आर्य ने वैदिक रीति से करवाया। यह अभियान हर रविवार अलग-अलग बस्तियों में आयोजित कर समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

अभय राजपुरोहित हत्याकांड की निष्पक्ष जांच व 50 लाख मुआवजे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। सिरोही जिले के आमलारी गांव निवासी अभय राजपुरोहित की हत्या के मामले में निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को विप्र फाउंडेशन एवं ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए इस घटना को कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल बताया। विप्र फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री से मांगें की हैं जिसमें मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की जाए । मृतक अभय राजपुरोहित अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे, इसलिए उनकी पत्नी को राजकीय सेवा में स्थायी नियुक्ति दी जाए । पीड़ित परिवार की विधवा पत्नी और नाबालिग पुत्री के सुरक्षित भविष्य के लिए कम से कम 50 लाख की आर्थिक मदद दी जाए। आरोपियों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर उन्हें आजीवन कारावास या मृत्युदंड की सजा दिलाई जाए। इस मौके पर दिनेश कुमार दवे , मानाराम पुरोहित उपाध्यक्ष , रमेश शर्मा, वासुदेव अवस्थी, जगदीश रामावत, रमेश दवे, जवाहर पुरोहित भागल, करणाराम पुरोहित, प्रेमसिंह राजपुरोहित, माधव ठाकुर, गुमानमल पुरोहित, जयंतीलाल पुरोहित, सुरेश वैष्णव, कैलाश बोहरा, श्यामसुंदर शर्मा, मंजु वैष्णव, कंचन देवी , छाया वैष्णव ,पूर्णा ओझा,मितेन्द्र बोहरा, दिलीप दवे प्याराराम, प्रहलाद पुरोहित,राज पुरोहित, प्रवीण कुमार, धुकाराम, जगदीश सहित कई समाज जन उपस्थित थे।

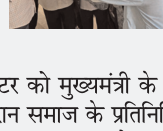

नागदा में अमरावती के पीठाधीश्वर श्री 1008 शक्ति महाराज का भव्य आगमन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना के केंद्र नागदा जंक्शन में आज उस समय भक्ति का माहौल बन गया, जब महाकाली शक्तिपीठ अमरावती के परम पूज्य पीठाधीश्वर श्री 1008 शक्ति महाराज का नगर में मंगल आगमन हुआ। इससे पूर्व, महाराज श्री ने उज्जैन के विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर में पहुंचकर भस्मारती के अलौकिक दर्शन किए और लोक-कल्याण की कामना के साथ विशेष पूजन-अर्चन का लाभ लिया। उज्जैन से प्रस्थान कर नागदा में अपने अल्पप्रवास के दौरान महाराज श्री का शुभागमन जवाहर मार्ग स्थित प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी निर्मल दलाल के निवास स्थान पर हुआ। पीठाधीश्वर श्री शक्ति महाराज के नागदा आगमन की सूचना मिलते ही नगर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सेवाभावी संगठनों के पदाधिकारी और श्रद्धालु उनके दर्शन और आशीर्वाद के लिए उमड़ पड़े। नगरवासियों ने महाराज श्री की अगवानी में पलक-पावड़े बिछा दिए और शॉल ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर उनका आत्मीय स्वागत किया। महाराज श्री का आशीर्वाद लेने वालों में मुख्य रूप से श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष सतीश जैन सांवेरवाला, ट्रस्ट अध्यक्ष रविंद्रकुमार मनोहरकुमार कांठेड़, दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन और मूर्तिपूजक श्री संघ के अध्यक्ष मनीष सालेचा व्होरा शामिल थे। नागदा प्रवास के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं और पत्रकारों से चर्चा करते हुए पीठाधीश्वर श्री 1008 शक्ति महाराज ने गोवंश संरक्षण पर विशेष जोर दिया।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज: शाह-यादव से जुड़ी घटनाओं से हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में कैबिनेट विस्तार या बड़े राजनीतिक फैसलों का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि उनकी रणनीतिक योजनाएं अत्यंत गोपनीय रहती हैं। हालांकि, हाल की दो घटनाओं ने मानसून सत्र से पहले संभावित कैबिनेट फेरबदल की अटकलों को हवा दी है।

पहली घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इंटेलिजेंस ब्यूरो के निवर्तमान डायरेक्टर तपन डेका के सम्मान में आयोजित डिनर है। एक दुर्लभ सार्वजनिक कदम उठाकर केंद्रीय मंत्री शाह ने एक्स पर डेका की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं। इससे अटकलें हैं कि डेका को सेवानिवृत्ति के बाद जम्मू-कश्मीर से जुड़ी कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे वर्तमान लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना बढ़ती है।

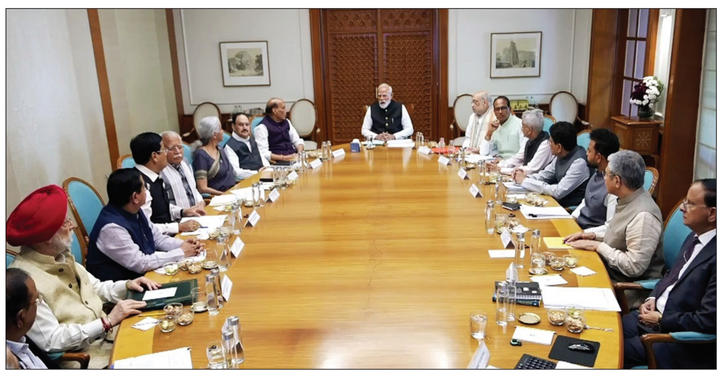

दूसरी अहम घटना केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अचानक हुए प्रशासनिक फेरबदल से जुड़ी है, जिसमें उनके चार अहम निजी सहयोगियों को हटाया गया। केंद्रीय मंत्री यादव को बीजेपी के प्रमुख रणनीतिकार और संगठन से जुड़े अहम व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जिनका प्रभाव उनकी मंत्री पद की जिम्मेदारियों से कहीं अधिक है। इस अप्रत्याशित कदम ने राजनीतिक और नौकरशाही हलकों में हलचल मचा दी है। विपक्षी कांग्रेस ने, पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश के नेतृत्व में, सरकार पर कुशासन और यादव के मंत्रालय में बड़े घोटाले का आरोप लगाया है। यह घटना किसी बड़े बदलाव का संकेत है या मात्र एक प्रशासनिक कदम, यह देखना बाकी है, लेकिन इससे यादव को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं।

हालांकि, सूत्रों का कहना है कि संसद के मॉनसून सत्र (20 जुलाई से पहले) में कैबिनेट में फेरबदल की संभावना कम है। सरकार का मुख्य ध्यान विधायी कार्यों पर है और प्रधानमंत्री का शेड्यूल भी बहुत व्यस्त है। 20 जुलाई से पहले विस्तार होने पर नए मंत्रियों के पास सत्र की तैयारी के लिए कम समय होगा। इसके बावजूद, सत्र से ठीक पहले भी फेरबदल के उदाहरण रहे हैं, जैसे जुलाई 2021 में कई वरिष्ठ मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को शामिल किया गया था।

डीएम कार्यालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर में सघन तलाशी अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा से सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कार्यालय को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है।इस धमकी भरे संदेश के मिलते ही प्रशासनिक महकमे और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आई और अधिकारियों व आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को छावनी में बदल दिया गया। सुरक्षा के तय मानकों के तहत आनन-फानन में बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), डॉग स्क्वाड, फायर ब्रिगेड और एंटी-सबोटेज टीमों को मौके पर बुलाया गया। इन संयुक्त सुरक्षा एजेंसियों ने डीएम कार्यालय की गहन तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अब तक की जांच में परिसर के भीतर कोई भी संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली है। हालांकि, एहतियात के तौर पर पूरे कार्यालय और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, पुलिस की साइबर सेल ने धमकी भरे ईमेल की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। डिजिटल सबूतों और आईपी एड्रेस को खंगाला जा रहा है, ताकि पता लगा सके कि यह ईमेल कहां से भेजा गया था और इसके पीछे किसका हाथ है। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद से एक मानसिक रूप से बीमार युवक को गिरफ्तार किया था, जिसने इसरो और एनआईए जैसे प्रमुख संस्थानों को ऐसी ही झूठी धमकियां भेजी थीं। फिलहाल, पुलिस इस मामले को भी गंभीरता से लेकर हर पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है।

बद्रीनाथ दान चोरी: एसआईटी ने प्रमोद नौटियाल को किया गिरफ्तार

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान की धनराशि में हुई गंभीर गड़बड़ी के मामले में आखिरकार बड़ी कार्रवाई की गई है। इस प्रकरण में जांच कर रही एसआईटी (विशेष जांच दल) ने आरोपी अधिकारी प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एसआईटी की टीम ने प्रमोद नौटियाल को बीते 12 जुलाई की रात लगभग 8ः00 बजे देहरादून से हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद नौटियाल को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बद्रीनाथ लाया गया है। गौरतलब है कि बद्रीनाथ धाम में दान के पैसों में हेराफेरी का यह संवेदनशील मामला बीते 2 जुलाई को पहली बार प्रकाश में आया था, जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दिए थे।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसआईटी अब अन्य संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है और आने वाले समय में इस प्रकरण में कई और लोगों पर भी शिकंजा कसने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, इस पूरे विवाद की आंतरिक जांच कर रही बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की एक चार सदस्यीय टीम भी आज अपनी जांच रिपोर्ट सौंप सकती है। इस टीम ने बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा और दान की धनराशि में हुई कथित गड़बड़ी की गहराई से पड़ताल की है। बीकेटीसी की यह विस्तृत रिपोर्ट सीसीटीवी फुटेज और संबंधित कर्मचारियों के लिखित बयानों सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों पर आधारित होगी। यह प्रकरण विशेष रूप से बीते 2 जुलाई को चढ़ावा गणना के दौरान हुई हेरफेर से संबंधित बताया जा रहा है, जिसने मंदिर की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। दरअसल, यह पूरा मामला तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर एक कथित लेटर तेजी से वायरल हो गया। इस लेटर के सामने आते ही पूरे देवभूमि उत्तराखंड में बवाल मच गया और विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को इस मुद्दे पर घेरना शुरू कर दिया था। वायरल हुए इस लेटर में बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कर्मचारियों पर मंदिर के भीतर आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में हेरफेर करने के बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस पावन धाम में कथित गड़बड़ी की खबर आग की तरह फैलते ही तीर्थ पुरोहितों, स्थानीय हक-हकूकधारियों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक में जबरदस्त उबाल आ गया था। श्रद्धालुओं के बीच भी यह खबर चिंता का विषय बन गई थी। एसआईटी द्वारा की गई यह पहली गिरफ्तारी इस बात का संकेत है कि जांच एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। अब सबकी निगाहें बीकेटीसी की रिपोर्ट और एसआईटी की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं, यह देखना होगा कि इस बड़े घोटाले में और कितने नाम सामने आते हैं और न्याय कब तक मिल पाता है।

ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा साबित हुआ खोखला

–भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर किया हमला

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने देश में उजागर हो रहे विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2014 में दिया गया ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा का नारा वास्तविकता में खोखला साबित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार विरोधी दावों पर सवाल खड़े होते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि मई 2014 में सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन समय के साथ यह दावा खोखला साबित हुआ। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति खाऊंगा, खाने दूंगा और खिलाऊंगा जैसी बन गई है।

कांग्रेस नेता ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नोटबंदी पर दिए गए उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने इसे संगठित लूट और कानूनी रूप से वैध ठहराई गई लूट बताया था। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (जीएसपीसी) का ओएनजीसी में विलय कर कथित वित्तीय अनियमितताओं को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने चुनावी बॉन्ड योजना को भी निशाने पर लेते हुए इसे चंदा दो, धंधा लो व्यवस्था करार दिया और आरोप लगाया कि इससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला।

जारी विभिन्न रिपोर्टों का दिया हवाला

कांग्रेस ने अदाणी समूह, राफेल सौदे, पीएम केयर्स फंड तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की विभिन्न रिपोर्टों का हवाला देते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। जयराम रमेश ने दावा किया कि हाल के सप्ताहों में सामने आए कई मामलों ने सरकार की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे के कथित दुरुपयोग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पर रिश्तेदारों को कथित लाभ पहुंचाने के आरोप, विपक्षी दलों के नेताओं को वित्तीय प्रलोभन देकर दल बदल कराने, एक केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा सरकारी योजना की सब्सिडी लेने तथा पर्यावरण मंत्रालय में अधिकारियों के तबादलों जैसे मुद्दों का भी उल्लेख किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर साधा निशाना

जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में परीक्षा प्रणाली भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से प्रभावित हुई है, जिससे करोड़ों छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कांग्रेस ने इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा केंद्र सरकार से जवाब देने की मांग की है।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद विवाद: शुभेंदु अधिकारी का बयान, राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ऊपर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता एयरपोर्ट के भीतर स्थित पुरानी मस्जिद में सामूहिक नमाज़ पर रोक लगाने और उसके प्रस्तावित स्थानांतरण को लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान तेज हुआ है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि बताकर अपना रुख साफकिया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धार्मिक स्वतंत्रता का बचाव किया है। सीएम अधिकारी ने विवाद पर टिप्पणी कर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि चीन और बांग्लादेश जैसे संवेदनशील पड़ोसी देशों के करीब स्थित भू-रणनीतिक महत्व के इंस्टॉलेशन (एयरपोर्ट) के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रखे जा सकते। सीएम अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और एयरपोर्ट की सुरक्षा को अन्य सभी चीजों से ज़्यादा प्राथमिकता मिलेगी। वहीं, सीएम सुवेंदु ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया कि उनकी सरकार धार्मिक रीति-रिवाजों में बाधा डालती है। उन्होंने कहा, हमने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है, जैसा कि विपक्ष ने हमारे बारे में कहा था। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने उदाहरण देकर बताया कि बकरीद (ईद-उल-अज़हा) जानवरों की बलि से जुड़े कानूनों का पालन कर मनाई गई और मुहर्रम बिना हथियार लहराए शांतिपूर्वक संपन्न हुआ, जिससे कोई समस्या नहीं हुई। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने नागरिकों से कानून का पालन करने और धर्म को एक निजी मामले के रूप में देखने का आग्रह किया, ताकि सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहे।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मस्जिद को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तार और सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कदम ज़रूरी है। मजूमदार ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, जबकि उनकी मौजूदा सरकार ऐसी राजनीति में विश्वास नहीं रखती और मस्जिद को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय ने बांकरा मस्जिद में प्रवेश पर अनिश्चितकालीन रोक और उसके स्थानांतरण के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। ममता के नेता रॉय ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की सहमति के बिना मस्जिद के संबंध में कोई भी निर्णय नहीं होना चाहिए।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने शनिवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बांकरा मस्जिद (जिसे गौरीपुर जामा मस्जिद भी कहा जाता है) को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंदर मौजूद मस्जिद में मरम्मत कार्य के चलते तीन दिनों के लिए नमाज़ रोक दी गई है। माना जाता है कि 130 साल से भी ज़्यादा पुरानी यह मस्जिद एयरपोर्ट के निर्माण से भी पहले से मौजूद है और यह एयरपोर्ट के सेकेंडरी रनवे से करीब 165 मीटर की दूरी पर स्थित है।

पीएम मोदी की पंजाब यात्रा से पहले खालिस्तानी हुए सक्रिए

भोपाल (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा से पहले राज्य में खालिस्तान समर्थक तत्वों की सक्रियता चिंता का विषय बन गई है। संभावना है कि प्रधानमंत्री 15 और 17 जुलाई के बीच पंजाब का दौरा कर सकते हैं, जिसमें लुधियाना और जालंधर में कार्यक्रम और चंडीगढ़ में कई विकास कार्यों का उद्घाटन शामिल है। हाल ही में एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिल्ली जा रही एक ट्रेन पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह ट्रेन फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर थी और इस वीडियो को अलगाववादी समूह सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पोस्ट किया था। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं की जा सकती है, लेकिन घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गए हैं।

पन्नू ने अपने वीडियो में मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा का नाम भी लिया है, जो अपनी फिल्म सतलुज के कारण इन दिनों फिर से चर्चा में हैं। पन्नू ने पीएम मोदी की आगामी यात्रा के दौरान खालिस्तानी झंडे दिखाने का आह्वान किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने दावा किया है कि खालड़ा ने 90 के दशक में अज्ञात शवों से जुड़े मामलों के दस्तावेज तैयार किए थे, जो मानवाधिकार उल्लंघन के एक पैटर्न को दर्शाते हैं। इस बीच, अधिकारियों ने फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है ताकि ट्रेन पर नारे लिखने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा सके। पुलिस मौका-ए-वारदात से फॉरेंसिक सबूत भी जुटा रही है और पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और भी कड़ी कर दी गई है। दूसरी ओर, दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज भी विवादों के केंद्र में है। इस फिल्म का शीर्षक पहले पंजाब 95 था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1984 और 1994 के बीच पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के गैर-कानूनी ढंग से किए गए अंतिम संस्कार की जांच की थी। इसे 3 जुलाई को रिलीज होने के दो दिन बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 से हटा दिया गया था, क्योंकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त की थीं। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म निर्माताओं पर विवादित दावों को स्थापित इतिहास के तौर पर पेश करने का आरोप लगाया है। बिट्टू, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं, ने कहा कि पंजाब का दर्दनाक अतीत कोई ऐसी पटकथा नहीं है जिसे किसी विमर्श के हिसाब से चुनिंदा ढंग से संपादित किया जा सके। उन्होंने फिल्म निर्माताओं को 25,000 लोगों के लापता होने या उन्हें गैर-कानूनी तरीके से अंतिम संस्कार किए जाने के सभी दस्तावेजी सबूत, सरकारी रिकॉर्ड और न्यायिक निष्कर्ष सार्वजनिक करने की चुनौती दी है, जैसा कि फिल्म में दर्शाया गया है। यह विवाद और खालिस्तानी तत्वों की सक्रियता प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे से पहले राज्य में सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है।

राजभर का अखिलेश पर तीखा हमला, सपा शासन गुंडागर्दी और जातीय हिंसा का दौर

– कहा– सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा था ; और घटनाओं को भी जनता के सामने लाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके पूर्ववर्ती शासन पर तीखा हमला बोला है। राजभर ने अखिलेश यादव के कार्यकाल को गुंडागर्दी, अराजकता और जातीय हिंसा का खौफनाक दौर करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखे अपने पोस्ट में सपा शासनकाल की दो चर्चित जघन्य घटनाओं - बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म और बदायूं में दलित बहनों के बलात्कार एवं हत्या - का विशेष रूप से जिक्र किया। राजभर ने आरोप लगाया कि सपा राज में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ था और उन्होंने ऐसी अन्य घटनाओं को भी जनता के सामने लाने की बात कही। राजभर ने अपने बयान की शुरुआत एक हालिया घटना का जिक्र करते हुए कहा ?कि अखिलेश यादव दो दिन पहले आपके लोगों की गुंडई देखकर मुझे आपके कार्यकाल की सपाई गुंडागर्दी, अराजकता और आतंक का खौफनाक दौर याद दिला दिया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के कर्म और कांड आज भी उनकी आंखों के सामने तैरने लगते हैं। मंत्री राजभर ने 2016 की बुलंदशहर सामूहिक दुष्कर्म घटना का उल्लेख किया, जिसमें दिल्ली-कोलकाता नेशनल हाईवे पर एक मां और उसकी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप हुआ था। उन्होंने मां की मार्मिक गुहार का भी जिक्र किया और तत्कालीन रामपुर के सपा नेता आजम खान के उस घटना पर दिए गए अशोभनीय बयान की भी याद दिलाई। राजभर ने दावा किया कि योगी सरकार में इस मामले के मुख्य आरोपी को 2020 में गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, और पुलिस पर हमला करने के प्रयास के बाद उसे ठोक दिया गया। अपने पोस्ट में राजभर ने 2014 के बदायूं कांड का भी हवाला दिया, जहां दो दलित बहनों के साथ बलात्कार के बाद उनकी हत्या कर दी गई थी और लाशों को पेड़ पर लटका दिया गया था। उन्होंने

आरोप लगाया कि इस मामले के ज्यादातर आरोपी अखिलेश यादव के स्वजातीय थे और आर्टिकल 15 जैसी फिल्म बनाकर इस मामले को सामान्य करने की कोशिश की गई। मंत्री राजभर ने अखिलेश यादव को तैयार रहने को कहते हुए कहा कि वह सपा सरकार की एक जनपद-एक जातीय हिंसा की पूरी फेहरिस्त जनता के सामने खोलेंगे। उन्होंने अति पिछड़ों और दलितों पर हुए अत्याचारों, मारपीट, हत्या और बलात्कार की घटनाओं को याद दिलाते हुए कहा कि लोग इन जुल्मों को भूले नहीं हैं।

मैसेजिंग ऐप्स के लिए समान नियम बनाने की तैयारी में केंद्र

–प्रस्तावित फीचर्स पर बनेगा साझा ढांचा, सभी प्लेटफॉर्म से विचार–विमर्श के बाद होगा अंतिम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश में संचालित सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए समान नियामकीय मानक (कॉमन स्टैंडर्ड्स) तैयार करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक ऐसे ढांचे को तैयार करने पर काम कर रहा है, जिससे विभिन्न मैसेजिंग सेवाओं पर एक जैसे नियम लागू किए जा सकें और नए फीचर्स को लेकर लिए जाने वाले सरकारी निर्णयों को स्पष्ट कानूनी आधार मिल सके।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार को व्हाट्सऐप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर कुछ सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि उपयोगकर्ताओं की पहचान केवल यूजरनेम के आधार पर होने लगे तो किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण करने (इम्पर्सोनेशन), ऑनलाइन धोखाधड़ी, तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों और जांच एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों का जोखिम बढ़ सकता है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से अभी कोई अंतिम निर्णय घोषित नहीं किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, मंत्रालय इस मुद्दे पर सभी प्रमुख मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के साथ चर्चा करने की तैयारी कर रहा है।

सरकार का उद्देश्य ऐसा समान नियामकीय ढांचा तैयार करना है, जिसमें किसी एक मंच पर किसी फीचर को प्रतिबंधित करने और दूसरे मंच पर उसी सुविधा की अनुमति देने जैसी स्थिति से बचा जा सके। अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान व्यवस्था में ऐसे मामलों के लिए स्पष्ट और समान नियमों का अभाव है। इसलिए भविष्य में किसी भी नए फीचर के मूल्यांकन और अनुमति से संबंधित निर्णय एक समान मानकों के आधार पर लिए जा सकें, इसके लिए साझा दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं।

सरकार का कहना है कि अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और अन्य हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। विचार-विमर्श के बाद सभी पहलुओं को सामने रख कर उचित फैसला लिया जा सकेगा। इसके बाद ही किसी नए नियामकीय ढांचे या दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल इस संबंध में कोई औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

इस सप्ताह निवेशक तीन नए आईपीओ में निवेश कर सकेंगे

निवेशकों के पास 10 हजार करोड़ से अधिक के इश्यू में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के सामने तीन नए आईपीओ में निवेश का अवसर होगा, जिनका कुल आकार 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड और मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी के आईपीओ शामिल हैं। पहले दो इश्यू मेनबोर्ड श्रेणी के हैं, जबकि मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी का आईपीओ एसएमई प्लेटफॉर्म पर आएगा। निवेशक अपनी रणनीति और जोखिम क्षमता के अनुसार इनमें से किसी एक या सभी इश्यू में आवेदन कर सकते हैं। इस सप्ताह का सबसे बड़ा आईपीओ एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का है। भारतीय स्टेट बैंक और फ्रांस की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी अमुंडी के संयुक्त उपक्रम की यह कंपनी आईपीओ के माध्यम से 9,812.91 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। इसके लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। यह ऑफर फॉर सेल आधारित इश्यू है, इसलिए इससे प्राप्त राशि कंपनी के बजाय अपने शेयर बेच रहे प्रवर्तकों को मिलेगी। इस इश्यू के तहत भारतीय स्टेट बैंक लगभग 4.88 प्रतिशत और अमुंडी करीब 3.51 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे। दूसरा मेनबोर्ड आईपीओ गुजरात की टेक्सटाइल कंपनी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का है। कंपनी 126.25 करोड़ रुपये जुटाएगी और इसके लिए 100 से 105 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया गया है। यह पूरी तरह फ्रेश इश्यू है। आईपीओ से प्राप्त धनराशि का उपयोग नया वीविंग प्लांट स्थापित करने, ग्रे फैब्रिक उत्पादन क्षमता बढ़ाने, कर्ज चुकाने तथा अन्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। एसएमई श्रेणी में बेंगलुरु की प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी 160.30 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी ने 315 से 331 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। इस इश्यू से मिलने वाली राशि नई मशीनों की खरीद, कार्यशील पूंजी और सामान्य व्यावसायिक जरूरतों पर खर्च की जाएगी। इस वर्ष अब तक 30 मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 24,404 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं। नए इश्यू के बाद यह आंकड़ा 34,343 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं एसएमई प्लेटफॉर्म पर अब तक 90 कंपनियां 3,861 करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं और मिलवर्क्स टेक्नोलॉजी के शामिल होने के बाद यह राशि 4,022 करोड़ रुपये हो जाएगी। इस बीच लेजर पावर एंड इंफ्रा, डेक्सन कैटेलिस्ट और हैप्पी स्टील्स के आईपीओ पर भी बोली जारी हैं,।

रुपया 39 पैसे टूटकर 95.77 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

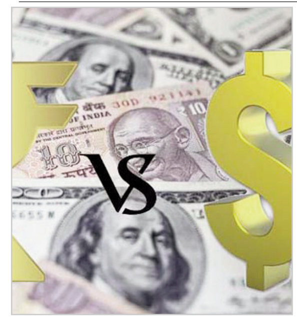

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 39 पैसे टूटकर 95.77 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 79 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ा। उन्होंने कहा कि घरेलू मुद्रा के कमजोर शुरुआत के साथ 95.53 प्रति डॉलर के स्तर पर खुलने की उम्मीद थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.77 प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 39 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले नौ पैसे मजबूत होकर 95.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 101.12 पर कारोबार कर रहा था।

सेवानिवृत्ति की तैयारी: ईपीएफ, पीपीएफ या एनपीएस कौन है बेहतर विकल्प ?

बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा के बीच वित्तीय सुरक्षा के लिए तीनों योजनाओं को समझना जरूरी

-नई दिल्ली।

बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा को देखते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। केवल बचत पर्याप्त नहीं, बल्कि नियमित आय देने वाली निवेश योजनाएं आवश्यक हैं। भारत में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) तीन प्रमुख विकल्प हैं, जिनके नियम, जोखिम, रिटर्न और कर लाभ भिन्न हैं। संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए ईपीएफ एक मजबूत आधार है, जहां नियोक्ता-कर्मचारी योगदान से बड़ा फंड बनता है। सरकारी ब्याज दर के साथ यह नौकरीपेशा लोगों के लिए सुरक्षित बचत है। वहीं पीपीएफ किसी भी भारतीय नागरिक के लिए सुरक्षित और सरकारी गारंटी वाली योजना है। 7.1 फीसदी ब्याज दे रही यह योजना, निवेश, ब्याज और परिपक्वता राशि पर कर छूट (ईईई) के कारण दीर्घकालिक निवेश का लोकप्रिय विकल्प है। एनपीएस अधिक रिटर्न चाहने वाले और सीमित बाजार जोखिम उठाने को तैयार निवेशकों के लिए बेहतर है। यह शेयर, बॉन्ड आदि में निवेश करती है, बाजार-आधारित प्रतिफल के साथ अतिरिक्त कर लाभ देती है। वित्तीय विशेषज्ञ तीनों योजनाओं के संतुलित संयोजन की सलाह देते हैं।

ताकि सुरक्षा, कर बचत और बेहतर रिटर्न का लाभ मिल सके। नियमित निवेश और योजना की समीक्षा भविष्य की वित्तीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

एयरटेल का डिजिटल महाविस्तार, वित्तीय सेवाओं और डेटा केंद्रों पर दांव

चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने वार्षिक रिपोर्ट में किया खुलासा

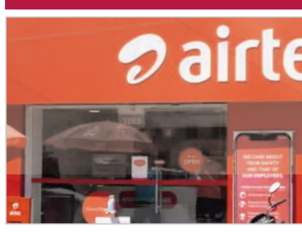

नई दिल्ली ।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कंपनी भारती एयरटेल अब सिर्फ मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती। चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में घोषणा की है कि एयरटेल भविष्य में वित्तीय सेवाओं, डाटा केंद्र और क्लाउड कारोबार को अपनी अगली विकास यात्रा का प्रमुख आधार बनाएगी। यह रणनीतिक विस्तार भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण और क्लाउड सेवाओं की मांग का लाभ उठाने के लिए तैयार किया गया है। मित्तल ने बताया कि एयरटेल मनी में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है, जिसे आरबीआई से गैर-जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में मंजूरी मिल चुकी है। यह कदम देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही कंपनी अपने डाटा केंद्र कारोबार एनएक्स्ट्रा का भी तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत 1000 मेगावाट क्षमता वाले डाटा केंद्र विकसित करने का लक्ष्य है। हाल ही में एनएक्स्ट्रा के लिए लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई गई है, जो क्लाउड सेवाओं की बढ़ती मांग और डेटा को भारत में सुरक्षित रखने की जरूरत को पूरा करेगी। पिछले एक दशक में भारती एयरटेल ने डिजिटल बुनियादी ढांचे पर 3.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जो इस नए विस्तार का आधार बनेगा। कंपनी का मानना है कि वित्तीय सेवाओं, डाटा केंद्र और क्लाउड सेवा जैसे क्षेत्रों में उसकी मजबूत स्थिति, साथ ही सरकार की सहायक नीतियां, भविष्य में बेहतर परिणाम देंगी। एयरटेल की 5जी सेवा का ग्राहक आधार 18.8 करोड़ तक पहुंच गया है,।

अमेरिका-ईरान टकराव के बीच ब्रेंट 79 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला है। सोमवार को अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल करीब 4 फीसदी उछल गया। ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार करता दिखा। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम शांति समझौते के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई थी। लेकिन नए सैन्य तनाव ने उस राहत को खत्म कर दिया। अब दोनों देशों के बीच बातचीत की संभावना भी कमजोर पड़ गई है। ईरान ने कहा है कि बातचीत आगे बढ़ने से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल निर्यात से जुड़े मुद्दों पर प्रगति जरूरी है। सोमवार सुबह ब्रेंट क्रूड करीब 3.93 फीसदी बढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी करीब 3.98 फीसदी की तेजी के साथ 74.25 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, अमेरिकी प्राकृतिक गैस की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अमेरिका में प्राकृतिक गैस की कीमतें गिरकर 2.90 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर आ गई है, जो पिछले सात हफ्तों का सबसे निचला स्तर है। इसकी मुख्य वजह आने वाले दिनों में मौसम के ठंडा रहने का अनुमान है, जिससे एयर कंडीशनिंग की मांग घट सकती है और गैस से बनने वाली बिजली की खपत कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा, फ्रीपोर्ट एलएनजी ने 10 जुलाई से अगस्त के आखिर तक अपने प्लांट में रखरखाव (मेंटेनेंस) का काम शुरू किया है, जिससे अस्थायी रूप से गैस की खपत घटेगी। वहीं अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के ताजा आंकड़ों के अनुसार 3 जुलाई तक देश में प्राकृतिक गैस का भंडार पिछले पांच साल के औसत से 6.6 फीसदी अधिक है। पर्याप्त सप्लाई और कमजोर मांग की संभावना के चलते प्राकृतिक गैस की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

कीस्टोन रियल्टर्स की बिक्रि बुकिंग में 42 फीसदी की गिरावट

वत्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 617 करोड़ रुपये रही बिक्री बुकिंग

निई दिल्ली ।

रियल एस्टेट फर्म कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग में 42 फीसदी की उल्लेखनीय गिरावट का सामना करना पड़ा है। इस तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग 617 करोड़ रुपये दर्ज की गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह 1,068 करोड़ रुपये थी। मुंबई स्थित इस कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए अपने तिमाही कारोबारी प्रदर्शन की जानकारी साझा की है। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू नहीं की गई। ऐसे में बिक्री मुख्य रूप से मौजूदा परियोजनाओं की स्थिर मांग और खरीदारों के भरोसे से समर्थित रही। हालांकि, कंपनी को ग्राहकों से प्राप्त राशि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बढ़कर 599 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 575 करोड़ रुपये थी। कीस्टोन रियल्टर्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी ने इसे स्थिर शुरुआत बताते हुए कहा कि वे पिछली गति को बनाए रखेंगे। कंपनी को वैश्विक स्थिरता से आर्थिक सुधार और आगामी तिमाहियों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

एचडीएफसी बैंक ने अपने कर्मचारियों की संख्या 3,343 घटाई

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 में एचडीएफसी बैंक ने अपने कर्मचारियों की संख्या 3,343 घटा दी है। अब उसके कर्मचारियों की संख्या घटकर 2.11 लाख रह गई है। पिछले नौ वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है क्योंकि देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक प्रौद्योगिकी के उपयोग और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के विकास में तेजी से अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है। इससे पहले ऐक्सिस बैंक ने प्रौद्योगिकी में अपने निवेश के कारण उत्पादकता में हुए सुधार को देखते हुए वित्त वर्ष 2026 में कर्मचारियों की संख्या में करीब 3,100 की कटौती की थी। एचडीएफसी बैंक के एक अधिकारी ने नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा कि प्रौद्योगिकी से संचालित और ग्राहक केंद्रित बैंक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ने के साथ ही हमें कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने की आवश्यकता है। हम अपने लोगों को प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर अधिक उत्पादक तरीके से और ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से काम करने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि कर्मचारियों को बैकएंड कार्यों से ग्राहक केंद्रित भूमिकाओं में नए सिरे से तैनाती की जा रही है। बैकएंड कार्यों में प्रौद्योगिकी आधारित दक्षता हासिल की गई है।

हम काफी सोच-समझकर प्रतिभाओं को बैकएंड कार्यों से अलग कर रहे हैं क्योंकि वहां प्रौद्योगिकी आधारित दक्षता लाई जा सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोना-चांदी के दाम में बड़ी गिरावट

सोना 845 रुपए गिरकर 1,42,633 पर, चांदी 4,016 रुपए टूटकर 2,18,648 पर

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान तनाव और फेड के सख्त रुख की वजहों से सोने-चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिल रही है। सोने-चांदी के कारोबार की सोमवार को सुस्त शुरुआत हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 845 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,633 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,43,478 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,658 रुपये की गिरावट के साथ 1,41,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,43,633 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,41,557 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 4,016 रुपये की गिरावट के साथ 2,18,648 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,22,664 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 4,889 रुपये की गिरावट के साथ 2,17,775 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,18,667 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,17,277 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,106.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,113.70 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 38.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,075.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 59.71 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 60.16 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.40 डॉलर की गिरावट साथ 58.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत-ब्रिटेन एफटीए लागू: व्यापार को नई गति, पेशेवरों को बड़ा लाभ

15 जुलाई से निर्यात शुल्क शून्य

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की है कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू होगा। यह निर्यातकों को शून्य शुल्क का लाभ देगा और ब्रिटेन में कार्यरत भारतीय पेशेवरों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगा। इस समझौते के तहत ब्रिटेन को भेजे जाने वाले सभी भारतीय उत्पादों पर कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा, जिससे किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) जैसे क्षेत्रों को सीधा फायदा होगा। गोयल ने बताया कि यह समझौता ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए भी बड़ा बदलाव लाएगा।

डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन (डीसीसी) के तहत, पांच साल तक ब्रिटेन में कार्यरत भारतीयों को अब वहां सामाजिक सुरक्षा में योगदान नहीं देना होगा। इसके बजाय, उनके वेतन का लगभग 25 फीसदी सीधे भारत में उनके भविष्य निधि खातों में 8.25 फीसदी कर-मुक्त ब्याज के साथ जमा होगा। गोयल ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 47अंक , निफ्टी 4 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। आज दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक वैश्विक संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव जारी रहने से बाजार में उत्साह नहीं था। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन आईटी शेयरों में तेजी से बाजार अंत में बढ़त पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 47.01 अंक उछलकर 77,616.40 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.10 अंक बढ़कर 24,211 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप भी हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। आज सेक्टरवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट रही जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा तेजी आई। इसके बाद निफ्टी मीडिया और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी बढ़त रही। निफ्टी ऑटो में और निफ्टी प्राइवेट बैंक व निफ्टी पीएसयू बैंक में भी तेजी रही।वहीं इसके विपरीत, निफ्टी एफएमसीजी में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी मेटल, निफ्टी इंफ्रा और निफ्टी रियल्टी में गिरावट आई। निफ्टी फार्मा और निफ्टी एनर्जी भी नीचे आये। निफ्टी में टीसीएस और एचसीएलटेक में बढ़त दर्ज की गई और ये दिन के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, बजाज ऑटो और एनटीपीसी के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। जबकि, सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया के शेयर रहे ।जानकारों के अनुसार अमेरिका द्वारा ईरान पर हमले बढ़ने के बाद से ही ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 3 तेजी आई है जिससे बाजार पर दबाव आया है। ।वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 50 178 अंक की गिरावट के साथ 24,029.75 पर कारोबार कर रहा था। वहीं बीएसई सेंसेक्स 637 अंक टूटकर 76,931.95 के स्तर पर आ गया। वहीं अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए, जहां एनवीडिया और मेटा जैसी टेक कंपनियों में खरीदारी देखने को मिली।

एनटीपीसी छत्तीसगढ़ में 20,456 करोड़ का निवेश करेगी

लारा सुपर तापीय परियोजना के तीसरे चरण के लिए बोर्ड ने दी स्वीकृति

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने छत्तीसगढ़ में बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 1,600 मेगावाट क्षमता वाली लारा सुपर तापीय विद्युत परियोजना के तीसरे चरण के लिए 20,456.70 करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल की 11 जुलाई को हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण निर्णय पर मुहर लगाई गई।

यह विस्तार परियोजना न केवल देश में बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, बल्कि बिजली ग्रिड में तापीय और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के बेहतर समायोजन में भी मदद करेगी। एनटीपीसी का यह निवेश देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के ऊर्जा परिदृश्य को मजबूत करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्मार्टवर्क्स को पुणे में 58 करोड़ का मेगा लीज़ कॉन्ट्रैक्ट

ब्रिटिश कंपनी को 930 से अधिक सीटें पट्टे पर दीं

नई दिल्ली ।

सह-कार्यस्थल उपलब्ध कराने वाली कंपनी स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेस लिमिटेड ने पुणे में ब्रिटेन की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी को 930 से अधिक सीटें पट्टे पर दी हैं। इस बड़े सौदे से कंपनी को आगामी पांच वर्षों में कुल 58 करोड़ रुपये की किराये से आय होने की उम्मीद है। गुरुग्राम स्थित स्मार्टवर्क्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह लीज़ समझौता ब्रिटेन की एक वैश्विक पेशेवर सेवा और प्रौद्योगिकी कंपनी की भारतीय अनुषंगी इकाई के साथ किया गया है। कंपनी ने गोपनीयता के चलते लीज़ पर सीटें लेने वाली फर्म के नाम का खुलासा नहीं किया है। स्मार्टवर्क्स के लिए यह एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो भारतीय कोवर्किंग बाजार में इसकी बढ़ती पैठ को दर्शाता है। यह समझौता 60 महीने यानी पांच साल की अवधि के लिए हुआ है, जिससे कंपनी को अगले पांच वर्षों में 58 करोड़ रुपये की निश्चित आय प्राप्त होगी। यह सौदा स्मार्टवर्क्स के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा ।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने बनाया रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर

फिजिकल एआई आधारित रोबोटिक्स पर जोर, सीईओ को सीधे रिपोर्ट करेगा नया संगठन

सियोल ।

रोबोटिक्स कारोबार को विस्तार देने के लिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर की स्थापना की है। नया संगठन रोबोटिक्स के व्यावसायीकरण से जुड़े कारोबार विकास, आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण संचालन को एकीकृत रूप से संभालेगा। एक जुलाई 2026 से प्रभावी यह बदलाव कंपनी के वार्षिक संगठनात्मक पुनर्गठन से पहले किया गया है। एलजी का कहना है कि इससे फिजिकल एआई आधारित रोबोटिक्स को भविष्य के प्रमुख कारोबार के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। नया केंद्र सीधे सीईओ ल्यू जे-चेओल को रिपोर्ट करेगा।रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर का नेतृत्व सॉन्ग सी-यॉंग करेंगे। वह इससे पहले एलजी के प्रोडक्शन इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रमुख जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। केंद्र व्यापार विकास, बिक्री और संचालन से जुड़े सभी पहलुओं पर काम करेगा।एलजी ने रोबोट प्रशिक्षण और तकनीकी विकास के लिए एक समर्पित डेटा फैक्ट्री संगठन बनाने की भी घोषणा की है। इसके तहत सियोल के यांगजे आरएंडडी कैंपस में बड़े पैमाने की डेटा फैक्ट्री तैयार की जा रही है। यहां से मिलने वाले उच्च गुणवत्ता वाले डेटा का उपयोग एलजी के रोबोट फाउंडेशन मॉडल (आरएफएम) को बेहतर बनाने में किया जाएगा।कंपनी के अनुसार, नई संरचना से निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और रोबोटिक्स रणनीति, तकनीकी विकास तथा लागत प्रतिस्पर्धा को मजबूती मिलेगी।

क्या प्याज बालों का झड़ना रोक सकता है? जानिए इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका

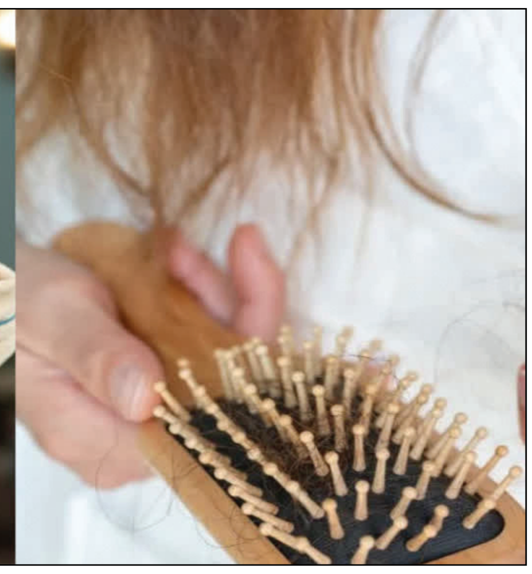

बाल झड़ने की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है. आपको बता दें कि बाल झड़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. इन कारणों में हार्मोनल असंतुलन, तनाव, प्रदूषण, अनहेल्दी डाइट और बालों पर केमिकल वाले उत्पादों का इस्तेमाल शामिल हैं. बालों को झड़ने से रोकने के लिए लोग कई तरह के उपचार करवाते हैं, जिनके विपरीत प्रभाव भी हो सकते हैं. इसलिए बालों को झड़ने से रोकने के लिए घरेलू उपाय ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं. इन घरेलू उपायों में प्याज का तेल भी शामिल है. इसे घर पर बनाना भी आसान है...

प्याज का तेल बालों के लिए फायदेमंद है।

प्याज का तेल एक ऐसा तेल है जो बालों को झड़ने से रोकता है. प्याज से बना तेल बालों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है और बालों को झड़ने से रोकता है.

प्याज का तेल बनाने के लिए सामग्री

3 प्याज

1/2 कप नारियल तेल

प्याज का तेल कैसे तैयार करें?

एक बर्तन में नारियल का तेल डालकर गैस पर रखें, फिर इसमें कटे हुए प्याज के टुकड़े डालकर तेल को 20 मिनट तक उबालें. इसके बाद गैस बंद कर दें. जब तेल अच्छे से ठंडा हो जाए तो इसे कांच के जार में डालकर इस्तेमाल करें.

का उपयोग कैसे करें?

तैयार तेल को स्कैल्प से लेकर बालों के सिरे तक अच्छी तरह से लगाएं. इसे अपने सिर पर 1 घंटे या रात भर के लिए लगा रहने दें और फिर नहा लें. हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम होगा और रूसी जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा.

प्याज के तेल के उपयोग के लाभ

प्याज सल्फर का एक अच्छा स्रोत है. यह केराटिन के उत्पादन को बढ़ाता है, जो बालों के विकास के लिए जरूरी प्रोटीन है.

प्याज में एंटीबैक्टीरियल गुण भरपूर मात्रा में होते हैं. यह स्कैल्प पर होने वाले हर तरह के संक्रमण को रोकता है.

प्याज का तेल रूसी को रोकने और रूसी की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है.

प्याज का तेल रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है.

प्याज के तेल का नियमित उपयोग बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बालों का झड़ना रोकता है.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ पर प्रकाशित परिणाम क्या कहते हैं कि एलियम सेपा, जिसे आम तौर पर प्याज के रूप में जाना जाता है, लिलियासी परिवार से संबंधित है. प्राचीन काल से, इसका उपयोग पारंपरिक रूप से विभिन्न रोगों के उपचार के लिए किया जाता रहा है. प्याज के अर्क में लिवर हेक्सोकाइनेज, ग्लूकोज 6-फॉस्फेट और एचएमजी कोएंजाइम-ए रिडक्टेस की गतिविधियों को सामान्य करके हाइपोग्लाइसेमिक और हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव भी पाए गए हैं. शोध के अनुसार, प्याज का अर्क पीने से ब्लड शुगर को तेजी से नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके साथ ही प्याज में सल्फर भरपूर मात्रा में होता है, जो एक महत्वपूर्ण खनिज है जो बालों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. सल्फर अमीनो एसिड में पाया जाता है, जो केराटिन सहित प्रोटीन के निर्माण खंड हैं. केराटिन बालों का एक प्रमुख घटक है, और हाई सल्फर सामग्री बालों की मजबूती और लोच को बढ़ाती है.

किचन में भूलकर भी न रखें ये 2 बर्तन उल्टे, घर से भाग जाएगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में वास्तु का विशेष महत्व है. घर के किचन के लिए भी वास्तु अनिवार्य है. किचन सिर्फ खाना बनाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि इसमें अन्नपूर्णा का वास भी होता है. इसमें लक्ष्मी का भी वास होता है. इसलिए अगर आप घर में सुख-शांति और समृद्धि चाहते हैं तो किचन से जुड़े वास्तु नियमों का पालन जरूर करें. इनकी अनदेखी करने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. नतीजतन घर को नकारात्मक प्रभावों का भी सामना करना पड़ सकता है, ऐसा वास्तु ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है.

आमतौर पर लोग किचन में बर्तन धोने के बाद उन्हें उल्टा करके रख देते हैं. लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में कभी भी दो बर्तन को उल्टे नहीं रखने चाहिए, इसमें कड़ाही और तवा शामिल है. जी हां! वास्तु शास्त्र कहता है कि किचन में कभी भी कड़ाही और तवे को उल्टा नहीं रखना चाहिए. ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है.

जानकारों का कहना है कि ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिसका स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना बनाने के बाद किचन में बर्तनों को धोना और उन्हें सही तरीके से रखना बहुत जरूरी है. नियमों का पालन करने से परिवार के सदस्यों के घर में समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि तवा उल्टा रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और अक्सर घर में झगड़े होते रहते हैं. इसके साथ ही कहा जाता है कि घर में दरिद्रता बढ़ती है. इससे आर्थिक स्थिति भी खराब होने लगती है. कहा जाता है कि तवा उल्टा रखने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. इससे घर की खुशियां खत्म हो जाती हैं. पैसों की कमी का सामना करना पड़ता है. इसलिए सलाह दी जाती है कि किसी भी हालत में तवा उल्टा नहीं रखना चाहिए. जब ??भी तवा धोएं तो उसे सीधा ही रखें. इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि गंदे बर्तन रातभर किचन में नहीं रखने चाहिए.

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में सदैव खुशियां, सेहत और पैसे की कमी ना रहे. लेकिन कई बार हम भूल से कई छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से घर में खुशियां और धन-दौलत लंबे वक्त तक नहीं टिक पाती. वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूरे घर में शांति और जीवंतता बनाए रखने के लिए किचन में साफ-सफाई बेहद जरूरी है. यह सिर्फ खाने की जगह नहीं है. यह वह स्थान है जहां मां गृहलक्ष्मी का वास होता है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि हल्दी, नमक, पानी का बर्तन, चावल, चीनी और घी ऐसी चीजें हैं जो हमेशा किचन में मौजूद होनी चाहिए. अगर ये पूरी तरह खत्म हो जाएं तो उस घर में आर्थिक तंगी, हेल्थ रिलेटेड परेशानियां और पारिवारिक कलह की संभावना बढ़ जाती है. इसलिए किचन में कुछ चीजों को संभालकर रखना चाहिए ताकि ये कभी पूरी तरह खत्म न हों.

बरसात के मौसम में इन फलों का जरूर करें सेवन, बीमारियों से रहेंगे दूर और बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

बारिश का मौसम शुरू हो गया है. हालांकि इस दौरान मौसम सुहावना होता है, लेकिन यह मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है. मानसून के दौरान वायरल इंफेक्शन, एलर्जी, डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी कई मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. हवा में नमी भी काफी होती है, जिसका असर पाचन क्रिया पर पड़ता है.

मानसून के दौरान इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है. चाहे कितनी भी सावधानी बरती जाए, संक्रामक रोग फिर भी हो ही जाते हैं. सर्दी-खांसी से लेकर डेंगू बुखार, मलेरिया, टाइफाइड और मच्छरों से होने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याएं मानसून के दौरान बढ़ जाती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ फल खाने से मानसून के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके अलावा, कुछ फल संक्रमण से लड़ने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं.

मानसून के मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना सबसे जरूरी है. ऐसे में पाचन और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए आपको अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए. कहा जाता है कि मानसून के दौरान इम्यून सिस्टम का मजबूत होना सबसे जरूरी है. शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए कुछ फलों का सेवन जरूरी है. इन फलों को खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है. साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत बनता है.

इन फलों का जरूर करें सेवन

अमरूद : बरसात के दिनों में अमरूद खाना अच्छा होता है. अमरूद न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है अमरूद में विटामिन सी, आयरन और एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जो पाचन के लिए अच्छा होता है यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है.

अनार : अनार सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. इसे खाने से शरीर में खून की कमी दूर होती है. इसमें विटामिन बी और फोलेट भी भरपूर मात्रा में होता है. अगर आप मानसून में इस फल को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो यह रेड ब्लड सेल्स की संख्या बढ़ाने में फायदेमंद होता है. लेकिन हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों को अनार खाने से बचना चाहिए.

सेब : सेब विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. सेब के नियमित सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और एनर्जी भी मिलती है. मानसून में सेब खाने से वायरल इन्फेक्शन का खतरा कम होता है. सेब में फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए फायदेमंद होते हैं. इनमें पाया जाने वाला फाइबर कब्ज और वजन घटाने के लिए अच्छा माना जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि सेब के नियमित सेवन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित रहता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है.

पपीता : पपीता भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. मानसून में पपीता जरूर खाना चाहिए. पपीते में पपेन एंजाइम होता है. जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है. साथ ही इसे खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. साथ ही इसमें विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में होता है. साथ ही पपीते के पत्तों का जूस डेंगू बुखार में उपयोगी होता है. पपीते के पत्तों का जूस पीने से प्लेटलेट्स बढ़ती हैं. साथ ही यह सिरदर्द, थकान जैसी समस्याओं को भी दूर करता है.

नाशपाती : नाशपाती विटामिन सी से भरपूर होती है. यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है. मानसून में इसे खाना जरूरी है. यह पाचन के लिए भी जरूरी है. यह एक सुपरफूड है. कब्ज से परेशान लोग अगर नाशपाती खाएं तो इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं. क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है. जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए बहुत अच्छा होता है. इसके नियमित सेवन से मल को नरम करने में मदद मिलती है. नाशपाती कॉपर और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है. जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं. जर्नल मॉलिक्यूल्स में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड सूजन को कम करने और टाइप 2 और स्ट्रोक के रिस्क को कम करने में मदद कर सकते हैं.

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 11 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोर्ट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग

काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फ्रेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और हाई प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने छोड़ा सीएसके का साथ

18 साल बाद अलग हुए, कहा- टीम हमेशा दिल के करीब रहेगी, 5 आईपीएल टाइटल जिताए

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और उसके हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सीएसके ने एक्स पर लिखा- 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने आईपीएल इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप में से एक को साझा किया है। आपने जो विरासत बनाई है, वह हमें प्रेरित करती रहेगी। बेहद सम्मान और आभार के साथ, धन्यवाद स्टीफन।' न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल के पहले सीजन में बतौर खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। 2009 में उन्होंने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली और 2010 में पहला टाइटल जिता दिया।

फ्लेमिंग ने कहा-18 साल खेल में एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं। मुश्किल दौर देखे और ऐसी यादें बनाई जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। टीम हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मैं आगे भी टीम को सपोर्ट करता रहूंगा।

आईपीएल के सबसे सफल कोच हैं फ्लेमिंग

फ्लेमिंग की रणनीति, शांत नेतृत्व और खिलाड़ियों पर भरोसा सीएसके की पहचान बन गया। उनकी और एमएस धोनी की जोड़ी को आईपीएल इतिहास की सबसे सफल कोच-कप्तान जोड़ियों में गिना जाता है।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

● ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

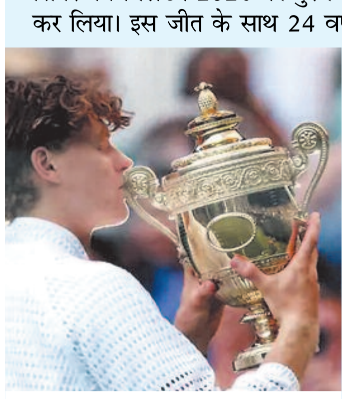

यह 5वां ग्रैंडस्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

● लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाईं। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

भारत ने लॉर्ड्स का पहला महिला टेस्ट जीता

इंग्लैंड को 270 रन से हराया, यस्तिका का शतक, मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारत ने इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया था, लेकिन चौथे दिन टीम दूसरी पारी में 186 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की टीम 170 रन पर ऑलआउट हो गई और भारत को 115 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड को 457 रन का टारगेट दिया। दूसरी पारी में यस्तिका भाटिया ने 113 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए। स्मृति ने पहली पारी में भी 83 रन बनाए थे। ऋचा घोष ने भी नाबाद 50 रन बनाकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

पहली पारी में क्रांति ने 5 विकेट लिए - इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके। सयाली सतघारे और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को एक सफलता मिली। एमी जोन्स ने 52 और कप्तान नेट सिवर-ब्रंट ने 44 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके।

यस्तिका ने रचा इतिहास, भारत ने मैच पर कब्जा जमाया - 115 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी खेलने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने 88 रन की शुरुआत दी। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने जिम्मेदारी संभालते हुए 113 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने स्मृति के साथ 73 और दीप्ति शर्मा के साथ 52 रन की साझेदारी की। ऋचा घोष ने नाबाद 50 और सयाली सतघारे ने नाबाद 18 रन बनाकर भारत को 341/7 तक पहुंचाया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट लिए, लेकिन भारत ने 456 रन की बढ़त हासिल कर ली।

चौथे दिन भारतीय स्पिनरों ने खत्म किया मुकाबला - 457 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टैमी ब्यूमोंट, माया बुशियर, हीदर नाइट और कप्तान नेट-ब्रंट जल्दी आउट हो गईं। एमी जोन्स ने 54 और सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड ज्यादा देर टिक नहीं सका। स्नेह राणा ने 4 विकेट लिए। सयाली सतघारे, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड की पूरी टीम 186 रन पर सिमट गई और भारत ने मुकाबला 270 रन से जीत लिया।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडिडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडिडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत - द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ - रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

● **एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार** - पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप

सेमीफाइनल में 35 साल बाद सभी पूर्व चैंपियंस

अर्जेंटीना-इंग्लैंड की 40 साल पुरानी राइवलरी, एम्बाप्पे का फ्रांस यमाल के स्पेन से खेलेगा

अटलांटा (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। फुटबॉल की चार दिग्गज टीमें- अर्जेंटीना, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने टॉप-4 में प्रवेश किया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में सिर्फ पूर्व चैंपियन टीमें पहुंची हैं। एक खास बात और है, ये चारों टीमें फीफा रैंकिंग में टॉप-4 में शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब रैंकिंग की टॉप-4 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची हैं और खिताब से सिर्फ दो जीत दूर हैं। मंगलवार को किलियन एम्बाप्पे की फ्रांस और लामिन यमाल के स्पेन आमने-सामने होंगे, जबकि बुधवार को लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना और हैरी केन की इंग्लैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

अर्जेंटीना - इंग्लैंड - अर्जेंटीना और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ फुटबॉल तक सीमित नहीं रही है। 1982 के फॉकलैंड युद्ध से लेकर वर्ल्ड कप के कई विवादित मुकाबलों तक दोनों देशों की राइवलरी काफी पुरानी है।1986 वर्ल्ड कप में डिएगो माराडोना के चर्चित हैंड ऑफ गॉड गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था। 1998 में डेविड बेकहम को रेड कार्ड मिला और अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।2002 में बेकहम ने पेनल्टी गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। अब मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

स्पेन - फ्रांस - दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस और स्पेन की टक्कर होगी। दोनों टीमें 2 साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, जहां स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे और डिजिरे डुए जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि स्पेन की उम्मीदें युवा स्टार लामिन यामाल और मिडफील्डर मिकेल मेरिनो पर टिकी होंगी। मेरिनो ने लगातार दो नॉकआउट मुकाबलों में निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिलाई है।

मेसी के पास इतिहास रचने का मौका - 39 साल लियोनेल मेसी अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके नाम विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल हैं।अगर मेसी अर्जेंटीना को लगातार दूसरा वर्ल्ड कप दिलाने में सफल रहते हैं, तो वह डिएगो माराडोना के बराबर नहीं, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाएंगे।अर्जेंटीना अगर खिताब जीतता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ब्राजील और इटली यह कारनामा कर चुके हैं।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

ब्रेंडन मैकुलम की बर्खास्तगी पर भड़की इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स, ईसीबी को लगाई फटकार

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे ऐतिहासिक महिला टेस्ट के दौरान इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा ब्रेंडन मैकुलम को पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाने की घोषणा विवादों में आ गई है। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलेक्स हार्टले ने इस फैसले के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे महिला क्रिकेट के इस ऐतिहासिक मुकाबले की अहमियत कम हो गई।

ऐतिहासिक मैच से हट गया सबका ध्यान - एलेक्स हार्टले ने कहा कि लॉर्ड्स में खेला जा रहा यह मुकाबला महिला क्रिकेट के इतिहास का बेहद खास पल है। ऐसे समय में मैकुलम की विदाई का ऐलान करना समझदारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ईसीबी चाहती तो इस घोषणा को टेस्ट खत्म होने तक टाल सकती थी। उनके मुताबिक इससे क्रिकेट जगत और प्रशंसकों का पूरा ध्यान महिला टेस्ट से हट गया।

ईसीबी की मंशा पर भी उठाए सवाल - हार्टले ने बोर्ड की महिला क्रिकेट के प्रति प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ईसीबी वास्तव में महिला क्रिकेट का सम्मान और विकास चाहता है तो उसे केवल बयान देने के बजाय अपने फैसलों से भी यह दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस फैसले का कोई मतलब नहीं बनता। मंगलवार तक इंतजार किया जा सकता था। इंग्लैंड भले ही यह टेस्ट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन मैच अभी खत्म नहीं हुआ है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक मुकाबला है।

सिर्फ बातें नहीं, काम से दिखाइए सम्मान - हार्टले ने माना कि मंगलवार से इंग्लैंड पुरुष टीम को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है, इसलिए ईसीबी घोषणा जल्द करना चाहता था। लेकिन उनके मुताबिक महिला क्रिकेट के लिहाज से यह टेस्ट उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि महिला क्रिकेट का सम्मान करते हैं और उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो सिर्फ बातें मत कीजिए। इस खबर को सोमवार शाम या मंगलवार सुबह तक रोका जा सकता था।

एक एक्टर के तौर पर अभी लंबा सफर तय करना बाकी है

'मिर्जापुर : द मूवी' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वेब सीरीज के तीन सीजन के बाद अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें जहां वेब सीरीज के कई कलाकार और किरदार वापसी करेंगे, तो वहीं कुछ नए कलाकार और किरदार भी नजर आएंगे। अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में सीरीज के अपने चर्चित कंपाउंडर सुबोध के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज से पहले अभिषेक ने अपने किरदार को मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने एक किस्सा साझा किया जहां एक फैन ने उन्हें कंपाउडर सुबोध के तौर पर ही पहचाना।

बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने एक फैन द्वारा उन्हें कंपाउंडर सुबोध के तौर पर पहचाने जाने का जिक्र किया। अभिषेक ने बताया कि हां, जना और हथौड़ा त्यागी। मुझे लगता है कि लोग मुझे मेरे असली नाम से ज्यादा इन किरदारों के नाम से जानते हैं। मुझे सच में इस बात की खुशी है। जब आपके किरदार अच्छा काम करते हैं, तो लोग उनसे जुड़ जाते हैं। अभी-अभी जब मैं अंदर आ रहा था, तो सिक्योरिटी गार्ड ने मुझे रोका और कहा, 'अरे, मिर्जापुर कंपाउंडर!' उसने मुझे इसी तरह याद रखा था। मैं अपने दर्शकों के साथ ठीक ऐसा ही जुड़ाव बनाना चाहता हूं।

एक एक्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि अभी लंबा सफर तय करना बाकी है; यह तो बस शुरुआत है। मेरे लिए यह जरूरी है कि लोग मुझे मेरे काम और एक्टिंग की वजह से जानें, न कि इस वजह से कि मैं असल जिंदगी में कैसा हूं। मुझे जो काम मिल रहा है, उसके लिए मैं सच में शुक्रगुजार हूं।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी, अकेली गुजारेंगी जिंदगी

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो 'लॉक अप : सच या सजा' के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आईं। आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24 साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। आकांक्षा ने जवाब दिया, 'नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की ज़िंदगी अकेले ही बिताऊंगी।' फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ 'लैला' जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं।

'लॉकअप' का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे। 'लॉकअप' के दूसरे सीजन में 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होगी। पिछले हफ्ते 'जजमेंट डे' के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूं।' उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

मेरा किसी की शैली की नकल करने का कोई इरादा नहीं है

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ़ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश। 'आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।' कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।' गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।

20 वर्षों के बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने को तैयार नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्हें 'अमरन' के लिए काफी तारीफें मिली थीं।

मेकर्स ने किया आधिकारिक एलान

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा 'ओम की दुनिया में एक दमदार एंट्री। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।'

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कमल हासन की फिल्म 'हे राम' (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी।

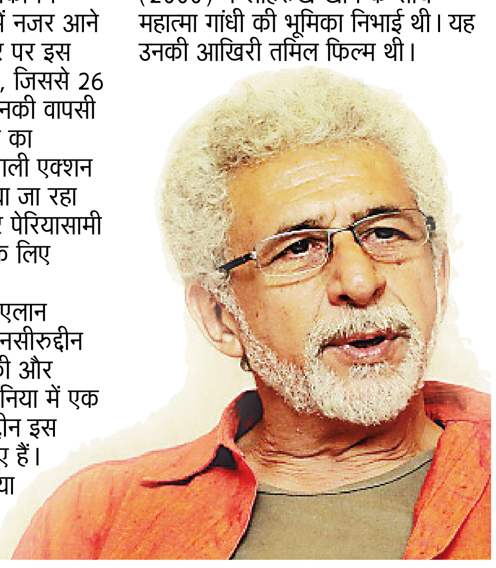

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

रवीना टंडन

ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। बातचीत के दौरान, रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, 'आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।'

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।' इतने मुश्किल शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

जन्मजात नेता हैं थलापति विजय

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है। हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। अपनी फिल्म 'जीडीएन' के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
14 जुलाई 2026

संक्षिप्त समाचार

फिनलैंड में हैदराबाद के छात्र का शव मिला, 2 महीने से लापता था; पुलिस बोली- हत्या के सबूत नहीं

हेलसिंकी, एजेंसी। फिनलैंड में पिछले दो महीने से लापता हैदराबाद के 18 साल के छात्र का शव समुद्र से बरामद हुआ है। फिनलैंड पुलिस ने कहा है कि शुरुआती जांच में हत्या के सबूत नहीं मिले हैं। परिवार ने भारत सरकार से उनका शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। छात्र की पहचान मणिदीप को रूप में हुई है, जो 2025 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए फिनलैंड गया था। 5 मई को वह ट्रेन से राजधानी हेलसिंकी पहुंचा और आखिरी बार एक मार्केट स्टोर में नजर आया। परिवार के मुताबिक, 5 मई को मणिदीप ने मां से आखिरी बार बात की थी। उसने बताया था कि वह एक बेकरी में है और जल्द घर लौटेगा। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया और कोई संपर्क नहीं हो सका। मामले के बाद फिनलैंड की जांच एजेंसियों, हेलसिंकी पुलिस और कोस्ट गार्ड ने कई हफ्तों तक तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार 9 जुलाई को समुद्र से उनका शव बरामद हुआ।

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला की हत्या: बेटा घायल, आरोपी पति गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक व्यक्ति को अपनी भारतीय मूल की पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने और अपने बेटे को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी किर्क बी रेजियन (56 वर्षीय) को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसे कॉब काउंटी के वयस्क हिरासत केंद्र में रखा गया है और जमानत पर रिहा नहीं किया गया है। उनकी पत्नी 57 वर्षीय शीतल रेजियन स्मिरना में लॉरेल क्रीक ट्रेल स्थित अपने घर के अंदर घायल मिलीं। उन्हें गोली लगी हुई थी। बाद में उनकी मौत हो गई। उनके 23 वर्षीय बेटे जेसन रेजियन घर के बाहर गोली लगने से घायल हालत में मिले। आपातकालीन टीम उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गई। पुलिस को रात करीब 8 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पुलिस ने किर्क रेजियन की पहचान शीतल के पति और जेसन के पिता के रूप में की। स्थानीय समाचारों के अनुसार, कॉब काउंटी पुलिस ने किर्क पर हत्या, गंभीर हमले के दो आरोप और किसी गंभीर अपराध के दौरान हथियार रखने के दो आरोप लगाए हैं। पुलिस ने इस घटना को घरेलू हिंसा का मामला बताया। पुलिस के अनुसार, आम लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि गोलीबारी किस वजह से हुई। जेसन की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। जांच के दौरान पुलिस ने कई घंटों तक लॉरेल क्रीक ट्रेल इलाके को बंद रखा। इस घटना से इलाके के लोग हैरान हैं। यहां कुछ परिवार कई दशकों से रह रहे हैं।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के बेटे ने टैक्स से बचने के लिए बदला नाम?

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के परिवार से जुड़ा एक और नया विवाद सामने आया है। नेतन्याहू के बड़े बेटे यायर नेतन्याहू ने अपना नाम बदलकर योनातन हुन कर लिया है। लीक हुए डेटा के मुताबिक, नेतन्याहू के बेटे ने नाम पिछले दो सालों के दौरान ही किया है। क्योंकि 2024 में टैक्स भरने के दौरान उन्होंने अपने नाम जन्म वाले नाम का ही प्रयोग किया था। लेकिन 2026 में जब उन्होंने टैक्स फाइलिंग की, तो अपना नाम बदलकर 'योनातन हुन' कर लिया है। इजरायली मीडिया के मुताबिक नेतन्याहू परिवार टैक्स और भ्रष्टाचार के मामलों में फंसा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री के बड़े बेटे के इस कदम को भी शक की नजर से देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि 34 साल के एक्टिविस्ट और पीएम नेतन्याहू के बेटे ने किन वजहों से यह नाम बदला है। रिपोर्टस के मुताबिक उन्होंने अपने नाम में यह बदलाव रेगुलेटरी अपडेट उनके मौजूदा नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर के तहत किया गया है। इसमें उन्होंने अपना रेसिडेंशियल एड्रेस बस 'बाल्फोर 0' के नाम से दिया है। यह एड्रेस इजरायल के प्रधानमंत्री आवास की तरफ इशारा करता है। पिछले कई सालों से युद्ध में उलझे इजरायल के लोगों के बीच में प्रधानमंत्री के बेटे द्वारा नाम बदलने को लेकर काफी चर्चा है। लोग इस फैसले के पीछे के मकसद को लेकर बंटे हुए हैं। क्योंकि एक तरफ जहां युद्ध के लिए सभी रिजर्व सैनिकों को बुलाया जा चुका है, वहीं 34 वर्षीय योनातन हुन 2023 से प्लोरिडा में रह रहे हैं। विदेश में रहने की वजह से इजरायल में उनकी कड़ी आलोचना भी हुई थी। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने युद्ध में लड़ने से बचने के लिए यह तरकीब अपनाई है, वहीं कई लोग इसे टैक्स से जोड़कर देख रहे हैं। इजरायल के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार ने भले ही बेटे के नाम बदलने को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी हो, लेकिन लोगों ने इसका मतलब निकालना शुरू कर दिया है।

ईरान का विध्वंसक पलटवार! कतर-श्व और बहरीन पर दागीं मिसाइलें; खाड़ी देशों में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब चरम पर पहुंच गया है और युद्ध की आग पूरे क्षेत्र में फैलती नजर आ रही है। रविवार सुबह ईरान ने अमेरिका के साथ जारी संघर्ष में एक बड़ा कदम उठाते हुए खाड़ी के प्रमुख देशों संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन और जॉर्डन पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में हड़कंप मच गया है और कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिए हैं।

कतर और बहरीन में सायरन की गूंज : कतर की राजधानी दोहा में रविवार सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे वहां रहने वाले लोग दहशत में आ गए। कतर के आंतरिक मंत्रालय ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे देश के नागरिकों के मोबाइल फोन पर एक आपातकालीन सुरक्षा अलर्ट भेजा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा खतरे का स्तर वर्तमान में बहुत अधिक है, इसलिए सभी नागरिक और प्रवासी अपने घरों या सुरक्षित स्थानों के भीतर ही रहें। वहीं, बहरीन के गृह मंत्रालय ने भी अपने क्षेत्रों में 'एयर रेड सायरन' चालू कर दिए हैं और लोगों से शांत रहते हुए नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

यूएई का एयर डिफेंस सिस्टम एक्शन में : ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को रोकने के लिए संयुक्त अरब अमीरात ने अपनी पूरी सैन्य ताकत झोंक दी है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक पुष्टि की है कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश के विभिन्न हिस्सों में ईरान की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और आक्रामक ड्रोनों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया है। मंत्रालय ने बताया कि शहर में सुनी गई धमाकों की आवाजें वास्तव में ईरानी मिसाइलों को मार गिराने की कार्रवाई का परिणाम थीं।

'खून का बदला' : ईरान की यह कार्रवाई उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन और उनके जनाजे की रस्मों के तुरंत बाद शुरू हुई है। ईरान के मौजूदा सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे अमेरिका द्वारा किए गए हमलों का 'खून का बदला' लेंगे। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने भी पहले ही चेतावनी दी थी कि वे अपनी जमीन पर हुए किसी भी हमले का पूरी ताकत से जवाब देंगे।

होर्मुज विवाद के बाद बढ़ी टेंशन

ईरान का यह पलटवार दरअसल अमेरिका द्वारा ईरानी शहरों बुशहर, बंदर अब्बास, सिरिक और चाबहार पर की गई बमबारी के जवाब में है। तनाव का मुख्य केंद्र 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुजट' है, जिसे रविवार से आईआरजीसी ने बंद कर दिया है। आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य आगे की सूचना मिलने तक बंद रहेगा। यह स्थिति तब तक जारी रहेगी, जब तक पूरे क्षेत्र में अमेरिका का हस्तक्षेप खत्म नहीं हो जाता। अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा, करीब 140 ठिकानों को बनाया निशानाः अमेरिकी सेना : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को कहा कि उसने ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा कर लिया है। सेना के अनुसार, इन हमलों में करीब 140 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने बताया कि निशाना बनाए गए ठिकानों में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने वाली जगहें, हथियार और गोला-बारूद रखने के ठिकाने, संचार उपकरण और अन्य स्थान शामिल थे। अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों से ईरान की उस क्षमता को कमजोर किया गया है, जिसके जरिये वह होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले आम नाविकों और व्यावसायिक जहाजों पर हमला कर सकता है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान ने रविवार सुबह इसके जवाब में बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को निशाना बनाकर हमले किए।

हमले के बाद चालक दल ने जहाज छोड़ाः यूकेएमटीओ : यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमले का निशाना बने मालवाहक जहाज के चालक दल ने जहाज छोड़ दिया है और लाइफबोट में सवार हो गया है। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह जानकारी सैन्य अधिकारियों और जहाज की सुरक्षा टीम के अधिकारी से मिली है। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया था कि ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर हमला किया। सेंटकॉम के मुताबिक, जहाज के चालक दल का एक सदस्य लापता है। जहाज में आग लगने और इंजन कक्ष को भारी नुकसान होने के कारण वह अपनी यात्रा जारी नहीं रख सका।

अरबों डॉलर का निवेश, फिर भी इंसानों की जगह नहीं ले सके रोबोट; ह्यूमनॉइड रोबोट का कारोबार तेजी से बढ़ा

हांगकांग/बीजिंग , एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन ने ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास में उल्लेखनीय बढ़त बनाई है। चीन की कंपनियां दुनिया में सबसे अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार कर रही हैं और सरकार इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। हालांकि, इन रोबोटों का तेजी से बढ़ता किराया कारोबार यह भी दिखा रहा है कि मौजूदा तकनीक अभी इतनी परिपक्व नहीं हुई है कि कारखानों, दफ्तरों या घरों में बड़े पैमाने पर इन्सानों की जगह ले सके। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार चीन में पिछले एक वर्ष के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट किराये पर उपलब्ध कराने का कारोबार तेजी से बढ़ा है। प्रदर्शनी, व्यावसायिक आयोजनों, प्रचार अभियानों और विवाह प्रस्ताव जैसे विशेष कार्यक्रमों में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए इन रोबोटों की मांग बढ़ी है। एक रोबोट का दैनिक किराया लगभग 3,000 से 3,500 युआन तक है और कई मामलों में इसके साथ प्रशिक्षित ऑपरेटर भी उपलब्ध कराया जाता है। सरकारी मीडिया के अनुसार चीन में 1.53 लाख से अधिक रोबोट किराया कारोबार पंजीकृत हो चुके हैं। इन चुनौतियों के बावजूद चीन सरकार ह्यूमनॉइड रोबोट को भविष्य की रणनीतिक तकनीक मान रही है। इस वर्ष सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत वर्ष के अंत तक 100

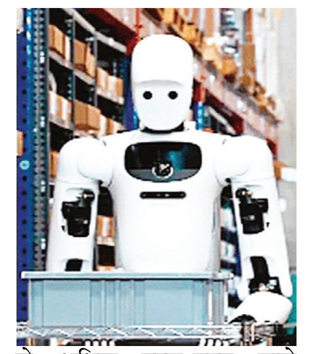

से अधिक उच्च-मूल्य वाले व्यावहारिक क्षेत्रों में ह्यूमनॉइड रोबोट तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है।बीजिंग का मानना है कि घटती कार्यशील आबादी और धीमी आर्थिक वृद्धि के बीच रोबोट भविष्य में उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन सकते हैं। साथ ही चीन इस क्षेत्र में अमेरिका, जापान और यूरोप पर तकनीकी बढ़त हासिल करना चाहता है। बाजार अनुसंधान संस्थानों के अनुसार दुनिया में ह्यूमनॉइड रोबोट निर्माण में चीन सबसे आगे निकल चुका है। देश में 140 से अधिक कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग और मजबूत विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला का लाभ मिलने से चीनी कंपनियां उत्पादन लागत तेजी से कम करने में सफल रही हैं। निवेश बैंक मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2050 तक दुनिया में लगभग एक अरब ह्यूमनॉइड रोबोट उपयोग में हो सकते हैं।

स्पेन के जंगलों में भीषण आग: 12 की मौत, 23 लापता, हजारों हेक्टेयर राख

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के अल्मेरिया प्रांत में भीषण जंगल की आग ने विदेशी नागरिकों की बस्ती को तबाह कर दिया. हादसे में 12 लोगों की मौत, 23 लोग लापता और 8 घायल हुए हैं. आग अब तक 3,200 हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र जला चुकी है. यूरोप में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी और सूखे ने वाइल्डफायर का खतरा बढ़ा दिया है.

स्पेन के दक्षिणी हिस्से में लगी भीषण जंगल की आग ने भारी तबाही मचाई है. आग की चपेट में आने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग अब भी लापता हैं. मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. यह हाल के वर्षों में स्पेन की सबसे घातक जंगल की आग में से एक मानी जा रही है. यह आग गुरुवार देर रात अल्मेरिया प्रांत में सिएरा डे लॉस फिलाब्रेस पहाड़ियों के पास एक दूरदराज इलाके में लगी, जहां बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक रहते हैं. उस समय पूरे स्पेन में भीषण गर्मी पड़ रही थी और सूखे की वजह से हालात पहले से ही खराब थे. ज्यादातर लोगों की मौत इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने अधिकारियों की घर के अंदर सुरक्षित रहने की सलाह नहीं मानी. कई लोग अपनी कारों से भागने लगे, जबकि कुछ पैदल निकल पड़े. कुछ लोग सूखी नदी के रास्ते भागे, लेकिन वह रास्ता उनके लिए मौत का जाल साबित हुआ. अधिकारियों के मुताबिक, चार मृतकों के ब्रिटिश नागरिक होने की आशंका है क्योंकि उनकी जली हुई कार में दाईं ओर स्टीयरिंग था, जैसा ब्रिटेन की गाड़ियों में होता है.

सात लोगों की मौत कार छोड़कर पैदल भागने के दौरान हुई. आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है. करीब 150 दमकलकर्मी और स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट के 220 जवान आग बुझाने में जुटे थे. अब तक आग 3,200 हेक्टेयर (करीब 7,900 एकड़) जंगल और खेती की जमीन को जला चुकी है. इलाके की ऊबड़-खाबड़, सूखी जमीन, झाड़ियां, सूखी घास और तेज हवाएं आग बुझाने में सबसे बड़ी चुनौती बन रही हैं. लगातार पड़ रही हीटवेव ने पूरे इलाके को बारूद की तरह ज्वलनशील बना दिया है।

चीन पर 'बावी' का कहर... 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी

बीजिंग, एजेंसी। प्रकृति के प्रकोप से जूझ रहे चीन में शनिवार रात एक और बड़ी आपदा ने दस्तक दी। शक्तिशाली तूफान 'बावी' शनिवार रात करीब 11:20 बजे पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के तट से टकराया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह इस साल का नौवां तूफान है, जिसने काउंटी स्तर के शहर युहुआन में लैंडफॉल किया।

जिस समय यह तूफान तट से टकराया, उस वक्त हवाओं की अधिकतम रफ्तार 40 मीटर प्रति सेकंड (करीब 144 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

20 लाख लोगों का ऐतिहासिक रेस्क्यू : ऑपरेशन तूफान की गंभीरता और इससे होने वाले संभावित जान-माल के नुकसान को देखते हुए चीनी प्रशासन ने व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए हैं। चीन के पूर्वी हिस्से से अब तक लगभग 20 लाख लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित आश्रय स्थलों पर पहुंचाया गया है। आपातकालीन स्थिति को देखते हुए राजधानी बीजिंग समेत देश के कई बड़े शहरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और राहत दलों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। प्रणाली चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अपनी चार स्तरीय चेतावनी प्रणाली में सबसे उच्च स्तर का 'रेड अलर्ट' भारी बारिश के लिए जारी किया है। इसके साथ ही, तूफान के खतरे को देखते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' भी लागू किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 24 घंटों में झेजियांग, उत्तरी फुजियान, उत्तर-पूर्वी जियांग्शी और दक्षिणी अनहुई सहित देश के एक बड़े हिस्से में अत्यधिक मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। इतना ही नहीं, बीजिंग और हेबेई के कुछ हिस्सों में भी भारी जलजमाव और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन में तबाही मचाने से पहले इस तूफान ने पड़ोसी क्षेत्रों में भी काफी नुकसान पहुंचाया है। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, शनिवार को जब 'बावी' ताइवान के उत्तर से गुजरा, तब वहां 113 लोग घायल हो गए। सुरक्षा की दृष्टि से ताइवान के ज्यादातर इलाकों में स्कूल और दफ्तर बंद कर दिए गए और करीब 14,200 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया। वहीं, जापान के ओकिनावा प्रांत में ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की गई है और पूरे इलाके में 200 से अधिक उड़ानों को रद्द करना पड़ा है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से तटीय क्षेत्रों से दूर रहने और मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार हो रही बारिश से नदियों के जलस्तर में वृद्धि और पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा भी बढ़ गया है।

4000 जवान और रेंजर्स की 7 विंग; पीओके में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में आसिम मुनीर?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 15 जुलाई को होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शनों और लॉन्ग मार्च से पहले वहां की स्थानीय कठपुतली सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाले प्रदर्शन और अशांति को दबाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने पाकिस्तान की सरकार से हजारों अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तत्काल तैनाती की मांग की है। सीएनएन-न्यूज 18 ने एक गोपनीय आधिकारिक दस्तावेज के हवाले से कहा है कि वहां के गृह विभाग ने इस्लामाबाद से 4,000 जवानों और पाकिस्तान रेंजर्स की सात विंग्स की तत्काल तैनाती की गुहार लगाई है। यह आपातकालीन कदम हाल के हफ्तों में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर और सैकड़ों अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद भड़के भयंकर जन आक्रोश की वजह से उठाया गया है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सचिव को 8 जुलाई को भेजा गया यह पत्र बेहद संवेदनशील है, जिस पर अति आवश्यक और गोपनीय लिखा गया है। यह आदेश साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान समर्थित स्थानीय प्रशासन जेएएसी द्वारा चलाए जा रहे इस आंदोलन से बुरी तरह घबराया हुआ है। प्रशासन ने समिति पर लंबे मार्च, विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित करने का आरोप लगाया है। सरकार का दावा है कि इस आंदोलन के कारण पूरे क्षेत्र में एक अस्थिर सुरक्षा संकट पैदा हो गया है, जिससे निपटना अब स्थानीय सुरक्षा तंत्र के बस की बात नहीं रहा।

आधे जवानों के पास होंगे हथियार, आधे के पास दंगा-रोधी गियर : गोपनीय दस्तावेज के अनुसार मांगी गई यह अतिरिक्त फोर्स पीओके में पहले से ही तैनात भारी सुरक्षा बलों के अलावा होगी। दस्तावेज में साफ लिखा गया है कि इन सैनिकों की जरूरत प्रदर्शनों के खतरे को बेअसर करने, प्रशासन के इकबाल को बनाए रखने और थके हुए सुरक्षा अमले को मदद देने के लिए है। प्रशासन ने मांग की है कि आने वाले सुरक्षाकर्मियों में से 50 प्रतिशत पूरी तरह से आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद से लैस होने चाहिए, जबकि शेष 50 प्रतिशत को दंगा-रोधी गियर दिया जाना चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि दंगा-रोधी उपकरणों की कोई कमी हो तो उसे बल की तैनाती से पहले पाकिस्तान के केंद्रीय स्टॉक से पूरा किया जाए। पीओके प्रशासन ने इस पूरी अशांति के लिए सीधे तौर पर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी को जिम्मेदार ठहराया है। सरकार का आरोप है कि पुंछ और रावलकोट में लगातार धरने दिए जा रहे हैं और पड़ोसी जिलों में रैलियां आयोजित कर लोगों को भड़काया जा रहा है। प्रशासन ने यह सनसनीखेज दावा भी किया है कि प्रतिबंधित समूहों से जुड़े सशस्त्र लोग मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजनों में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन; 3 दिन में 3 आत्मदाह:बेरोजगारी के खिलाफ गुस्सा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

2023 में बालेन शाह ने आत्मदाह को सरकार की विफलता कहा था 2023 की वह घटना भी चर्चा में है, जब प्रेम आचार्य ने आत्मदाह किया था। उस समय काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने इसे राज्य की चरम विफलता बताया था। अब मौजूदा घटनाओं पर उनकी चुप्पी विपक्ष और प्रदर्शनकारियों के निशाने पर है। नेपाल में लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने युवाओं की मानसिक स्थिति, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि सरकार ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो विरोध और तेज हो सकता है। 2022 में मेयर बनने के बाद बालेन ने शहर की सफाई, विरासत संरक्षण और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के कदम उठाए। अवैध निर्माण पर कार्रवाई से ट्रैफिक सुधरा, हालांकि इसका विरोध भी हुआ, खासकर सड़क किनारे दुकानदारों और झुग्गी बस्तियों के लोगों से। बालेन शाह का प्रभाव केवल प्रशासन तक सीमित नहीं रहा। पिछले साल सितंबर में हुए प्रदर्शनों के दौरान उनके गाने युवाओं के बीच गूंजते रहे। इन प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत हुई थी और इसके पीछे सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और धीमी अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का गुस्सा था। 5 मार्च को हुए आम चुनाव में उनकी पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की, जिससे नेपाल की पारंपरिक राजनीति को बड़ा झटका लगा। बालेन शाह ने झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को हराकर अपनी राजनीतिक ताकत साबित की। 35 साल की उम्र में प्रधानमंत्री पद संभालते ही वह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं।

वेनेजुएला भूकंप मामले में 4,333 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा, राहत कार्य के लिए लगभग 30 हजार लोग आए सामने

काराकास, एजेंसी। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप के झटकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,333 हो गई है। वहीं, राहत कार्य में मदद करने के लिए हजारों की संख्या में लोग सामने आ रहे हैं। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि 16,740 लोग घायल हुए हैं और 6,462 लोगों को बचाया गया है। अधिकारियों ने 18,000 से ज्यादा लोगों के लिए 94 अस्थायी कैंप बनाए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि आपदा के मुश्किल समय में पीड़ितों की मदद के लिए लगभग 30,000 स्वयंसेवक सामने आए और सरकार ने उन्हें घर बनाने और रिपेयरिंग के कामों में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है।

रोड्रिगेज ने कहा कि क्योंकि कई परिवार बेघर हैं, इसलिए सरकार ने एक यूनिफाइड हाउसिंग रजिस्ट्री शुरू की है, जो जनगणना और भूकंप पीड़ितों को सरकार के आदेश पर मिलने वाली वित्तीय मदद के लिए एक डेटाबेस का काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को उन लोगों को घर देने के लिए तेजी से कदम उठाने की जरूरत है जिन्होंने अपने घर हमेशा के लिए खो दिए हैं और जिन घरों को थोड़ा नुकसान हुआ है, उन्हें ठीक करने की जरूरत है। रोड्रिगेज ने कहा कि सरकार जब तक पक्के घर बन रहे हैं, तब तक सिंगल-फैमिली ट्रांजिशनल हाउसिंग वाले कैंप लगाने का भी प्लान बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल असेंबली रेंटल लॉ में सुधार करने और भूकंप से प्रभावित परिवारों को घर खरीदने में मदद करने के लिए क्रेडिट और सब्सिडी सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ेगी। अमेरिका और दूसरे देशों के आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से विदेश में जमा वेनेजुएला के फंड के बारे में, रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अलग-अलग सरकारों को चिट्ठी भेजकर उन एसेट्स को रिलीज करने की अपील की है। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों से मिली मानवीय मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह टिप्पणी कराकास में एक राहत सामग्री संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद की, जहां 24 जून को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्थायी राहत शिविरों में वितरण हेतु 2,000 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री को छांटा और व्यवस्थित किया जा रहा है। रोड्रिग्ज ने कहा, 'वेनेजुएला उन देशों, दुनिया के लोगों और दुनिया की सरकारों को धन्यवाद देते नहीं थकता, जिन्होंने मदद की पेशकश की है। प्रत्येक देश यह देख सकेगा कि उसकी सहायता का उपयोग कैसे किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला के लोगों को उस देश की मैत्रीपूर्ण मदद का एहसास हो। '

रोड्रिग्ज ने कहा, 'इस त्रासदी पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, वेनेजुएला जानता है कि यह अकेला नहीं है। सबसे जरूरी बात भविष्य की ओर देखना है, हम कैसे ठीक होंगे, हम प्रभावित इलाकों को कैसे फिर से बनाएंगे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.